

**ACTION HISTORY OF RTI REQUEST No.WLIOI/R/E/21/00079**

**Applicant Name** Ishan

**Text of Application** Kindly provide the following information under the Right To Information Act, 2005: 1. Please provide the copies of all the correspondences held between WII and the Uttar Pradesh government/PWD regarding Indo-Nepal road. 2. Please provide the copies of the assessment done by WII of the Indo-Nepal/Indo-Bhutan border roads passing through Assam.

**Reply of Application** Dear Applicant The reply of the concerned RTI application has been sent to you by email.

SN.	Action Taken	Date of Action	Action Taken By	Remarks
1	RTI REQUEST RECEIVED	21/12/2021	Nodal Officer	
2	REQUEST FORWARDED TO CPIO	23/12/2021	Nodal Officer	Forwarded to CPIO(s) : (1) Monali Sen
3	ADDITIONAL PAYMENT REQUIRED FOR INFORMATION	20/01/2022	Monali Sen-(CPIO)	The information has been collected from concerned officer at the Institute and same contains 153 pages. You are requested to deposit an additional fee of Rs. 306 (153 pages @ Rs. 2 per page) u/s 7(3) of RTI Act, 2005 towards the cost of providing the certified photocopy of documents as mentioned above. The fee may please be deposited by Online Mode or Demand Draft in favour of Director, Wildlife Institute of India, Dehradun.
4	ADDITIONAL PAYMENT RECEIVED FROM REQUESTER	20/01/2022	RTI Applicant	
5	REQUEST DISPOSED OF	27/01/2022	Monali Sen-(CPIO)	

[Print](#)





No. WII/RTI/CPIO/2021-22 (Qtr-III)/79

To,

Shri Ishan  
370, Top Floor, Sant Nagar,  
Delhi, Pin:110065  
Email: ikukreti@gmail.com

Sub.: Information under RTI Act, 2005-reg.

Ref.: Your Online RTI No. WLIOI/R/E/21/00079 dated 21/12/2021

Sir,

Please refer to your application cited above under RTI Act, 2005. In this context, point-wise response to your queries is given below:

Information Sought under RTI	Reply
3. Please provide the copies of all the correspondences held between WII and the Uttar Pradesh government/PWD regarding Indo-Nepal road.	See the attached Annexure-I containing <b>70 pages</b> .
4. Please provide the copies of the assessment done by WII of the Indo-Nepal/Indo-Bhutan border roads passing through Assam.	See the attached Annexure-II containing <b>83 pages</b>

If you are not satisfied with the aforesaid reply, you may appeal to the Dr. Dhananjai Mohan, Director & Appellate Authority, Wildlife Institute of India, Post Box 18, Chandrabani, Dehradun – 248 001, Ph. 0135-2640910.

Thanking you,

Yours faithfully,

*Monali Sen*  
(Dr. Monali Sen, IFS)  
N.O. & CPIO (RTI)

EV 003660288 IN

*21/1/22*

*07/1*

कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पत्र संख्या— /26-11 (इण्डो-नेपाल बार्डर रोड) लखनऊ: दिनांक: मार्च 2020,

सेवा में,

निदेशक,  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
चन्द्रवनी--देहरादून।

विषय:- इण्डो-नपाल बार्डर रोड के निर्माण में Animal Passage Plan & Mitigation Measure Plan तैयार करने के सम्बन्ध में।

संदर्भ:- मुख्य अभियन्ता इण्डो-नेपाल बार्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ का पत्र संख्या-703/आई0एन0बी0/34/  
आई0एन0बी0/15 दिनांक 24.02.2020

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक संदर्भित पत्र दिनांक 27.02.2020 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जो आपका सम्बन्धित एवं अधोहस्ताक्षरी व अन्य को पृष्ठांकित है। उक्त पत्र द्वारा मुख्य अभियन्ता इण्डो-नेपाल बार्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ ने इण्डो-नेपाल बार्डर रोड के एलाइनमेंट में वन्य जीवों को अपने प्राकृतवास एवं कॉरिडोर में अवाधित विचरण कर सकने के दृष्टिगत निर्माण में Animal Passage Plan & Mitigation Measure Plan तैयार करने तथा उक्त के सम्बन्ध में विषयक प्लान तैयार कराने में आने वाले व्यय/धनराशि का प्रस्ताव संबंधित संस्था को उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है।

अतः प्रकरण की महत्ता के दृष्टिगत मुख्य अभियन्ता इण्डो-नेपाल बार्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ के सुनिश्चित पत्र दिनांक 24.02.2020 के क्रम में अनुरोध है कि कृपया विषयक कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जाना सुनिश्चित कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(सुनील पाण्डेय)

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव,  
उत्तर प्रदेश लखनऊ।

पत्रांक \_\_\_\_\_ / \_\_\_\_\_ उक्तदिनांकित ।

प्रतिलिपि: 1- मुख्य अभियन्ता इण्डो-नेपाल बार्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ को इस आशय से प्रेषित कि उक्त अध्ययन शीघ्र कराने का कष्ट करें।

2-मुख्य वन संरक्षक/फील्ड डायरेक्टर, दुधवा टाइगर रिजर्व, लखीमपुर-खीरी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(सुनील पाण्डेय)

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव  
उत्तर प्रदेश लखनऊ।

पत्रांक 3648 / उक्तदिनांकित ।

प्रतिलिपि: प्रमुख सचिव, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन, अनुभाग-4, उ0प्र0 शासन लखनऊ को उनके पत्र संख्या-286/81-4-2020 दिनांक 06.03.2020 के क्रम में सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(सुनील पाण्डेय)

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव  
उत्तर प्रदेश लखनऊ।

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



(4)

कार्यालय मुख्य अभियन्ता  
इण्डो-नेपाल बार्डर  
लोक निर्माण विभाग, लखनऊ

पत्रांक : 703 आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15

दिनांक : 24 फरवरी 2020

सेवा में,

निदेशक,  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
18-चन्द्रबनी, देहरादून, उत्तराखण्ड।  
ई-मेल : [dwii@wii.gov.in](mailto:dwii@wii.gov.in)  
फोन नं०: 0135-2640910

विषय:- इण्डो-नेपाल बार्डर रोड के निर्माण में Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan तैयार करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि जनपद पीलीभीत, लखीमपुर-खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर तथा महाराजगंज में इण्डो नेपाल बार्डर मार्ग परियोजना के अन्तर्गत संरक्षित क्षेत्र (पीलीभीत टाइगर रिजर्व, दुधवा टाइगर रिजर्व, कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग, सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग तथा सोहागीबरवा वन्य जीव प्रभाग) की वन भूमि पर विषयक प्रस्तावित मार्ग का निर्माण कराने के संबंध में राष्ट्रीय सुरक्षा एवं सामरिक अपरिहार्यता के दृष्टिगत भारत-नेपाल सीमा पर अवस्थित नो-मेन्स लैंड से ठीक सटे वन क्षेत्र को लिया जाना होगा, जिसमें एकल मार्ग की आवश्यकता के अनुसार चौड़ाई लेते हुये उन पर अवस्थित वृक्ष जिनका पातन अनिवार्य हो, को सम्मिलित करते हुये संरक्षण को अन्तिम रूप दिये जाने का निर्णय लिया गया है।

इस हेतु वाइल्ड लाइफ क्लियरेंस के प्रस्ताव प्रेषित करने हेतु इण्डो-नेपाल बार्डर रोड के एलाइनमेंट में वन्य जीवों को अपने प्राकृतवास एवं कॉरिडोर में अबाधित विचरण कर सकने के दृष्टिगत Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan तैयार किया जाना है।

अतः आपसे अनुरोध है कि, उक्त प्लान तैयार कराने में आने वाला व्यय/धनराशि से अवगत कराने एवं प्लान तैयार कराने की कार्यवाही कराने का कष्ट करें।

(संतोष कुमार-2)  
मुख्य अभियन्ता

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:

1. प्रमुख सचिव, लो०नि० अनुभाग-12, उ०प्र० शासन, लखनऊ।
2. प्रमुख अभियन्ता (ग्रामीण सड़क), उ०प्र०, लो०नि०वि०, लखनऊ।
3. प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उ०प्र० लखनऊ।
4. महानिरीक्षक, फ्रन्टियर, हेड क्वार्टर्स, सशस्त्र सीमा बल, टी०सी-35/5-2, संकल्प भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ।
5. मुख्य वन संरक्षक/फील्ड डायरेक्टर, दुधवा टाइगर रिजर्व, लखीमपुर-खीरी।
6. मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, पूर्वी क्षेत्र, गोण्डा।
7. वन संरक्षक/फील्ड डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, पीलीभीत।
8. वन संरक्षक, देवीसाटन वन, उ०प्र० गोण्डा।

*(Handwritten signature)*  
P.C. (w.l.)  
25/02/20

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

*(Handwritten signature)*  
मुख्य अभियन्ता



(3) (14)

**कार्यालय मुख्य अभियन्ता  
इण्डो-नेपाल बार्डर  
लोक निर्माण विभाग, लखनऊ**

पत्रांक : 764 आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15

दिनांक : 28 मई, 2020

सेवा में,

श्री प्रदीप कुमार मलिक  
सीनियर प्रोफेसर  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
18-चन्द्रबनी, देहरादून, उत्तराखण्ड।  
ई-मेल : [dwii@wii.gov.in](mailto:dwii@wii.gov.in)  
फोन नं०: 0135-2640910

**विषय:-** इण्डो-नेपाल बार्डर रोड के निर्माण में Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan तैयार करने के सम्बन्ध में।

**संदर्भ:-** इस कार्यालय का पत्रांक 723आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15 दि० 13.03.2020 एवं आपका ई-मेल दिनांक 13.03.2020

महोदय,

उपरोक्त विषयक संदर्भित इस कार्यालय के पत्र दिनांक 13.03.2020 का अवलोकन करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा इण्डो नेपाल बार्डर मार्ग परियोजनान्तर्गत जनपद पीलीभीत, लखीमपुर-खीरी बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर तथा महाराजगंज के संरक्षित क्षेत्र (पीलीभीत टाइगर रिजर्व, दुधवा टाइगर रिजर्व, कर्तनीयाघाट वन्य जीव प्रभाग, सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग तथा सोहागीबरवा वन्य जीव प्रभाग) का वन भूमि पर विषयक प्रस्तावित मार्ग का निर्माण कराने के संबंध में वाइल्ड लाइफ क्लीयरेंस के प्रस्ताव प्रेषित करने हेतु इण्डो-नेपाल बार्डर रोड के एलाइनमेंट में वन्य जीवों को अपने प्राकृतवास एवं कॉरिडोर में अबाधित विचरण कर सकने के दृष्टिगत Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan तैयार किए जाने के संबंध में अनुरोध किया गया है।

जिसके क्रम में आप द्वारा अपने ई-मेल दिनांक 13.03.2020 द्वारा अवगत कराया गया है कि उपरोक्तानुसार कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। वार्ता में आप द्वारा अवगत कराया गया था कि शीघ्र ही आपकी टीम लखनऊ आकर वन विभाग के साथ बैठक कर अग्रेतर कार्यवाही करेगी, परन्तु अभी तक प्रगति अवगत नहीं कराया गया है।

अतः आपसे पुनः अनुरोध है कि, उक्त प्लान तैयार कराने में आने वाला व्यय/धनराशि से अवगत कराने एवं प्लान तैयार कराने की कार्यवाही शीघ्रताशीघ्र कराने का कष्ट करें।

(संतोष कुमार-2)  
मुख्य अभियन्ता

**प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-**

1. प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उ०प्र० लखनऊ।
2. महानिरीक्षक, फ्रंटियर, हेड क्वार्टर्स, सशस्त्र सीमा बल, टी०सी-35/5-2, संकल्प भवन, विभू खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ।
3. अधीक्षण अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर वृत्त, लो०नि०वि०, बाराबंकी/गोरखपुर।
4. श्री मलखान सिंह, अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खंड-3 (इण्डो-नेपाल बार्डर), लो०नि०वि० बहराइच को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan तैयार किये जाने के संबंध में निर्देशक, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून से व्यक्तिगत रूप सम्पर्क स्थापित कर आवश्यक कार्यवाही कराने का कष्ट करें।

मुख्य अभियन्ता

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



(4)

13

## कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

पत्रांक:-

१५३ / 7-4 (सुहेली)

दिनांक, लखनऊ, जनवरी, 31, 2020

सेवा में

निदेशक  
भारतीय वन्य जीव संस्थान  
चन्द्रबनी, देहरादून  
(उत्तराखण्ड)

विषय:-

दुधवा राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र के मध्य बह रही सुहेली नदी को उसके मूल कोर्स में लाने हेतु सिंचाई विभाग द्वारा प्रस्तुत परियोजना/प्रस्ताव के अन्तर्गत सुझाये गये उपायों के दृष्टिगत वन एवं वन्य जीव प्राकृतवास पर पड़ने वाले प्रभाव के संबंध में अध्ययन।

संदर्भ:-

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उ०प्र०, लखनऊ के कार्यालय की पत्र संख्या 464/7-4 (सुहेली नदी) दिनांक 09.04.2019 तथा पत्र संख्या 3582/7-4 (सुहेली नदी) दिनांक 20.05.2019

महोदय,

उपर्युक्त विषयक संदर्भित पत्रों का संज्ञान लेने की कृपा करें। उक्त पत्रों के माध्यम से दुधवा राष्ट्रीय उद्यान के मध्य बह रही सुहेली नदी में जमा हो रही गाद की सफाई हेतु सिंचाई विभाग द्वारा प्रस्तुत परियोजना के संबंध में अवगत कराते हुये एक अध्ययन कराये जाने का अनुरोध किया गया था, जिससे यह स्पष्ट होता कि कौन से क्षेत्र समस्याग्रस्त है, गाद जमा होने का क्या कारण है एवं उसका वन्य जीव प्राकृतवास पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। उक्त के सम्बन्ध में आपके संस्थान से कोई प्रतिक्रिया अभी तक नहीं प्राप्त हुई है।

अवगत कराना है कि प्रश्नगत प्रकरण मा० उच्च न्यायालय में विचाराधीन है, जिसमें विभाग से नदी क्षेत्र से गाद हटाने सम्बन्धी सिंचाई विभाग की परियोजना के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में विभागीय पक्ष मा० न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाना है। विषयगत प्रकरण में विभागीय मत स्थिर किये जाने हेतु उक्त परियोजना के क्रियान्वयन से वन्य जीव प्राकृतवास पर पड़ने वाले प्रभाव के आंकलन हेतु किसी विशेषज्ञ संस्था से समुचित अध्ययन कराया जाना आवश्यक है। ज्ञातव्य है कि मा० न्यायालय द्वारा इस प्रकरण की लगातार सुनवाई की जा रही है, जिसमें विभागीय मत स्थिर करते हुए मा० न्यायालय को तत्काल अवगत कराया जाना है।

अतः प्रकरण की समयबद्धता एवं महत्ता को दृष्टिगत रखते हुए आपसे अनुरोध है कि उक्त प्रकरण में वांछित अध्ययन हेतु अपने संस्थान से एक विशेषज्ञ दल नामित करते हुए तत्काल सम्बन्धित अध्ययन कराने का कष्ट करें। अध्ययन हेतु संदर्भ बिन्दु निम्नानुसार हैं-

- सुहेली नदी पर सिंचाई विभाग की प्रस्तावित परियोजना के कार्यों से दुधवा राष्ट्रीय उद्यान के वन्य जीव संरक्षण, वास-स्थल एवं प्रबन्ध कार्य पर पड़ने वाले प्रभावों का आंकलन।
- सुहेली नदी के कैचमेन्ट क्षेत्र का सर्वेक्षण करते हुये समस्याग्रस्त क्षेत्रों का चिन्होंकन, गाद जमा होने का कारण एवं गाद का वन्य जीव प्राकृतवास पर प्रभाव का आंकलन।
- गाद हटाये जाने की आवश्यकता के संबंध में संस्तुति/सुझाव।
- वन्य जीव प्राकृतवास को दृष्टिगत रखते हुये नदी को मूल स्वरूप में लाये जाने की आवश्यकता के संबंध में औचित्यपूर्ण संस्तुति।
- वन क्षेत्र में अवस्थित घास के मैदानों, वृक्षाच्छादन, वन मार्गों एवं जल स्रोतों इत्यादि पर प्रभाव का आंकलन।

यह भी अवगत कराना है कि प्रश्नगत अध्ययन पर होने वाले वित्तीय व्ययभार का वहन विभाग द्वारा किया जायेगा। अतः समयबद्धता को ध्यान में रखते हुए तत्काल उपरोक्त वर्णित अध्ययन की कार्यवाही पूर्ण कराते हुए विशेषज्ञ दल की रिपोर्ट 15 दिवस के अन्तर्गत उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(सुनील पाण्डेय)

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव  
उत्तर प्रदेश, लखनऊ

11/7/21  
INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



(18)  
(3)

**कार्यालय मुख्य अभियन्ता  
इण्डो-नेपाल बार्डर  
लोक निर्माण विभाग, लखनऊ**

पत्रांक : 7 83 आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15

दिनांक : 24 फरवरी 2020

सेवा में,

निदेशक,  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
18-चन्द्रबनी, देहरादून, उत्तराखण्ड।  
ई-मेल : [dwil@wil.gov.in](mailto:dwil@wil.gov.in)  
फोन नं०: 0135-2640910


विषय:- इण्डो-नेपाल बार्डर रोड के निर्माण में Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan तैयार करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि जनपद पीलीभीत, लखीमपुर-खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर तथा महाराजगंज में इण्डो नेपाल बार्डर मार्ग परियोजना के अन्तर्गत संरक्षित क्षेत्र (पीलीभीत टाइगर रिजर्व, दुधवा टाइगर रिजर्व, कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग, सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग तथा सोहागीबरवा वन्य जीव प्रभाग) की वन भूमि पर विषयक प्रस्तावित मार्ग का निर्माण कराने के संबंध में राष्ट्रीय सुरक्षा एवं सामरिक अपरिहार्यता के दृष्टिगत भारत-नेपाल सीमा पर अवस्थित नो-मेन्स लैण्ड से ठीक सटे वन क्षेत्र को लिया जाना होगा, जिसमें एकल मार्ग की आवश्यकता के अनुसार चौड़ाई लेते हुये उन पर अवस्थित वृक्ष जिनका पातन अनिवार्य हो, को सम्मिलित करते हुये संरक्षण को अन्तिम रूप दिये जाने का निर्णय लिया गया है।


इस हेतु वाइल्ड लाइफ क्लीयरेन्स के प्रस्ताव प्रेषित करने हेतु इण्डो-नेपाल बार्डर रोड के एलाइनमेंट में वन्य जीवों को अपने प्राकृतवास एवं कॉरिडोर में अबाधित विचरण कर सकने के दृष्टिगत Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan तैयार किया जाना है।

अतः आपसे अनुरोध है कि, उक्त प्लान तैयार कराने में आने वाला व्यय/धनराशि से अवगत कराने एवं प्लान तैयार कराने की कार्यवाही कराने का कष्ट करें।

  
(संतोष कुमार-2)  
मुख्य अभियन्ता

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित: 01/

1. प्रमुख सचिव, लो0नि0 अनुभाग-12, उ0प्र0 शासन, लखनऊ।
2. प्रमुख अभियन्ता (ग्रामीण सड़क), उ0प्र0, लो0नि0वि0, लखनऊ।
3. प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उ0प्र0 लखनऊ।
4. महानिरीक्षक, फ्रन्टियर, हेड क्वार्टर्स, सशस्त्र सीमा बल, टी0सी-35/5-2, संकल्प भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ
5. मुख्य वन संरक्षक/फील्ड डायरेक्टर, दुधवा टाइगर रिजर्व, लखीमपुर-खीरी।
6. मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, पूर्वी क्षेत्र, गोण्डा।
7. वन संरक्षक/फील्ड डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, पीलीभीत।
8. वन संरक्षक, देवीपाटन वृत्त, उ0प्र0 गोण्डा।

  
मुख्य अभियन्ता

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



(6)

कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

पत्र संख्या- 3578/26-11 (इण्डो-नेपाल बार्डर रोड) लखनऊ: दिनांक: जून 05, 2020,

सेवा में,

✓ निदेशक,  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
चन्द्रबनी-देहरादून।

विषय:- इण्डो-नेपाल बार्डर रोड के निर्माण में Animal Passage Plan & Mitigation Measure Plan तैयार करने के सम्बन्ध में।

संदर्भ:- मुख्य अभियन्ता इण्डो-नेपाल बार्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ का पत्र संख्या-764/आई0एन0बी0/ 34/ आई0एन0बी0/15 दिनांक 28.05.2020

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक संदर्भित पत्र का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जो श्री प्रदीप कुमार मलिक, सीनियर प्रोफेसर, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून को सम्बोधित एवं इस कार्यालय व अन्य को पृष्ठांकित है। उक्त पत्र द्वारा मुख्य अभियन्ता इण्डो-नेपाल बार्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ ने विषयक प्लान तैयार कराने में आने वाले व्यय/धनराशि से अवगत कराने एवं प्लान तैयार कराने की कार्यवाही शीघ्रातिशीघ्र कराने का अनुरोध किया गया है।

उक्त के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि विषयक प्रकरण में इस कार्यालय के पत्रसंख्या-2648/26-11 (इण्डो-नेपाल बार्डर रोड) दिनांक 19.03.2020 द्वारा प्रकरण की महत्ता के दृष्टिगत कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराने हेतु अनुरोध किया गया था।

पुनः संदर्भित पत्र की प्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि प्रकरण की महत्ता के दृष्टिगत उक्त कार्य शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण कराने का कष्ट करें।

संलग्नक:-उपरोक्तानुसार।

भवदीय,

(सुनील पाण्डेय)

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव,  
उत्तर प्रदेश लखनऊ।

DEAN, FWS OFFICE	DIARY NO.: 527	DATE: 29-6-20
------------------	----------------	---------------

पत्रांक / उक्तदिनांकित।

प्रतिलिपि: 1-मुख्य अभियन्ता इण्डो-नेपाल बार्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ को इस आशय से प्रेषित कि भारतीय वन्य जीव संस्थान से सम्पर्क कराकर उक्त Animal Passage Plan & Mitigation Measure Plan शीघ्र तैयार हेतु अग्रेतर कार्यवाही करने का कष्ट करें।

2-मुख्य वन संरक्षक/फील्ड डायरेक्टर, दुधवा टाइगर रिजर्व, लखीमपुर-खीरी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(सुनील पाण्डेय)

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव,  
उत्तर प्रदेश लखनऊ।

पत्रांक / उक्तदिनांकित।

प्रतिलिपि: प्रमुख सचिव, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन, अनुभाग-4, उ0प्र0 शासन, लखनऊ को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(सुनील पाण्डेय)

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव,  
उत्तर प्रदेश लखनऊ।

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



संख्या:-431/23-12-2020-02(इण्डो-नेपाल)/11टीसी-11

प्रेषक:

नितिन रमेश गोकर्ण,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
18 चन्द्रबनी, देहरादून, उत्तराखण्ड।

**लोक निर्माण अनुभाग-12**

**लखनऊ, दिनांक 12 जून, 2020**

विषय-इण्डो-नेपाल बार्डर रोड के निर्माण में Animal Passage Plan एवं Mitigation Measure Plan तैयार करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर, लो0नि0वि0 लखनऊ के पत्र सं0-703आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15, दिनांक 24.02.2020 एवं पत्र सं0-723आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15, दिनांक 13.03.2020 (छायाप्रति संलग्न) का कृपया संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि भारत सरकार द्वारा सामरिक एवं सीमा बलों के ऑपरेशनल महत्व के दृष्टिगत इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग निर्माण परियोजना की स्वीकृति प्रदान की गई है। उत्तर प्रदेश राज्य में उक्त परियोजना का 570 किमी0 भाग पड़ता है, जिसमें से 299 किमी0 का भाग वन एवं वन्य जीव क्षेत्रों के अन्तर्गत आता है। उत्तर प्रदेश राज्य वन्य जीव बोर्ड की बैठक दिनांक 04.11.2019 में दिये गये निर्देशों के अनुक्रम में भारत-नेपाल सीमा पर अवस्थित नो-मेन्स लैंड से ठीक सटे वन क्षेत्र एवं एकल मार्ग की आवश्यकता के अनुसार चौड़ाई लेते हुए न्यूनतम वृक्षों के पातन को ध्यान में रखकर संरक्षण को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उक्त संरक्षण में जनपद पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराईच, श्रावस्ती, बलरामपुर तथा महाराजगंज के संरक्षित क्षेत्र (पीलीभीत टाईगर रिजर्व दुधवा टाईगर रिजर्व, कतर्निया घाट वन्य जीव प्रभाग, सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग तथा सोहागीबरवा वन्य जीव प्रभाग) आते हैं, जिन पर मार्ग निर्माण हेतु वाइल्ड लाइफ क्लीयरेंस के प्रस्ताव प्रेषित किये जाने हेतु प्रश्नगत परियोजना के संरक्षण में वन्य जीवों के अपने प्राकृतिक वास एवं कॉरिडोर में अबाध विचरण हेतु Animal Passage Plan एवं Mitigation Measure Plan तैयार किये जाने की आवश्यकता है। परियोजना में सामरिक एवं आर्थिक महत्व के दृष्टिगत उक्त कार्यवाही शीर्ष प्राथमिकता पर की जानी है।

अतः अनुरोध है कि कृपया प्रश्नगत परियोजना हेतु Animal Passage Plan एवं Mitigation Measure Plan आवश्यक न्यूनतम अवधि में तैयार कराने का कष्ट करें।

संलग्नक-यथोक्त

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

भवदीय  
11/6/2020  
(नितिन रमेश गोकर्ण)  
प्रमुख सचिव



202431/23-12-2020

19

अनुरोध 1

कार्यालय मुख्य अभियन्ता  
इण्डो नेपाल बार्डर  
लोक निर्माण विभाग, लखनऊ

पत्रांक : 723आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15

दिनांक : 13 मार्च, 2020

सेवा में,

निदेशक,  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
18 चन्द्रबनी, देहरादून, उत्तराखण्ड।  
ई मेल : [dnm@dnm.gov.in](mailto:dnm@dnm.gov.in)  
फोन नं०: 0135-2640910

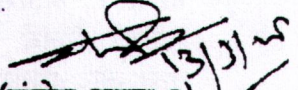
विषय:- इण्डो-नेपाल बार्डर रोड के निर्माण में Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan तैयार करने के सम्बन्ध में।

संदर्भ:- इस कार्यालय का पत्रांक 703आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15 दि० 24.02.2020

महोदय,

उपरोक्त विषयक संदर्भित इस कार्यालय के पत्र दिनांक 24.02.2020 का अवलोकन करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा इण्डो नेपाल बार्डर मार्ग परियोजनान्तर्गत जनपद पीलीभीत, लखीमपुर-खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर तथा महाराजगंज के संरक्षित क्षेत्र (पीलीभीत टाइगर रिजर्व, दुधवा टाइगर रिजर्व, कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग, सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग तथा सोहागीबरवा वन्य जीव प्रभाग) की वन भूमि पर विषयक प्रस्तावित मार्ग का निर्माण कराने के संबंध में वाइल्ड लाइफ क्लियरेंस के प्रस्ताव प्रेषित करने हेतु इण्डो-नेपाल बार्डर रोड के एलाइनमेंट में वन्य जीवों को अपने प्राकृतवास एवं कॉरिडोर में अबाधित विचरण कर सकने के दृष्टिगत Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan तैयार किये जाने के संबंध में अनुरोध किया गया गया है।


अतः आपसे पुनः अनुरोध है कि, उक्त प्लान तैयार कराने में आने वाला व्यय/धनराशि से अवगत कराने एवं प्लान तैयार कराने की कार्यवाही कराने का कष्ट करें।

  
(संतोष कुमार-2)  
मुख्य अभियन्ता

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उ०प्र० लखनऊ।
2. महानिरीक्षक, फ्रन्टियर, हेड क्वार्टर्स, सशस्त्र सीमा बल, टी०सी-35/5-2, संकल्प भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ।
3. अधीक्षण अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर वृत्त, लो०नि०वि०, बाराबंकी/गोरखपुर।
4. श्री मलिखान सिंह, अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खंड-3 (इण्डो-नेपाल बार्डर), लो०नि०वि०, बहराइच को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan तैयार किये जाने के संबंध में निदेशक, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून से व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क स्थापित कर आवश्यक कार्यवाही कराने का कष्ट करें।

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

  
मुख्य अभियन्ता



कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उत्तर प्रदेश  
पत्रसंख्या- 3797/26-11 (इण्डो-नेपाल बार्डर रोड) लखनऊ: दिनांक: जून 24 2021

(9)

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता,  
इण्डो-नेपाल बार्डर,  
लोक निर्माण विभाग, उ०प्र०, लखनऊ।

Preparation of Animal Passage Plan and Mitigation Measure Plan on  
Indo-Nepal Border Road-Reg.

निदेशक, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून का ई-मेल पत्रसंख्या-WII/ESM/BP-7  
Road-20; दिनांक 18.06.2020 (प्रति संलग्न)।

विषय:-

संदर्भ:-

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक संदर्भित पत्र का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जो आपको सम्बो  
अन्य के साथ इस कार्यालय को भी पृष्ठांकित है। विषयक प्रकरण में निदेशक, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरा  
उपरोक्त संदर्भित पत्र द्वारा कतिपय सूचनाएं उपलब्ध कराये जाने की अपेक्षा की गई है।

उपरोक्त विषयक पर इण्डो-नेपाल बार्डर रोड से सम्बन्धित परियोजना प्रस्ताव (Animal Pas  
Plan and Mitigation Measure Plan) के सम्बन्ध में संस्थान द्वारा वांछित बिन्दुओं पर चाही गई 3  
सूचना/प्रस्ताव तत्काल उपलब्ध कराने का कष्ट करें। प्रकरण उ०प्र० राज्य वन्य जीव बोर्ड की 9वीं बैठक दिना  
11.2019 में नेपाल बार्डर रोड का एलाइनमेंट सुनिश्चित किये जाने के सम्बन्ध में लिये गये निर्णय से आच्छादि  
अतः प्रकरण में समस्त औपचारिकताएं पूरी कराते हुए प्रस्ताव तत्काल ऑनलाइन/ऑफलाइन प्रस्तुत कराने एवं  
की 03 हार्ड कापी इस कार्यालय को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

संलग्नक:- उपरोक्तानुसार।

भवदीय,

(सुनील पाण्डेय)

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव,  
उत्तर प्रदेश लखनऊ।

Dean  
Dr. Bhavash Pandey  
10/7

पत्रांक 3797/उक्तदिनांकित।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. प्रमुख सचिव, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन, अनुभाग-4, उ०प्र० शासन, लखनऊ।
2. प्रमुख सचिव, लोक निर्माण विभाग, उ०प्र० शासन लखनऊ।

R. G. Ganesha

pls file

M. 13/7/20

पत्रांक 3797/उक्तदिनांकित।

प्रतिलिपि: निदेशक, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून को उनके संदर्भित पत्र के क्रम में सूचन

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

(सुनील पाण्डेय)  
प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य  
उत्तर प्रदेश लखनऊ।



(10)

(2)

संख्या:-431/23-12-2020-02(इण्डो-नेपाल)/11टीसी-11

प्रेषक:

नितिन रमेश गोकर्ण,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
18 चन्द्रबनी, देहरादून, उत्तराखण्ड।

**लोक निर्माण अनुभाग-12****लखनऊ, दिनांक 12 जून, 2020**

विषय-इण्डो-नेपाल बार्डर रोड के निर्माण में Animal Passage Plan एवं Mitigation Measure Plan तैयार करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर, लो0नि0वि0 लखनऊ के पत्र सं0-703आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15, दिनांक 24.02.2020 एवं पत्र सं0-723आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15, दिनांक 13.03.2020 (छायाप्रति संलग्न) का कृपया संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि भारत सरकार द्वारा सामरिक एवं सीमा बलों के ऑपरेशनल महत्व के दृष्टिगत इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग निर्माण परियोजना की स्वीकृति प्रदान की गई है। उत्तर प्रदेश राज्य में उक्त परियोजना का 570 किमी0 भाग पड़ता है, जिसमें से 299 किमी0 का भाग वन एवं वन्य जीव क्षेत्रों के अन्तर्गत आता है। उत्तर प्रदेश राज्य वन्य जीव बोर्ड की बैठक दिनांक 04.11.2019 में दिये गये निर्देशों के अनुक्रम में भारत-नेपाल सीमा पर अवस्थित नो-मेन्स लैण्ड से ठीक सटे वन क्षेत्र एवं एकल मार्ग की आवश्यकता के अनुसार चौड़ाई लेते हुए न्यूनतम वृक्षों के पातन को ध्यान में रखकर संरक्षण को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उक्त संरक्षण में जनपद पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराईच, श्रावस्ती, बलरामपुर तथा महाराजगंज के संरक्षित क्षेत्र (पीलीभीत टाईगर रिजर्व दुधवा टाईगर रिजर्व, कतर्निया घाट वन्य जीव प्रभाग, सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग तथा सोहागीबरवा वन्य जीव प्रभाग) आते हैं, जिन पर मार्ग निर्माण हेतु वाइल्ड लाइफ क्लीयरेंस के प्रस्ताव प्रेषित किये जाने हेतु प्रश्नगत परियोजना के संरक्षण में वन्य जीवों के अपने प्राकृतिक वास एवं कॉरिडोर में अबाध विचरण हेतु Animal Passage Plan एवं Mitigation Measure Plan तैयार किये जाने की आवश्यकता है। परियोजना में सामरिक एवं आर्थिक महत्व के दृष्टिगत उक्त कार्यवाही शीर्ष प्राथमिकता पर की जानी है।

अतः अनुरोध है कि कृपया प्रश्नगत परियोजना हेतु Animal Passage Plan एवं Mitigation Measure Plan आवश्यक न्यूनतम अवधि में तैयार कराने का कष्ट करें।

संलग्नक-यथोक्त

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

भवदीय  
11/6/2020  
(नितिन रमेश गोकर्ण)  
प्रमुख सचिव



प्रेषक:

नितिन रमेश गोकर्ण,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
18 चन्द्रबनी, देहरादून, उत्तराखण्ड।

**लोक निर्माण अनुभाग-12**

**लखनऊ, दिनांक 12 जून, 2020**

विषय-इण्डो-नेपाल बार्डर रोड के निर्माण में Animal Passage Plan एवं Mitigation Measure Plan तैयार करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर, लो0नि0वि0 लखनऊ के पत्र सं0-703आई0एन0बी0 / 34आई0एन0बी0 / 15, दिनांक 24.02.2020 एवं पत्र सं0-723आई0एन0बी0 / 34आई0एन0बी0 / 15, दिनांक 13.03.2020 (छायाप्रति संलग्न) का कृपया संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि भारत सरकार द्वारा सामरिक एवं सीमा बलों के ऑपरेशनल महत्व के दृष्टिगत इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग निर्माण परियोजना की स्वीकृति प्रदान की गई है। उत्तर प्रदेश राज्य में उक्त परियोजना का 570 किमी0 भाग पड़ता है, जिसमें से 299 किमी0 का भाग वन एवं वन्य जीव क्षेत्रों के अन्तर्गत आता है। उत्तर प्रदेश राज्य वन्य जीव बोर्ड की बैठक दिनांक 04.11.2019 में दिये गये निर्देशों के अनुक्रम में भारत-नेपाल सीमा पर अवस्थित नो-मेन्स लैंड से ठीक सटे वन क्षेत्र एवं एकल मार्ग की आवश्यकता के अनुसार चौड़ाई लेते हुए न्यूनतम वृक्षों के पातन को ध्यान में रखकर संरेखण को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उक्त संरेखण में जनपद पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराईच, श्रावस्ती, बलरामपुर तथा महाराजगंज के संरक्षित क्षेत्र (पीलीभीत टाईगर रिजर्व दुधवा टाईगर रिजर्व, कतर्निया घाट वन्य जीव प्रभाग, सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग तथा सोहागीबरवा वन्य जीव प्रभाग) आते हैं, जिन पर मार्ग निर्माण हेतु वाइल्ड लाइफ क्लीयरेंस के प्रस्ताव प्रेषित किये जाने हेतु प्रश्नगत परियोजना के संरेखण में वन्य जीवों के अपने प्राकृतिक वास एवं कॉरिडोर में अबाध विचरण हेतु Animal Passage Plan एवं Mitigation Measure Plan तैयार किये जाने की आवश्यकता है। परियोजना में सामरिक एवं आर्थिक महत्व के दृष्टिगत उक्त कार्यवाही शीर्ष प्राथमिकता पर की जानी है।

अतः अनुरोध है कि कृपया प्रश्नगत परियोजना हेतु Animal Passage Plan एवं Mitigation Measure Plan आवश्यक न्यूनतम अवधि में तैयार कराने का कष्ट करें।

संलग्नक-यथोक्त

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

भवदीय  
11/6/2020  
(नितिन रमेश गोकर्ण)  
प्रमुख सचिव





भारतीय वन्यजीव संस्थान  
Wildlife Institute of India

Dated: 18<sup>th</sup> June 2020

No. WII/ESM/BP-Terai Road- 20

To

**The Chief Engineer**  
Indo-Nepal Border Road Project  
Public Works Department  
Lucknow – UP (India)  
E-mail: [ceupindonepal@gmail.com](mailto:ceupindonepal@gmail.com)

**Sub.:** Preparation of Animal Passage Plan and Mitigation Measure Plan on the Indo-Nepal Border Road – Reg.

**Ref.:**

1. Letter No. 723I.N.B./34I.N.B./15 from office of the Chief Engineer, Indo-Nepal Border Road-PWD dated 13.03.2020;
2. Letter No. 764I.N.B./34I.N.B./15 from office of the Chief Engineer, Indo-Nepal Border Road-PWD dated 28.05.2020;
3. Letter No. 431/23-12-2020-02(Indo-Nepal)/11TC from the office of the Chief Secretary, UP Government dated 12.06.2020;

**Dear Sir,**

With reference to the aforementioned communications regarding preparation of project document for preparing Animal Passage Plan and Mitigation Measure Plan for the stretches of the proposed Indo-Nepal Border road passing through protected forest areas (Pilibhit Tiger reserve, Dudhwa Tiger reserve, Katarniya Ghat Wildlife Division, Suhelwa Wildlife Division and Sohagibarwa Wildlife Division), we would request you to kindly provide the following information regarding the project:

1. Detailed Project Report (DPR) with information regarding type of road, shoulder, median type etc.
2. .kml or .shp file of proposed road alignment
3. Structure schematics, including information on proposed bridges/culverts with their GPS locations and dimensions/specifications
4. Sections of road already constructed with their start and end GPS locations, and lengths (in km)
5. Plan and profile drawings

Based on the above information we shall be preparing a proposal for this Institutes engagement for this project and submit it to PWD.

**Thanking you,**

**INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI**

**Yours faithfully,**

  
(Dr. Dhananjai Mohan)  
Director

Continued....



(22)



भारतीय वन्यजीव संस्थान  
Wildlife Institute of India

Copy to:

1. Principal Chief Conservator of Forests (Wildlife) – Chief Wildlife Warden, Govt. of Uttara Pradesh – [cw/wup@gmail.com](mailto:cw/wup@gmail.com)
2. Inspector General, Frontier, HQS, SSB, Sankalp Bhawan, Vibhuti Khand, Plot No TC/35-V-2, Lucknow, Uttar Pradesh – 226010.
3. Inspector General of Forests (WL), Ministry of Environment, Forests and Climate Change (Wildlife Division), Govt. of India. 6<sup>th</sup> Floor, Vayu Wing, Indira Paryavaran Bhawan – Jor Bagh, New Delhi  
Email: [igwl-mefcc@go.in](mailto:igwl-mefcc@go.in)

(Dr. Dhananjai Mohan)  
Director

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



No. WII/ESM/BP-Terai Road-20



भारतीय वन्यजीव संस्थान  
Wildlife Institute of India

Dated: 10<sup>th</sup> July 2020

To,

**The Chief Engineer,**  
Indo-Nepal Border Road Project  
Public Works Department  
Lucknow-UP (India)  
E-mail: [compwii@wii.gov.in](mailto:compwii@wii.gov.in)

Sub: Proposal on Indo-Nepal Border Road for preparation of animal passage plan and mitigation measure plan

Ref:

- 1) Letter No. 7231.N.B./341.N.B/15 from office of the Chief Engineer, Indo-Nepal Border Road-PWD dated 13.03.2020
- 2) Letter No. 7641.N.B./341./15 from office of the Chief Engineer, Indo-Nepal Border Road PWD dated 28.05.2020
- 3) Letter No. 431/23-12-2020-02(Indo-Nepal)/11TC from the office of the Chief Secretary, UP Government dated 12.06.2020;

Sir,

With reference to the aforementioned communications regarding the above subject, enclosed is a proposal for task given to this Institute. Kindly approve the proposal and transfer the funds at the earliest to this Institute so that work can commence as soon as conditions are suitable.

Thanking you,

Yours faithfully,

(Dr. Dhananjay Mohan)

Director

Continued...

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



(15)

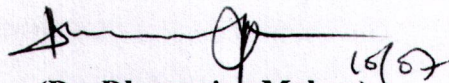
(13)



भारतीय वन्यजीव संस्थान  
Wildlife Institute of India

**Copy to:**

1. Principal Chief Conservator of Forests (Wildlife)- Chief Wildlife Warden, Govt. of Uttar Pradesh-
2. Inspector General, Frontier, HQS, SSB, Sankalp Bhawan, Vibhuti Khand, Plot No TC/35-V-2, Lucknow, Uttar Pradesh-226010.
3. Inspector General of Forests (WL), Ministry of Environment, Forests and Climate Change (Wildlife Division), Govt. of India, 6<sup>th</sup> Floor, Vayu Wing, Indira Paryavaran Bhawan-Jor Bagh, New Delhi-

  
(Dr. Dhananjay Mohan)  
Director

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

पत्रपेटी सं० 18, चन्द्रबनी, देहरादून - 248001, उत्तराखण्ड, भारत  
Post Box No. 18, Chandrabani, Dehradun - 248001, Uttarakhand, INDIA  
ई.पी.ए.बी.एक्स : +91-135-2640114, 2640115, 2646100 फ़ैक्स : 0135-264011  
EPABX : +91-135-2640114, 2640115, 2646100; Fax : 0135-264011  
ई-मेल / E-mail: wii@wii.gov.in. वेब / website: www.wii.gov.in



द्वितीय तल, मेजर ध्यान चंद राष्ट्रीय स्टेडियम,  
नई दिल्ली, दिनांक: 14 जुलाई, 2020

सेवा में,

निदेशक,  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
18 चन्द्रबनी, देहरादून, उत्तराखण्ड।

विषय:- इण्डो-नेपाल बार्डर रोड के निर्माण में Animal Passage Plan एवं Mitigation Measure Plan तैयार करने के सम्बन्ध में।

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार के पत्रांक संख्या 431/23-12-2020/02(इण्डो-नेपाल)/11टीसी-11 दिनांक 12 जून, 2020 (छायाप्रति अनुलग्नक सहित संलग्न) का सन्दर्भ ग्रहण करें।

2. उपरोक्त के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सामरिक एवं सीमा बलों के ऑपरेशनल महत्व के दृष्टिगत इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग निर्माण परियोजना की स्वीकृति प्रदान की गई है। उक्त परियोजना का 570 किमी० भाग उत्तर प्रदेश राज्य में पड़ता है, जिसमें से 299 किमी० का भाग वन एवं वन्य जीव क्षेत्रों के अन्तर्गत आता है। भारत-नेपाल सीमा पर अवस्थित नो-मेन्स लैण्ड से ठीक सटे वन क्षेत्र एवं एकल मार्ग की आवश्यकता के अनुसार चौड़ाई लेते हुए न्यूनतम वृक्षों के पातन को ध्यान में रखकर संरेखण को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अतः संरेखण में वन्य जीवों के अपने प्राकृतिक वास एवं कॉरिडोर में अबाध विचरण हेतु Animal Passage Plan एवं Mitigation Measure Plan तैयार किये जाने की आवश्यकता है क्योंकि सामरिक एवं आर्थिक महत्व के दृष्टिगत उक्त कार्यवाही शीर्ष प्राथमिकता पर की जानी है।

3. अतः अनुरोध है कि कृपया उपरोक्त परियोजना हेतु Animal Passage Plan एवं Mitigation Measure Plan यथाशीघ्र तैयार कराने की कृपा करें।

भवदीय,

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

(अभिजित)

भारत सरकार के अवर सचिव.

संलग्न: उपरोक्त

प्रतिलिपि सूचनार्थ:- प्रमुख सचिव, उत्तर प्रदेश शासन- आपके पत्र दिनांक 12/06/2020 का सन्दर्भ लें।

Dean, FWS.

Shri Laman Qureshi

Pr. Qureshi in  
Indo Nepal Rd File  
& please send respo.  
& file the response.

Prof. Qureshi



07

द्वितीय तल, मेजर ध्यान चंद राष्ट्रीय स्टेडियम,  
नई दिल्ली, दिनांक: 14 जुलाई, 2020

सेवा में,

निदेशक,  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
18 चन्द्रबनी, देहरादून, उत्तराखण्ड।

06  
10/07/2020

विषय:- इण्डो-नेपाल बार्डर रोड के निर्माण में **Animal Passage Plan** एवं **Mitigation Measure Plan** तैयार करने के सम्बन्ध में।

.....

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार के पत्रांक संख्या 431/23-12-2020/02(इण्डो-नेपाल)/11टीसी-11 दिनांक 12 जून, 2020 (छायाप्रति अनुलग्नक सहित संलग्न) का सन्दर्भ ग्रहण करें।

2. उपरोक्त के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सामरिक एवं सीमा बलों के ऑपरेशनल महत्व के दृष्टिगत इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग निर्माण परियोजना की स्वीकृति प्रदान की गई है। उक्त परियोजना का 570 किमी0 भाग उत्तर प्रदेश राज्य में पड़ता है, जिसमें से 299 किमी0 का भाग वन एवं वन्य जीव क्षेत्रों के अन्तर्गत आता है। भारत-नेपाल सीमा पर अवस्थित नो-मेन्स लैण्ड से ठीक सटे वन क्षेत्र एवं एकल मार्ग की आवश्यकता के अनुसार चौड़ाई लेते हुए न्यूनतम वृक्षों के पातन को ध्यान में रखकर संरक्षण को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अतः संरक्षण में वन्य जीवों के अपने प्राकृतिक वास एवं कॉरिडोर में अबाध विचरण हेतु **Animal Passage Plan** एवं **Mitigation Measure Plan** तैयार किये जाने की आवश्यकता है क्योंकि सामरिक एवं आर्थिक महत्व के दृष्टिगत उक्त कार्यवाही शीर्ष प्राथमिकता पर की जानी है।

3. अतः अनुरोध है कि कृपया उपरोक्त परियोजना हेतु **Animal Passage Plan** एवं **Mitigation Measure Plan** यथाशीघ्र तैयार कराने की कृपा करें।

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

भवदीय,

(अभिजित)

भारत सरकार के अवर सचिव

संलग्न: उपरोक्त

प्रतिलिपि सूचनार्थ:- प्रमुख सचिव, उत्तर प्रदेश शासन- आपके पत्र दिनांक 12/06/2020 का सन्दर्भ लें।

Dean, FWS

Shri Daman Dueshi

may inform them about the proposed work sent.



(18) (54)

**कार्यालय मुख्य अभियन्ता**  
**इण्डो-नेपाल बार्डर**  
**लोक निर्माण विभाग, लखनऊ**  
(ई-मेल ccupindonepal@gmail.com)

पत्रांक : 858 आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15

दिनांक : 30 जुलाई, 2020

सेवा में,

श्री प्रदीप कुमार मलिक  
सीनियर प्रोफेसर  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
18 चन्द्रबनी, देहरादून, उत्तराखण्ड।  
ई-मेल : dwii@wii.gov.in  
फोन नं0: 0135 2640910

**विषय:** इण्डो-नेपाल बार्डर रोड के निर्माण में पर्यावरण एवं वन्य जीव सम्बन्धी क्लीयरेंस हेतु  
**Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan तैयार करने के सम्बन्ध में।**

**संदर्भ:-** आपका पत्रांक **WII/ESM/BP-Terai Road-20** दिनांक **10.07.2020**

महोदय,

उपरोक्त विषयक संदर्भित पत्र दिनांक 10.07.2020 का अवलोकन करने का कष्ट करें, जिसके साथ मंलग्न कर उक्त प्रोजेक्ट हेतु वित्तीय प्रस्ताव प्रेषित किया गया था। प्रोजेक्ट के टीम लीडर श्री वाई0बी0 आला से दूरभाष पर हुई वार्ता में अगवत कराया गया था कि, प्रोजेक्ट के लिये क्रय किये जाने वाले फील्ड इक्विपमेंट की डे प्रिसिपेटेड लागत शीघ्र सूचित की जायेगी। कृपया इसे सूचित करने का कष्ट करें। आप द्वारा प्रेषित वित्तीय प्रस्ताव स्वीकृति हेतु 30प्र0 शासन को प्रेषित किया गया है, एवं इसकी स्वीकृति प्रक्रियाधीन है। वर्तमान में इस हेतु कोई मद उपलब्ध न होने के कारण इस आगणन की स्वीकृति में कुछ समय लगना सम्भावित है।

चूंकि यह गृह मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन सामरिक महत्व की परियोजना है, जिसमें पर्यावरण एवं वन्य जीव सम्बन्धी क्लीयरेंस हेतु Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan तैयार किया जाना है। अतः आपसे अनुरोध है कि, तत्काल कार्य प्रारम्भ कराते हुये पर्यावरण एवं वन्य जीव सम्बन्धी क्लीयरेंस हेतु Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan आदि शीर्ष प्राथमिकता पर तैयार कराने की कृपा करें।

29/7/2020  
(प्रमोद कुमार सिंघल)

मुख्य अभियन्ता

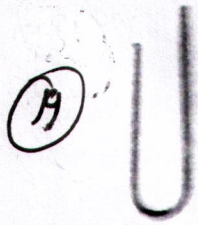
**प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-**

1. सचिव, लो0नि0 अनुभाग 12, 30प्र0 शासन, लखनऊ।
2. प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, 30प्र0, लखनऊ।
3. अधीक्षण अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर वृत्त, लो0नि0वि0, गोरखपुर/वाराणसी।

29/7/2020  
मुख्य अभियन्ता

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI





SP 68  
भारतीय वन्यजीव संस्थ  
Wildlife Institute of India

No. WII/ESM/BP-Terai Road-20

Dated: 31<sup>st</sup> July, 2020

To,

Shri Pramod Kumar Singhal  
Chief Engineer  
Indo-Nepal Border  
Public Work Department  
Lucknow, Uttar Pradesh  
Email: ceupindonepal@gmail.com

**Sub: Prepare Animal Passage Plan and Mitigation Measure Plan for wildlife related clearance in construction of Indo-Nepal Border Road-reg.**

**Ref.: Your letter no. 858 INB/34INB/15 dated 30.07.2020**

Sir,

We are in receipt of your above mentioned letter. As per telephonic discussion with Dr. Jhala, we appreciated your concern that the equipment purchase of the project will subsequently be transferred to this Institute and therefore, its depreciated cost may be reimbursed to PWD, Uttar Pradesh. In this regard we have computed the depreciated cost of 40% for laptop and camera traps (as per our approved norms) and removed this amount from the budget head of equipment (from Rs. 42,75000 are now reduced to Rs. 21,45000). The revised budget is attached. We would require the payment of 80% as first instalment and remaining 20% after completion of the project report.

With Best Wishes

Encl.: As above

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

*[Signature]*  
4/8/2020

Yours faithfully,

*[Signature]*  
31/7  
(Dr. Dhananjai Mohan)  
Director

Copy to:-

1. Secretary, Public Work Section-12, Government of Uttar Pradesh, Lucknow.
2. PCCF (WL), UP, Lucknow.
3. Superintendent Engineer, Indo-Nepal Border Circle, PWD, Gorakhpur/Barabanki.



कार्यालय मुख्य अभियन्ता  
इण्डो-नेपाल बार्डर  
लोक निर्माण विभाग, लखनऊ  
(ई-मेल ceupindonepal@gmail.com)

पत्रांक : 1125 आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15

दिनांक : 30 जनवरी, 2021

सेवा में,

निदेशक  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
18 चन्द्रबनी, देहरादून (उत्तराखण्ड)।  
ई-मेल : dwii@wii.gov.in  
फोन नं०: 0135 2640910

विषय:- उ०प्र० में निर्माणाधीन इण्डो नेपाल बार्डर मार्ग निर्माण परियोजना के वन एवं वन्य जीव क्षेत्र में Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan तैयार किये जाने के सम्बन्ध में।

संदर्भ: आपका पत्रांक दिनांक WII/ESM/BP-Terai Road-20 दिनांक 21.12.2020 एवं इस कार्यालय का पत्रांक 1061आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15 दिनांक 14.12.2020

महोदय,

उपरोक्त विषयक संदर्भित अपने पत्र दिनांक 21.12.2020 का अवलोकन करने का कष्ट करें, जिसमें द्वारा आप द्वारा अवगत कराया गया था Mr. Ayan Sadhu एवं Ms. Kainat Latafat द्वारा दिनांक 23.12.2020 से 30.12.2020 तक परियोजना हेतु Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan तैयार किये जाने हेतु प्रारम्भिक सर्वे किया जाना था। पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराईच एवं श्रावस्ती जन्पदों का टीम द्वारा भ्रमण किया गया जबकि जन्पद बलरामपुर में मुहेलवा वॉल्ड लाईफ एवं जन्पद महाराजगंज के सोहरीवरवा क्षेत्रों का प्रारम्भिक सर्वे अभी नहीं किया जा सका है।

आपसे अनुरोध है कि प्रारम्भिक एवं विस्तृत सर्वे कार्य की कार्ययोजना प्रेषित करते हुये परियोजना हेतु Bio Diversity Impact Assessment Report, Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan इत्यादि तैयार किये जाने की कार्यवाही प्राथमिकता पर कराना सुनिश्चित करें ताकि तदनुसार अन्य कार्यों का नियोजन किया जा सके।

(पी०के० सक्सेना)  
मुख्य अभियन्ता

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. सचिव, लो०नि० अनुभाग 12, उ०प्र० शासन, लखनऊ।
2. अवर सचिव, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, सीमा प्रबन्धन विभाग, नई दिल्ली।
3. प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उ०प्र०, लखनऊ।
4. महानिरीक्षक, महानिरीक्षक फटीयर हेडक्वाटर, एस०एस०बी०, टी०सी०-35/बी०-2, संकल्प भवन, विभूति खंड, गोमतीनगर, लखनऊ।
5. अधीक्षण अभियन्ता, इण्डो नेपाल बार्डर वृत्त, लो०नि०वि०, गोरखपुर/बाराबंकी।
6. अधिशासी अभियन्ता, नि०ख०-1/2/3/4 (इ०ने०वा०), लो०नि०वि०, पीलीभीत/लखीमपुर खीरी/बहराईच/श्रावस्ती/बलरामपुर/सिद्धार्थनगर/महाराजगंज।

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

मुख्य अभियन्ता



(21)



भारतीय वन्यजीव संस्थान  
Wildlife Institute of India

No. WII/ESM/BP-Terai Road-20

Dated: 21<sup>st</sup> December, 2020

To,

Chief Engineer,  
Indo-Nepal Border,  
Public Work Department,  
Lucknow, Uttar Pradesh  
Email: ceupindonepal@gmail.com

Sub: Deputing Tiger Cell members for the preliminary survey of animal passage plan and mitigation measure plan in protected areas in Indo-Nepal Border road.

Sir,

In inviting reference to the above-mentioned subject, this is to kindly inform that the following personnel from Tiger Cell of this Institute are being deputed to conduct the preliminary survey of animal passage plan and mitigation measures in protected areas and surrounding wildlife habitats through which the Indo-Nepal Border road passes.

1. AYAN SADHU (+91 7726049607, sadhuayan@gmail.com)
2. KAINAT LATAFAT (+91 8439564134, kainatlatafat@gmail.com)

The team will visit the PAs and survey the proposed road alignment for appropriate mitigation measures. *between Dec 23 to Dec 30, 2020.*

You are requested to facilitate this task by providing logistic support and appropriate staff for this work to the team.

With best wishes.

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

Yours sincerely,

(Dr. Y. V. Jhala)  
Dean & Scientists- G

Copy to:

1. Principal Chief Conservator of Forests, Wildlife, Lucknow, Uttar Pradesh.
2. Field Director, Dudhwa Tiger Reserve, Lakhimpur Kheri, Uttar Pradesh.
3. Field Director, Pilibhit Tiger Reserve, Pilibhit, Uttar Pradesh.
4. Divisional Forest Officer, Balarampur Wildlife Division, Uttar Pradesh.

पत्रपेटी सं० 18, चन्द्रबनी, देहरादून - 248 001, उत्तराखण्ड, भारत  
Post Box No. 18, Chandrabani, Dehradun - 248 001, Uttarakhand, INDIA  
ई.पी.ए.बी.एक्स : +91-135-2640111 से 2640115 फैक्स : 0135-2640117  
EPABX : +91-135-2640111 to 2640115 Fax : 0135-2640117  
ई-मेल/E-mail : wii@wii.gov.in वेब/Website : www.wii.gov.in





भारतीय वन्यजीव संस्थान  
Wildlife Institute of India

13  
22

No. WII/ESM/BP – Terai Road-20

Dated 11<sup>th</sup> February 2021

To,

PCCF WL & Chief Wildlife Warden,  
Government of Uttar Pradesh,  
17, Rana Pratap Marg, Lucknow, Uttar Pradesh- 226001  
Email: [cwlvup@gmail.com](mailto:cwlvup@gmail.com)

Sub: Deputing Wildlife Institute of India team for the survey of animal passage plan and mitigation measure plan in protected areas in indo-Nepal Border road.

Sir,

In inviting reference to the above-mentioned subject, this is to kindly inform that a team of eight research personnel from Wildlife Institute of India (WII) are being deputed to conduct the survey of animal passage and mitigation measures in protected areas and surrounding wildlife habitats through which the Indo-Nepal Border Road passes. The team will visit the PAs and survey the proposed road alignment by deploying camera traps and conducting foot surveys for mitigation measures. Mr. Ayan Sadhu (+91 7726049607) from WII Tiger Cell will coordinate the field teams for the survey.

You are requested to facilitate this task by providing logistic support and appropriate staff for this work to the team.

With best wishes,

**INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI**

Yours sincerely,

(Dr. Y. V. Jhala)  
Dean & Scientists – G

Copy to:

1. Chief Engineer, Indo-Nepal Border Road, PWD, Lucknow, U.P.  
[ceupindonepal@gmail.com](mailto:ceupindonepal@gmail.com)
2. Field Director, Dudhwa Tiger Reserve, Lakhimpur Kheri, U. P.
3. Field Director, Pilibhit Tiger Reserve, Pilibhit, U. P.
4. Director, Suhelwa Wildlife Sanctuary, Sravasti & Balarampur, U. P.

पत्रपेटी सं० 18, चन्द्रबनी, देहरादून – 248001, उत्तराखण्ड, भारत  
Post Box No. 18, Chandrabani, Dehradun – 248001, Uttarakhand, INDIA  
ई.पी.ए.बी.एक्स : +91-135-2640111 से 2640115 फ़ैक्स : 0135-2640117  
EPABX : +91-135-2640111 to 2640115; Fax : 0135-2640117  
ई-मेल / E-mail: [wii@wii.gov.in](mailto:wii@wii.gov.in), वेब / website: [www.wii.gov.in](http://www.wii.gov.in)



# कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पत्र संख्या- 703/26-11 (इण्डो-नेपाल बार्डर रोड) लखनऊ: दिनांक: मार्च 2020

सेवा में,

निदेशक,  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
चन्द्रबनो-देहरादून।

विषय:- इण्डो-नेपाल बार्डर रोड के निर्माण में Animal Passage Plan & Mitigation Measure Plan तैयार करने के सम्बन्ध में।

संदर्भ:- मुख्य अभियन्ता इण्डो-नेपाल बार्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ का पत्र संख्या-703/आई0एन0बी0/34/आई0एन0बी0/15 दिनांक 24.02.2020

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक संदर्भित पत्र दिनांक 27.02.2020 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जो आपका सम्बोधित एवं अधोहस्ताक्षरी व अन्य को पृष्ठांकित है। उक्त पत्र द्वारा मुख्य अभियन्ता इण्डो-नेपाल बार्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ ने इण्डो-नेपाल बार्डर रोड के एलाइनमेंट में वन्य जीवों को अपने प्राकृतवास एवं कॉरिडोर में अबाधित विचरण कर सकने के दृष्टिगत निर्माण में Animal Passage Plan & Mitigation Measure Plan तैयार करने तथा उक्त के सम्बन्ध में विषयक प्लान तैयार कराने में आने वाले व्यय/धनराशि का प्रस्ताव संबंधित संस्था को उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है।

अतः प्रकरण की महत्ता के दृष्टिगत मुख्य अभियन्ता इण्डो-नेपाल बार्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ के संदर्भित पत्र दिनांक 24.02.2020 के क्रम में अनुरोध है कि कृपया विषयक कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जाना सुनिश्चित कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(सुनील पाण्डेय)

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव,  
उत्तर प्रदेश लखनऊ।

पत्रांक / उक्तदिनांकित।

प्रतिलिपि: 1-मुख्य अभियन्ता इण्डो-नेपाल बार्डर लोक निर्माण विभाग, लखनऊ को इस आशय से प्रेषित कि उक्त अध्ययन शीघ्र कराने का कष्ट करें।  
2-मुख्य वन संरक्षक/फील्ड डायरेक्टर, दुधवा टाइगर रिजर्व, लखीमपुर-खीरी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

**INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI**

(सुनील पाण्डेय)

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव,  
उत्तर प्रदेश लखनऊ।

पत्रांक-2648/ उक्तदिनांकित।

प्रतिलिपि: प्रमुख सचिव, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन, अनुभाग-4, उ0प्र0 शासन लखनऊ को उनके पत्र संख्या-286/81-4-2020 दिनांक 06.03.2020 के क्रम में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(सुनील पाण्डेय)

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव,  
उत्तर प्रदेश लखनऊ।



125 (24)

कार्यालय मुख्य अभियन्ता  
इण्डो-नेपाल बार्डर  
लोक निर्माण विभाग, लखनऊ  
(ई-मेल ccupindonepal@gmail.com)

पत्रांक : 1243 आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15

दिनांक : 05 जुलाई, 2021

सेवा में,

निदेशक  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
18-चन्द्रबनी, देहरादून (उत्तराखण्ड)।  
ई-मेल : dwii@wii.gov.in  
फोन नं०: 0135-2640910

विषय:- उ०प्र० में निर्माणाधीन इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग निर्माण परियोजना के वन एवं वन्य क्षेत्र में Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan तैयार किये जाने के सम्बन्ध में।

संदर्भ:- आपका पत्रांक दिनांक WII/ESM/BP-Terai Road-20 दिनांक 11.02.2021, कार्यालय का पत्रांक 1162आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15 दिनांक 22.02.2021 एवं 1257आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15 दिनांक 04.06.2021

महोदय,

उपरोक्त विषयक संदर्भित अपने पत्र दिनांक 11.02.2021 का अवलोकन करने का कष्ट जिसके द्वारा आप द्वारा अवगत कराया गया है कि Mr. Ayan Sadhu के संरक्षण में एक टीम सर्वे कार्य शीघ्र ही आयेगी जो कैमरे लगाने, पैदल सर्वे का कार्य एवं Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan तैयार किये जाने की कार्यवाही करेगी।

इस कार्यालय द्वारा आपसे पूर्व में भी कई बार अनुरोध किया गया है कि कार्य योजना प्रेषित व हुये परियोजना हेतु Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan इत्यादि तैयार किये जाने कार्यवाही शीघ्र प्राथमिकता पर कराने की कृपा करें।

अतः आपसे पुनः अनुरोध है कि कार्य योजना प्रेषित करते हुये शीघ्र प्राथमिकता पर कार्य कराने कृपा करें। ताकि गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली द्वारा लक्षित समयानुसार परियोजना के कार्य पूर्ण कराया जा सके।

APCC/CPD

(पी०के० सक्सेना)  
मुख्य अभियन्ता

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. सचिव, लो०नि० अनुभाग-12, उ०प्र० शासन, लखनऊ।
2. अवर सचिव, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, सीमा प्रबन्धन विभाग, नई दिल्ली।
3. प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उ०प्र०, लखनऊ।
4. महानिरीक्षक, फंटीयर हेडक्वार्टर, एस०एस०बी०, टी०सी०-35/वी०-2, संकल्प भवन, विभूति ख गोमतीनगर, लखनऊ।
5. अधीक्षण अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर वृत्त, लो०नि०वि०, गोरखपुर/बाराबंकी।
6. अधिशासी अभियन्ता, नि०खं०-1/2/3/4 (इ०ने०बा०), लो०नि०वि०, पीलीभीत/लखीम खीरी/बहराईच/श्रावस्ती/बलरामपुर/सिद्धार्थनगर/महराजगंज।

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

मुख्य अभियन्ता



३५

126

पत्रांक ८० / उक्तदिनांकित।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. प्रमुख सचिव, लोक निर्माण, अनुभाग-12, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
2. प्रमुख सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, अनुभाग-4, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ।
4. मुख्य वन संरक्षक/फील्ड डायरेक्टर, दुधवा टाइगर रिजर्व, लखीमपुर-खीरी।
5. मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, पूर्वी, उ०प्र० गोण्डा।
6. वन संरक्षक/फील्ड डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, पीलीभीत।

(पवन/कुमार शर्मा)

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव,  
उत्तर प्रदेश लखनऊ।

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



## कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पत्रसंख्या- 80 / 26-11 (इण्डो-नेपाल बॉर्डर रोड) लखनऊ: दिनांक: जुलाई 06, 2021

सेवा में,

✓ निदेशक,  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
चन्द्रबनी-देहरादून।

विषय:- इण्डो-नेपाल बॉर्डर रोड के निर्माण में Animal passage plan एवं mitigation measure plan तैयार करने के सम्बन्ध में।

संदर्भ:- मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बॉर्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ का पत्रांक-1293 आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15, दिनांक 05.07.2020

महोदय,

कृपया विषयगत प्रकरण में मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बॉर्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ उपरोक्त संदर्भित पत्र दिनांक 05.07.2020 (प्रति संलग्न) का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। उक्त पत्र द्वारा मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बॉर्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ ने विषयक प्रकरण में आपके स्तर पर गये आश्वासन के क्रम में प्रश्नगत Animal passage plan एवं mitigation measure plan इत्यादि तैयार करने की कार्यवाही शीघ्र प्राथमिकता पर कराने का अनुरोध किया गया है, ताकि गृह मंत्रालय, भारत सरकार, दिल्ली द्वारा लक्षित परियोजना के कार्यों को समयानुसार पूर्ण कराया जा सके।

अवगत कराना है कि इस सम्बन्ध में यथा वांछित कार्यवाही ससमय कराने हेतु इस कार्यालय पत्रांक-2648/26-11 (इण्डो-नेपाल बॉर्डर रोड) दिनांक 19.03.2020, पत्रांक-3578/26-11 (इण्डो-नेपाल बॉर्डर रोड) दिनांक 05.06.2020 तथा पत्रांक-2732/26-11 (इण्डो-नेपाल बॉर्डर रोड) दिनांक 10.06.2021 द्वारा पूर्व भी अनुरोध किया गया है।

उक्त के क्रम में पुनः अनुरोध है कि कृपया प्रश्नगत कार्य योजना शीघ्र प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराये जाने का कष्ट करें।

संलग्नक:-उपरोक्तानुसार।

भवदीय,

(पवन कुमार शर्मा),

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव,  
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

Shri Raman Kumar

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

DIARY  
DATE



(27)



भारतीय वन्यजीव संस्था  
Wildlife Institute of India

No. WII/ESM/BP-Terai Road-20

29-07-2021

To,  
Chief Engineer,  
Indo-Nepal Border Road,  
Public Work Department,  
Lucknow, Uttar Pradesh.

**Subject:** No-cost extension of the project "Mitigation measures to permit permeability for wildlife across the Indo-Nepal Border Road, Uttar Pradesh"

Sir,

You are kindly aware that as per the mandate given by the Public Work Department, Wildlife Institute of India is carrying out the above-mentioned project work to assess the wildlife usage and propose apt mitigation measures to facilitate wildlife movement across the landscape. As a part of the project, Pilibhit, Dudhwa, Katarniaghat and part of Suhelwa wildlife sanctuary (WLS) were sampled. However, due to COVID-19 pandemic situation, the field work in Suhelwa WLS could not be completed. Henceforth, I am requesting you to grant an extension of one month to complete the work and prepare the final project report.

Thank you.

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

Yours faithfully,

(Dr. Dhananjai Mohan)  
Director

Copy to:

1. Dean, Wildlife Institute of India, Chandrabani, Dehradun.
2. Prof. Qamar Qureshi, Scientist G, Wildlife Institute of India, Chandrabani, Dehradun.



(28) 137

No.11012/5/2012-BM-V(Pt)  
Government of India  
Ministry of Home Affairs  
D/o Border Management

2<sup>nd</sup> Floor, Major Dhyan Chand National Stadium,  
New Delhi, Dated 10 August, 2021.

To,

The Director,  
Wildlife Institute of India,  
18- Chandrabani, Wildlife Institute Road, Dehradun,  
Uttarakhand - 248001.

**Subject: Creation of Animal Passage Plan or Mitigation measure plan for construction of Border Road along Indo-Nepal Border in UP State -reg.**

Sir,

I am directed to forward herewith a copy of letter No. 1348/INB/34 INB/15 dated 04<sup>th</sup> August, 2021 on the subject cited above.

2. Keeping in view the strategic importance of the Indo-Nepal Border Road Project, it is requested that the request of Chief Engineer, UP PWD may be processed on priority

Yours faithfully

*Abhijit*  
(ABHIJIT)

Under Secretary to the Govt of India.

DIV. OFFICE
DIARY NO. 3757
DATE 16/8/21

Encl: (aa).

Copy to:-

Chief Engineer ( Indo-Nepal border Road Project), Public Works Department,  
Government of Uttar Pradesh, Nirman Bhawan, M.G. road, Lucknow :for information  
w.r.t his letter under reference.

*Dear PWS*  
*Dr Thakur*  
*17/8/21*  
*Pl. update*  
*14/08*

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



कार्यालय मुख्य अभियन्ता  
इण्डो-नेपाल बार्डर  
लोक निर्माण विभाग, लखनऊ  
(ई-मेल ceupindonepal@gmail.com)

पत्रांक : 1348 आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15  
सेवा में,

दिनांक : 04 अगस्त, 2021

निदेशक

भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
18-चन्द्रबनी, देहरादून (उत्तराखण्ड)।  
ई-मेल : dwii@wii.gov.in  
फोन नं०: 0135-2640910

विषय:- उ0प्र0 में निर्माणाधीन इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग निर्माण परियोजना के वन एवं वन्य जीव क्षेत्र में Animal Passage एवं Mitigation measure plan तैयार किये जाने के सम्बन्ध में।  
संदर्भ:- इस कार्यालय का पत्रांक 1162आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15 दिनांक 22.02.2021, 1257आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15 दिनांक 04.06.2021 एवं 1293आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15 दिनांक 05.07.2021

महोदय,

इस कार्यालय द्वारा आपसे उक्त संदर्भित पत्रों द्वारा पूर्व में कई बार अनुरोध किया गया है कि कार्य योजना प्रेषित करते हुये परियोजना हेतु Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan इत्यादि तैयार किये जाने की कार्यवाही शीघ्र प्राथमिकता पर कराने की कृपा करें।

दिनांक 03.08.2021 को अधोहस्ताक्षरी द्वारा डा0 वाई0वी0 झाला, टीम लीडर से उक्त कार्य की प्रगति के संबंध में वार्ता की गयी, जिसमें उन्होंने ड्राफ्ट प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कराने एवं इसको अन्तिम रूप देने से पूर्व सशस्त्र सीमा बल, लोक निर्माण विभाग एवं वन विभाग के अधिकारियों के साथ लखनऊ में एक बैठक करने हेतु अवगत कराया है।

अतः आपसे अनुरोध है कि इस संबंध में यथाशीघ्र ड्राफ्ट प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कराने एवं बैठक का आयोजन यथाशीघ्र कर अग्रेतर कार्यवाही शीघ्रातिशीघ्र कराने की कृपा करें।

(अजय कुमार गंगवार)

मुख्य अभियन्ता

- प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
1. सचिव, लो0नि0 अनुभाग-12, उ0प्र0 शासन, लखनऊ।
  2. अवर सचिव, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, सीमा प्रबन्धन विभाग, नई दिल्ली।
  3. प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उ0प्र0, लखनऊ।
  4. महानिरीक्षक, फंटीयर हेडक्वाटर, एस0एस0बी0, टी0सी0-35/वी0-2, संकल्प भवन, विभूति खंड, गोमतीनगर, लखनऊ।
  5. अधीक्षण अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर वृत्त, लो0नि0वि0, गोरखपुर/बाराबंकी।
  6. अधिशासी अभियन्ता, नि0खं0-1/2/3/4 (इ0ने0बा0), लो0नि0वि0, पीलीभीत/लखीमपुर खीरी/बहराईच/श्रावस्ती/बलरामपुर/सिद्धार्थनगर/महाराजगंज।

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



कार्यालय मुख्य अभियन्ता  
इण्डो-नेपाल बार्डर  
लोक निर्माण विभाग, लखनऊ  
(ई-मेल ceupindonepal@gmail.com)

30

133

30/08/21

पत्रांक : 1348 आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15  
सेवा में,

दिनांक : 04 अगस्त, 2021

निदेशक

भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
18-चन्द्रबनी, देहरादून (उत्तराखण्ड)।  
ई-मेल : dwii@wii.gov.in  
फोन नं०: 0135-2640910

विषय:- उ0प्र0 में निर्माणाधीन इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग निर्माण परियोजना के वन एवं वन्य ज  
क्षेत्र में Animal Passage एवं Mitigation measure plan तैयार किये जाने के सम्बन्ध में  
संदर्भ:- इस कार्यालय का पत्रांक 1162आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15 दिनांक 22.0:  
2021, 1257आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15 दिनांक 04.06.2021 एवं 129  
आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15 दिनांक 05.07.2021

महोदय,

इस कार्यालय द्वारा आपसे उक्त संदर्भित पत्रों द्वारा पूर्व में कई बार अनुरोध किया गया है कि का  
योजना प्रेषित करते हुये परियोजना हेतु Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan इत्यादि तैया  
किये जाने की कार्यवाही शीघ्र प्राथमिकता पर कराने की कृपा करें।

दिनांक 03.08.2021 को अधोहस्ताक्षरी द्वारा डा0 वाई0वी0 झाला, टीम लीडर से उक्त कार्य क  
प्रगति के संबंध में वार्ता की गयी, जिसमें उन्होंने ड्राफ्ट प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कराने एवं इसको अन्तिम रूप  
देने से पूर्व सशस्त्र सीमा बल, लोक निर्माण विभाग एवं वन विभाग के अधिकारियों के साथ लखनऊ में एक  
बैठक करने हेतु अवगत कराया है।

अतः आपसे अनुरोध है कि इस संबंध में यथाशीघ्र ड्राफ्ट प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कराने एवं बैठक का  
आयोजन यथाशीघ्र कर अग्रेतर कार्यवाही शीघ्रातिशीघ्र कराने की कृपा करें।

4-8-21

(अजय कुमार गंगवार)

मुख्य अभियन्ता

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-  
1. सचिव, लो0नि0 अनुभाग-12, उ0प्र0 शासन, लखनऊ।  
2. अवर सचिव, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, सीमा प्रबन्धन विभाग, नई दिल्ली।  
3. प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उ0प्र0, लखनऊ।  
4. महानिरीक्षक, फंटीयर हेडक्वार्टर, एस0एस0बी0, टी0सी0-35/वी0-2, संकल्प भवन, विभूति खंड,  
गोमतीनगर, लखनऊ।  
5. अधीक्षण अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर वृत्त, लो0नि0वि0, गोरखपुर/बाराबंकी।  
6. अधिशासी अभियन्ता, नि0खं0-1/2/3/4 (इ0ने0बा0), लो0नि0वि0, पीलीभीत/लखीमपुर  
खीरी/बहराईच/श्रावस्ती/बलरामपुर/सिद्धार्थनगर/महराजगंज।

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

4-8-21

मुख्य अभियन्ता

9/8/21



(3) 135

कार्यालय मुख्य अभियन्ता  
इण्डो-नेपाल बार्डर  
लोक निर्माण विभाग, लखनऊ  
(ई-मेल ceupindonepal@gmail.com)

पत्रांक : 1348 आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15  
सेवा में,

दिनांक : 04 अगस्त, 2021

निदेशक  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
18-चन्द्रबनी, देहरादून (उत्तराखण्ड)।  
ई-मेल : dwii@wii.gov.in  
फोन नं0: 0135-2640910

विषय:- उ0प्र0 में निर्माणाधीन इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग निर्माण परियोजना के वन एवं वन्य जीव क्षेत्र में Animal Passage एवं Mitigation measure plan तैयार किये जाने के सम्बन्ध में।

संदर्भ:- इस कार्यालय का पत्रांक 1162आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15 दिनांक 22.02.2021, 1257आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15 दिनांक 04.06.2021 एवं 1293 आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15 दिनांक 05.07.2021

महोदय,

इस कार्यालय द्वारा आपसे उक्त संदर्भित पत्रों द्वारा पूर्व में कई बार अनुरोध किया गया है कि कार्य योजना प्रेषित करते हुये परियोजना हेतु Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan इत्यादि तैयार किये जाने की कार्यवाही शीघ्र प्राथमिकता पर कराने की कृपा करें।

दिनांक 03.08.2021 को अधोहस्ताक्षरी द्वारा डा0 वाई0वी0 झाला, टीम लीडर से उक्त कार्य की प्रगति के संबंध में वार्ता की गयी, जिसमें उन्होंने ड्राफ्ट प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कराने एवं इसको अन्तिम रूप देने से पूर्व सशस्त्र सीमा बल, लोक निर्माण विभाग एवं वन विभाग के अधिकारियों के साथ लखनऊ में एक बैठक करने हेतु अवगत कराया है।

अतः आपसे अनुरोध है कि इस संबंध में यथाशीघ्र ड्राफ्ट प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कराने एवं बैठक का आयोजन यथाशीघ्र कर अग्रेतर कार्यवाही शीघ्रातिशीघ्र कराने की कृपा करें।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. सचिव, लो0नि0 अनुभाग-12, उ0प्र0 शासन, लखनऊ।
2. अवर सचिव, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, सीमा प्रबन्धन विभाग, नई दिल्ली।
3. प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उ0प्र0, लखनऊ।
4. महानिरीक्षक, फ्रंटियर हेडक्वार्टर, एस0एस0बी0, टी0सी0-35/बी0-2, संकल्प भवन, विभूति खंड, गोमतीनगर, लखनऊ।

अधीक्षण अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर वृत्त, लो0नि0वि0, गोरखपुर/बाराबंकी।  
अधिशाली अभियन्ता, नि0खं0-1/2/3/4 (इ0ने0बा0), लो0नि0वि0, पीलीभीत/लखीमपुर खीरी/बहराईच/श्रावस्ती/बलरामपुर/सिद्धार्थनगर/महाराजगंज।

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



(32)

No.11012/5/2012-BM-V(Pt)  
Government of India  
Ministry of Home Affairs  
D/o Border Management

13/8

2<sup>nd</sup> Floor, Major Dhyan Chand National Stadium,  
New Delhi, Dated 10 August, 2021.

To,

The Director,  
Wildlife Institute of India,  
18- Chandrabani, Wildlife Institute Road, Dehradun,  
Uttarakhand - 248001.

**Subject: Creation of Animal Passage Plan or Mitigation measure plan for construction of Border Road along Indo-Nepal Border in UP State -reg.**

Sir,

I am directed to forward herewith a copy of letter No. 1348/INB/34 INB/15 dated 04<sup>th</sup> August, 2021 on the subject cited above.

2. Keeping in view the strategic importance of the Indo-Nepal Border Road Project, it is requested that the request of Chief Engineer, UP PWD may be processed on priority.

Yours faithfully

*Abhijit*  
(ABHIJIT)

Under Secretary to the Govt of India.

**Encl: (aa).**

Copy to:-

Chief Engineer ( Indo-Nepal border Road Project), Public Works Department,  
Government of Uttar Pradesh, Nirman Bhawan, M.G. road, Lucknow :for information  
w.r.t his letter under reference.

*Dear, PWS*  
*Dr Thakur*  
*Pl. update.*  
*14/08*

*Prof Qureshi*

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



33

ई-मेल/महत्वपूर्ण।

कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पत्रसंख्या-566, /26-11 (इण्डो-नेपाल बॉर्डर रोड) लखनऊ: दिनांक: अगस्त /7, 2021

सेवा में,

निदेशक,  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
चन्द्रबनी-देहरादून।

विषय:- उ0प्र0 में प्रस्तावित इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग परियोजना के वन एवं वन्य जीव क्षेत्र से होकर गुजरने के सम्बन्ध में Animal passage plan एवं mitigation measure plan तैयार किया जाना।

संदर्भ:- मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ का पत्रांक-1348/आई0एन0बी0/34 आई0एन0बी0/15, दिनांक 04.08.2021

महोदय,

विषयगत प्रकरण में मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ के उपरोक्त संदर्भित पत्र दिनांक 04.08.2021 (प्रति संलग्न) का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जो आपको सम्बोधित व अन्य के साथ इस कार्यालय को भी पृष्ठांकित है। उक्त संदर्भित पत्र द्वारा विषयक परियोजना के सम्बन्ध में Animal passage plan एवं mitigation measure plan आदि तैयार किये जाने की कार्यवाही शीर्ष प्राथमिकता पर कराने हेतु आपसे अनुरोध किया गया है।

प्रश्नगत प्रकरण में मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर, लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 लखनऊ ने दिनांक 03.08.2021 को आपके संस्थान के टीम लीडर, डा0 वाई0वी0 झाला से उक्त कार्य की प्रगति के सम्बन्ध में वार्ता की गयी, जिसमें उन्होंने ड्राफ्ट प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कराने एवं इसको अन्तिम रूप देने से पूर्व सशस्त्र सीमा बल, लोक निर्माण विभाग एवं वन विभाग के अधिकारियों के साथ लखनऊ में एक बैठक आयोजित कराने हेतु अवगत कराया गया है।

अतः अनुरोध है कि विषयक प्रकरण में संस्थान द्वारा आयोजित की जाने वाली उक्त बैठक की तिथि स्थान व समय निर्धारित कराते हुए इस कार्यालय को अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक:-उपरोक्तानुसार।

भवदीय,

*Shri Daman Anandhi*  
*Urgent!*

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

25/8

(पवन कुमार शर्मा),  
प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव,  
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पत्रांक 566, /उक्तदिनांकित।

प्रतिलिपि: मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर, लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0, लखनऊ को उनके उपरोक्त संदर्भित पत्र के क्रम में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

DWII OFFICE
DIARY NO. 3804
DATE 25/8/21

(पवन कुमार शर्मा)  
प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव,  
उत्तर प्रदेश लखनऊ।



(34)

संख्या:-403 / 23-12-2021-2(इण्डो-नेपाल) / 11टीसी-1

प्रेषक,

नितिन रमेश गोकर्ण,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।

सेवा में,

निदेशक,  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
18-चन्द्रबनी, देहरादून (उत्तराखण्ड)।

लो0नि0 अनुभाग-12

लखनऊ: दिनांक 16 जुलाई, 2021

विषय:-उ0प्र0 में निर्माणाधीन इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग निर्माण परियोजना के वन एवं वन्य जीव क्षेत्र में Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan तैयार किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,  
कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र सं0-WII/ESM/BP-Terai Road-20 दिनांक 11.02.2021, तथा मुख्य अभियन्ता, इ0ने0बा0, लो0नि0वि0, लखनऊ के पत्रांक 1162आई0एन0बी0/34 आई0एन0बी0/15 दिनांक 22.02.21, 1257आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15 दिनांक 04.06.21 एवं 1293आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/15 दिनांक 05.07.21 का कृपया संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा विषयगत प्रकरण में "कार्य योजना प्रेषित करते हुये परियोजना हेतु Animal Passage Plan एवं Mitigation measure plan इत्यादि तैयार किये जाने की कार्यवाही शीर्ष प्राथमिकता पर कराने हेतु अनुरोध किया गया है।

2- दिनांक 07.07.2021 को मा0 उपमुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में आहूत समीक्षा बैठक में मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर, लो0नि0वि0, लखनऊ द्वारा अवगत कराया गया है कि कोविड महामारी की दूसरी लहर (अप्रैल, 2021) के बाद कार्य बाधित है। अवशेष फील्ड सर्वे कार्य एवं Animal Passage Plan, Mitigation measure plan एवं Bio diversity assessment आदि तैयार किये जाने की कार्यवाही अभी तक नहीं हो सकी है। इस कारण इण्डो-नेपाल बार्डर रोड की महत्वपूर्ण परियोजना हेतु वांछित वाईल्ड लाईफ क्लीयरेंस प्राप्ति की कार्यवाही बाधित है।

अतः इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कृपया कार्य योजना प्रेषित करते हुये शीर्ष प्राथमिकता पर अवशेष कार्य पूर्ण कराने का कष्ट करें, ताकि गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा लक्षित समयानुसार परियोजना के कार्यों को पूर्ण कराया जा सके।

भवदीय

(नितिन रमेश गोकर्ण)  
प्रमुख सचिव

सं0-403(1)/23-12-2021 तददिनांक।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं अग्रेतर कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. प्रमुख सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन, लखनऊ।
2. अवर सचिव, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, सीमा प्रबन्धन विभाग, नई दिल्ली।
3. प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उ0प्र0, लखनऊ।
4. महानिरीक्षक, फंटीयर हेडक्वाटर, एस0एस0बी0, टी0सी0-35/वी0-2, संकल्प भवन, विभूति खंड, गोमतीनगर, लखनऊ।
5. मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर, लो0नि0वि0, लखनऊ।

आज्ञा से,

(गिरिजेश कुमार त्यागी)  
विशेष सचिव

DIVISION OFFICE	RY NO. 3668	DATE 27/7/2021
-----------------	-------------	----------------

Dean FWS ✓

Sh. Ruman Rana  
Pl. update  
27/07





भारतीय वन्यजीव संस्थान  
Wildlife Institute of India

Fno: WII/ESM/BP-Terai Road - 20

Date: 10<sup>th</sup> September, 2021

To,

Sh. Pawan Kumar Sharma  
PCCF & CWLW  
Government of Uttar Pradesh  
Lucknow, Uttar Pradesh  
Email: cwlwup@gmail.com

Sub: Submission of report "Animal Passage Plan and mitigation measure for Indo-Nepal Border" – reg.

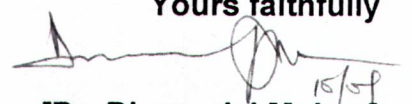
Ref: Chief Engineer Indo-Nepal Border, PWD, Lucknow, 1348/INB/34/INB/15 dated 04.08.2021

Sir,

As you are aware, the Wildlife Institute of India was entrusted with developing an Animal Passage plan and appropriate mitigation measures for the proposed Indo-Nepal Border Road. The report and mitigation measure plan is attached herewith.

Thanking you

Yours faithfully

  
[Dr. Dhananjai Mohan]  
Director

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

Encl : As above

Copy for information to:

Chief Engineer, Indo-Nepal Border, Public Works Department, Uttar Pradesh. Email: ceupindonepal@gmail.com



221 (36)

बैठक दिनांक 08.10.2021

ई-मेल/महत्वपूर्ण/सर्वोच्च प्राथमिकता

## कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पत्रसंख्या-981/26-11 (वन्य जीव क्लीयरेन्स प्रकरण),

लखनऊ: दिनांक: सितम्बर 29 2021

सेवा में,

निदेशक,  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
18-चन्द्रबनी, देहरादून (उत्तराखण्ड)।

विषय:-

इण्डो-नेपाल बार्डर रोड परियोजना के वन्य जीव क्लीयरेन्स हेतु (आनलाईन प्रस्ताव संख्या FP/UP/ROAD/120954/2021 दिनांक 17.02.2021) भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून द्वारा प्रेषित Bio-diversity Assessment, Mitigation Measures and Animal Passage Plan के सम्बन्ध में बैठक का आयोजन।

महोदय,

विषयक प्रकरण के सम्बन्ध में मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ ने अपने पत्रांक-1431/आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/13 दिनांक 28.09.2021 द्वारा आपके कार्यालय पत्रांक-WII/ESM/BP-Terai Road-20 दिनांक 10.09.2019 के माध्यम से प्रेषित Bio-diversity Assessment, Mitigation Measures and Animal Passage Plan में दिए गए सुझाओं की सशस्त्र सीमा बल की उपयोगिता के सापेक्ष प्रासंगिकता के परीक्षण हेतु भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून, सशस्त्र सीमा बल एवं लोक निर्माण विभाग, लखनऊ की संयुक्त बैठक आहूत कराए जाने का अनुरोध किया गया है।

अवगत कराना है कि विषयक परियोजना का संरक्षण स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड में लिए गए निर्णय के अनुसार स्वीकृत संरक्षण पर विषयक Bio-diversity Assessment, Mitigation Measures and Animal Passage Plan प्राप्त किये जाने की अनिवार्यता के दृष्टिगत उक्त बैठक अपरिहार्य है। उक्त हेतु अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में दिनांक 08.10.2021 को पूर्वाह्न 11:00 बजे 17, राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ स्थित पारिजात सभा कक्ष में एक बैठक आहूत की जाती है।

अतः अनुरोध है कि कृपया उक्त बैठक में सुसंगत अभिलेखों सहित प्रकरण से भिन्न अधिकारी के साथ प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(पवन कुमार शर्मा),

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव,  
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



37



भारतीय वन्यजीव संस्थान  
Wildlife Institute of India

Fno: WII/ESM/BP-Terai Road - 20

Date: 1 October, 2021

To,

Sh. Pawan Kumar Sharma  
PCCF & CWLW  
Government of Uttar Pradesh  
Lucknow, Uttar Pradesh  
Email: cwlwup@gmail.com

**Sub:** इण्डो-नेपाल बार्डर रोड परियोजना के वन्य जीव क्लीयरेन्स हेतु (आनलाईन प्रस्ताव संख्या FP/UP/ROAD/120954/2021 दिनांक 17.02.2021) भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून द्वारा प्रेषित Bio-diversity Assessment, Mitigation Measures and Animal Passage Plan के सम्बन्ध में बैठक का आयोजन।

**Ref:** Your letter No. 981/26-11 (वन्य जीव क्लीयरेन्स प्रकरण), dated 29 September, 2021

Sir,

With reference to the above cited subject, it is informed that Sh. Qamar Qureshi, Scientist-G, Wildlife Institute of India (Email: qnq@wii.gov.in; Mobile No.: 09411106682) is hereby nominated as representative of WII for the above meeting. Shri Qamar Qureshi has already been deputed for the tasks related to Indo-Nepal Board.

It is also informed, since Shri Qamar Qureshi would be on tour on 8 October, 2021, the said meeting may please be postponed to 13.10.2021 at same time.

For further communication, you may please contact the above official in this regard.

Thanking you

Yours faithfully

[Dr. Dhananjai Mohan]  
Director

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

Copy for information to:

✓ Sh. Qamar Qureshi, Scientist-G, Wildlife Institute of India (Email: qnq@wii.gov.in; Mobile No.: 09411106682)





भारतीय वन्यजीव संस्था  
Wildlife Institute of India

F.No. WII/ESM/BP-Terai Road-20

Date: 27-10-2021

To,

PCCF WL & Chief Wildlife Warden,  
Government of Uttar Pradesh,  
17, Rana Pratap Marg, Lucknow,  
Uttar Pradesh- 226001  
Email: [cwlvwup@gmail.com](mailto:cwlvwup@gmail.com)

**Sub:** Rescheduling of the field visit plan to assess the mitigation measure plan in some parts of the proposed Indo-Nepal Border Road – Reg.

Sir,

In inviting reference to the above-mentioned subject, this is to kindly inform that the above field visit has been postponed after considering the flood situation in parts of Terai Arc Landscape. It has been decided after telephonic discussion with all the parties (*Public Works Department PWD, Sashastra Seema Bal SSB, and Forest Department FD*). The new dates are as follows:

8<sup>th</sup> – 9<sup>th</sup> November 2021 – Field visit to Suhelwa WLS  
11<sup>th</sup> November 2021 – Field visit to Dudhwa TR  
12<sup>th</sup> November 2021 – Field visit to Pilibhit TR

This is for your kind information and necessary action please.

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

Yours sincerely,

(Dr. Dhananjai Mohan)  
Director

Copy to:

1. Chief Engineer, Indo-Nepal Border Road, PWD, Lucknow, U.P.  
[ceupindonepal@gmail.com](mailto:ceupindonepal@gmail.com)



(39)



भारतीय वन्यजीव संस्था  
Wildlife Institute of India

F.No. WII/ESM/BP-Terai Road-20

Dated 21 October 2021

To,

PCCF Wildlife & Chief Wildlife Warden,  
Government of Uttar Pradesh,  
17, Rana Pratap Marg, Lucknow, Uttar Pradesh- 226001  
Email: [cwlwup@gmail.com](mailto:cwlwup@gmail.com)

**Sub:** No-cost extension of project and Tentative field visit plan to assess the mitigation measure plan in some parts of the proposed Indo-Nepal Border Road.

Sir,

In inviting reference to the above-mentioned subject, this is to kindly inform that a team from Wildlife Institute of India (WII), Public Works Department (PWD), Sashastra Seema Bal (SSB), and Forest Department (FD) will jointly visit the proposed realignment (of the proposed Indo-Nepal Border Road) sites in Dudhwa TR, and Pilibhit TR Suhelwa WLS as discussed in the meeting held on 13<sup>th</sup> October 2021 in Lucknow (PCCF Office). The plan is as follows -

- a) 28<sup>th</sup> to 30<sup>th</sup> October, 2021 Dudhwa and Pilibhit TR, and
- b) 8<sup>th</sup> to 10<sup>th</sup> November, 2021 Suhelwa WLS.

In order to undertake the field visits, we are requesting you to kindly extend the project on a no-cost basis up to 30<sup>th</sup> November, 2021.

Thank you.

Yours faithfully,

(Dr. Dhananjai Mohan)  
Director

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

Copy for information to -

1. Chief Engineer, Indo- Nepal Border Road, PWD, Lucknow, U.P.  
[ceupindonepal@gmail.com](mailto:ceupindonepal@gmail.com)
2. Mr. Abhishek Pathak, IPS, DIG, TC/35, Sankalp Bhawan, V-2, Durgapur - Lamua Road, Vibhuti Khand, Gomti Nagar, Lucknow, Uttar Pradesh 226010. Ph: 0522 2720481





भारतीय वन्यजीव संस्थान  
Wildlife Institute of India

F.No. WII/ESM/BP-Terai Road-20

16<sup>th</sup> November 2021

To,

PCCF Wildlife & Chief Wildlife Warden,  
Government of Uttar Pradesh,  
17, Rana Pratap Marg, Lucknow, Uttar Pradesh- 226001  
Email: [cwlvup@gmail.com](mailto:cwlvup@gmail.com)

**Subject:** Revisiting the mitigation measures suggested for some parts of the proposed Indo-Nepal Border road.

**Reference:** Letter No. 1058/26-11 (Indo-Nepal Border Road) Dated 06 October 2021

Sir,

With reference to the above-mentioned subject, a field visit was conducted in the selected parts of the proposed Indo-Nepal Border Road alignment for revisiting the proposed mitigation measures as decided in the meeting held in Lucknow CWLW Office on 13th October 2021. The joint field visit was conducted by representatives of the Wildlife Institute of India (WII), Forest Department (FD), Public Works Department (PWD), and Sashastra Seema Bal (SSB). The findings are listed below for your kind perusal:

**1. Suhelwa Wildlife Sanctuary (WLS):** Construction of the border road following the proposed alignment will cause irreversible damage to the fragile ecosystems of Suhelwa WLS. Suhelwa WLS is continuous with the Banke National Park of Nepal, and the connectivity between Suhelwa and Banke is crucial for the existence of Suhelwa WLS. Therefore, we propose following the mitigation measures as recommended in the WII Report (2021) where the BoPs will be connected using the existing forest roads and firelines. To ensure round the year usage of the road, the existing forest roads will be upgraded to all-weather morum roads.

**2. Dudhwa Tiger Reserve (TR):** The proposed alignment of the Indo-Nepal border road (~10 Km) from Chandan Chowki BoP to Golbojhi BoP of SSB is passing through critical wildlife habitats of the Dudhwa TR. Construction of the road will disturb the sanctity of this important habitat. Alternatively, we have recommended using the existing fire line which is passing near the proposed alignment (500 m to 1.5 Km) can be upgraded to an all-weather morum road for the SSB usage throughout the year. The alternative road was visited by the joint team of WII, FD, PWD, and SSB.

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

पत्रपेटी सं० 18, चन्द्रबनी, देहरादून - 248 001, उत्तराखण्ड, भारत  
Post Box No. 18, Chandrabani, Dehradun - 248 001, Uttarakhand, INDIA  
ई.पी.ए.बी.एक्स. : +91-135-2640114, 2640115, 2646100 फ़ैक्स : 0135-2640117  
EPABX : +91-135-2640114, 2640115, 2646100 Fax: 0135-2640117  
ई-मेल / E-mail : [wii@wii.gov.in](mailto:wii@wii.gov.in) वेब / Website: [www.wii.gov.in](http://www.wii.gov.in)





भारतीय वन्यजीव संस्था  
Wildlife Institute of India

F.No. WII/ESM/BP-Terai Road-20

16<sup>th</sup> November 2021

To,

PCCF Wildlife & Chief Wildlife Warden,  
Government of Uttar Pradesh,  
17, Rana Pratap Marg, Lucknow, Uttar Pradesh- 226001  
Email: [cwlvup@gmail.com](mailto:cwlvup@gmail.com)

**Subject:** Revisiting the mitigation measures suggested for some parts of the proposed Indo-Nepal Border road.

**Reference:** Letter No. 1058/26-11 (Indo-Nepal Border Road) Dated 06 October 2021

Sir,

With reference to the above-mentioned subject, a field visit was conducted in the selected parts of the proposed Indo-Nepal Border Road alignment for revisiting the proposed mitigation measures as decided in the meeting held in Lucknow CWLW Office on 13th October 2021. The joint field visit was conducted by representatives of the Wildlife Institute of India (WII), Forest Department (FD), Public Works Department (PWD), and Sashastra Seema Bal (SSB). The findings are listed below for your kind perusal:

**1. Suhelwa Wildlife Sanctuary (WLS):** Construction of the border road following the proposed alignment will cause irreversible damage to the fragile ecosystems of Suhelwa WLS. Suhelwa WLS is continuous with the Banke National Park of Nepal, and the connectivity between Suhelwa and Banke is crucial for the existence of Suhelwa WLS. Therefore, we propose following the mitigation measures as recommended in the WII Report (2021) where the BoPs will be connected using the existing forest roads and firelines. To ensure round the year usage of the road, the existing forest roads will be upgraded to all-weather morum roads.

**2. Dudhwa Tiger Reserve (TR):** The proposed alignment of the Indo-Nepal border road (~10 Km) from Chandan Chowki BoP to Golbojhi BoP of SSB is passing through critical wildlife habitats of the Dudhwa TR. Construction of the road will disturb the sanctity of this important habitat. Alternatively, we have recommended using the existing fire line which is passing near the proposed alignment (500 m to 1.5 Km) can be upgraded to an all-weather morum road for the SSB usage throughout the year. The alternative road was visited by the joint team of WII, FD, PWD, and SSB.

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

पत्रपेटी सं० 18, चन्द्रबनी, देहरादून - 248 001, उत्तराखण्ड, भारत

Post Box No. 18, Chandrabani, Dehradun - 248 001, Uttarakhand, INDIA

ई.पी.ए.बी.एक्स. : +91-135-2640114, 2640115, 2646100 फ़ैक्स : 0135-264011

EPABX : +91-135-2640114, 2640115, 2646100 Fax: 0135-264011

ई-मेल / E-mail : [wii@wii.gov.in](mailto:wii@wii.gov.in) वेब / Website: [www.wii.gov.in](http://www.wii.gov.in)



21/08/2020 - 01

No.11012/5/2012-BM-V(Pt)

Government of India  
Ministry of Home Affairs2<sup>nd</sup> Floor, Major Dhyan Chand National Stadium,  
New Delhi, dated 21<sup>st</sup> August, 2020.

To

Shri Nitin Ramesh Gokharn,  
Principal Secretary,  
Public Works Department,  
Government of Uttar Pradesh,  
Nirman Bhawan, M.G. Road,  
Lucknow.**Sub: New alignment prepared by UP PWD for stretches passing through forest/wildlife areas in Indo-Nepal Border Road Project in UP – Reg.**

Sir,

I am directed to refer to your letter No.519/23-12-2020-2(Indo-Nepal)/11TC-I dated 22<sup>nd</sup> July, 2020 on the subject mentioned above.

2. In this regard it is stated that as per CCS approval dated 23/11/2010, the proposed Indo-Nepal Border Roads are to be constructed with technical specifications of two-lane State Highway roads.
3. Now, UP PWD has prepared new alignment of roads passing through forest/wildlife area in consultation with SSB with specifications of 7 meter width (two lane) and sought approval of this Ministry for preparation of DPR. SSB has also conveyed their agreement for the new alignment as it serves their purpose.
4. In view of above, UP PWD may go ahead with preparation of DPRs for the new alignment passing through forest/wildlife area with 7 meter width (two lane) specification as submitted by them and submit the DPR at the earliest for appraisal/approval of competent authority.
5. It is also requested that MoU for the project may please be finalized/signed now and sent to this Ministry for approval of Competent Authority.

Yours faithfully,

*Abhijit*  
(ABHIJIT)Under Secretary to the Govt. of India  
Tel.No. 2307 5319INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



## कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव, उत्तर प्रदेश लखनऊ

पत्राक- 749 /26-11 (राज्य वन्य जीव बोर्ड) लखनऊ, दिनांक, अक्टूबर, 31/ 2020

सेवा में,

1. मुख्य अभियन्ता इण्डो-नेपाल बॉर्डर, लोक निर्माण विभाग, उ०प्र० लखनऊ।
2. मुख्य वन संरक्षक एवं फोल्ड डाइरेक्टर दुधवा टाइगर रिजर्व लखीमपुर् खीर
3. मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव पूर्वी, उ०प्र० गाण्डा।
4. वन संरक्षक फोल्ड डाइरेक्टर पीलीभीत टाइगर रिजर्व पीलीभीत।

विषय

उत्तर प्रदेश राज्य वन्यजीव परिषद स्टेट बोर्ड फॉर वाइल्ड लाइफ की परिचालन विधि से सम्बन्धित 10वीं बैठक का कार्यक्रम

संदर्भ

पर्यावरण वन एवं जलवायु परिषद अनुभाग-4 उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ, पत्राक 1143/81-4-2020-809/1992, दिनांक 30.09.2020 (प्रति संलग्न)

महोदय,

उपरोक्त संदर्भित पत्र के मध्यम से मा० मुख्य मंत्री जी की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश राज्य वन्यजीव परिषद स्टेट बोर्ड फॉर वाइल्ड लाइफ की परिचालन विधि से सम्बन्धित 10वीं बैठक का अनुमादित कार्यक्रम की प्रति संलग्न कर सूचनाएं एवं इस आशय से प्रेषित की जा रही है कि कृपया विषयक बैठक में देश एवं प्रदेश/विदेशी वन्य जीवों के सम्बन्ध में पृथक् आवश्यक अग्रंश कार्यवाही/अनुपालन अदिशुद्ध सुनिश्चित करने का कार्य करें।

संलग्नक-उपरोक्तानुसार।

भवदीय,

(सुनील पाण्डेय)

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव  
उत्तर प्रदेश, लखनऊ

पत्राक 749 /उक्तदिनांकित।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. प्रभागीय वनाधिकारी पीलीभीत टाइगर रिजर्व, पीलीभीत
2. उप निदेशक, दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग, मलिय-खीर
3. प्रभागीय वनाधिकारी कननिष्ठाघाट वन्य जीव प्रभाग, बहराबुछ
4. प्रभागीय वनाधिकारी साहजपुर वन्य जीव प्रभाग, बलरामपुर
5. प्रभागीय वनाधिकारी सोहगमंदर वन्य जीव प्रभाग, महाराजगंज

(सुनील पाण्डेय)

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव  
उत्तर प्रदेश, लखनऊINFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI





भारतीय वन्यजीव संस्थान  
Wildlife Institute of India

Fno: WII/ESM/BP-Terai Road - 20

Date: 10<sup>th</sup> September, 2021

To,

Sh. Pawan Kumar Sharma  
PCCF & CWLW  
Government of Uttar Pradesh  
Lucknow, Uttar Pradesh  
Email: cwlwup@gmail.com

Sub: Submission of report "Animal Passage Plan and mitigation measure for Indo-Nepal Border" – reg.

Ref: Chief Engineer Indo-Nepal Border, PWD, Lucknow, 1348/INB/34/INB/15 dated 04.08.2021

Sir,

As you are aware, the Wildlife Institute of India was entrusted with developing an Animal Passage plan and appropriate mitigation measures for the proposed Indo-Nepal Border Road. The report and mitigation measure plan is attached herewith.

Thanking you

Yours faithfully

[Dr. Dhananjai Mohan]  
Director

Encl : As above

Copy for information to:

Chief Engineer, Indo-Nepal Border, Public Works Department, Uttar Pradesh. Email: ceupindonepal@gmail.com

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

पत्रपेटी सं 18, चन्द्रबनी, देहरादून-248 001, उत्तराखण्ड, भारत  
Post Box No. 18, Chandrabani, Dehradun - 248 001, Uttarakhand, INDIA  
ई-वी एक्स +91-135-2640100 2640114 2640115 फैक्स 0135-2640117  
EPABX : +91-135 2640100, 2640114, 2640115. फैक्स 0135 2640117  
ई-मेल/E-mail : wii@wii.gov.in वेब/Website : www.wii.gov.in



INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

Page from Wildlife Institute of India Report

on

Mitigation Measures

Indo-Nepal Border Project, UP

Table 3. List of major mitigation measures suggested across the proposed Indo-Nepal border road in Uttar Pradesh, India. The start point for the alternative routes depicting the location where the detour starts. The end point denotes the location where the altered alignment is re-joining the road.

Sl. No.	TR/NP/AVES	Locality		Mitigation measures		GPS locations of recommended alterations	
		Corridor	BoP	Type	Length	Start Point	End Point
1	Pilibhit	Lagga Bagga corridor	Nazulla	Alternative route	Use existing village roads (-27 Km)	28°49'32.05"N 80°04'2.99"E	28°42'31.44"N 80°17'45"E
2	Pilibhit	Lagga Bagga corridor		Flyover	0.7 Km	28°40'35.02"N 80°12'48.65"E	28°40'37.80"N 80°13'14.12"E
3	Pilibhit	Lagga Bagga corridor		Flyover	0.5 Km	28°40'32.14"N 80°13'22.22"E	28°40'30.65"N 80°13'42.70"E
4	Dudhwa	Sattiyann	Ghola	Alternative route	Use existing forest & village roads (1.5 Km)	28°32'43.24"N 80°30'49.05"E	28°33'8.65"N 80°41'22.02"E
5	Dudhwa	Laljhadi corridor	Border Pillar No. 735/736	Flyover	1.2 Km	28°39'35.00"N 80°30'21.87"E	28°40'13.19"N 80°40'01.20"E
6	Dudhwa	Basanta corridor - I	Sohna	Flyover	1.4 Km	28°34'24.97"N 80°42'6.26"E	28°33'44.41"N 80°42'53.70"E
7	Dudhwa	Basanta corridor - I	Sohna	Flyover	0.5 Km	28°32'52.59"N 80°44'29.49"E	28°32'48.48"N 80°44'42.70"E
8	Dudhwa	Basanta corridor - II	Chaudan Chowki	Alternative route	Use existing forest roads (-15 Km)	28°42'40.01"N 80°46'15.88"E	28°29'21.65"N 80°50'33.50"E
9	Dudhwa	Basanta corridor - II	Ragnu Nagar	Flyover	0.7 Km	28°27'25.54"N 80°54'54.35"E	28°26'47.27"N 80°54'53.50"E
10	Katerniaghat	Chedia corridor		Flyover	3.0 Km	28°22'51.25"N 81°01'41.10"E	28°21'50.90"N 81°11'14.80"E
11	Katerniaghat	Chedia corridor	Border Pillar No. 699	Flyover	1.8 Km	28°23'59.36"N 81°03'34.27"E	28°23'22.78"N 81°11'14.80"E
12	Katerniaghat	Girwa river	Pillar No. (old) 87-82	Flyover	4.4 Km	28°21'55.36"N 81°11'8.98"E	28°20'43.11"N 81°11'8.98"E
13	Katerniaghat	Khaia corridor	BoP 82	Alternative route	Use existing forest & village roads (4.8 Km)	28°20'06.6"N 81°13'35.6"E	28°18'45.93"N 81°14'11.9"E
14	Sahelwa	Sahelwa-Banke	BoP Suriya to Trilokpur	Alternative route	Use existing district & village roads (-95 Km)	27°51'53.48"N 81°55'45.17"E	27°29'58.11"N 82°41'41.17"E



46 237

संलग्नक - 5



भारतीय वन्यजीव संस्थान  
Wildlife Institute of India

WII/ESM/BP-Terai Road-20

16<sup>th</sup> November 2021

CC: Wildlife & Chief Wildlife Warden,  
Government of Uttar Pradesh,  
17, Rana Pratap Marg, Lucknow, Uttar Pradesh-226001  
India

**Subject:** Revisiting the mitigation measures suggested for some parts of the proposed Indo-Nepal Border road

**Reference:** Letter No. 1058/26-11 (Indo-Nepal Border Road) Dated 06 October 2021

In reference to the above-mentioned subject, a field visit was conducted in the selected areas of the proposed Indo-Nepal Border Road alignment for revisiting the proposed mitigation measures as decided in the meeting held in Lucknow CWI.W. Office on 14th October 2021. The joint field visit was conducted by representatives of the Wildlife Institute of India (WII), Forest Department (FD), Public Works Department (PWD), and Sashastra Seema Bal (SSB). The findings are listed below for your kind perusal:

**Suhelwa Wildlife Sanctuary (WLS):** Construction of the border road following the proposed alignment will cause irreversible damage to the fragile ecosystems of Suhelwa WLS. Suhelwa WLS is continuous with the Banke National Park of Nepal, and the connectivity between Suhelwa and Banke is crucial for the existence of Suhelwa WLS. Hence, we propose following the mitigation measures as recommended in the WII Report 2021, where the BoPs will be connected using the existing forest roads and firelines. As per the plan and the year usage of the road, the existing forest roads will be upgraded to all-weather roads.

**Dudhwa Tiger Reserve (TR):** The proposed alignment of the Indo-Nepal Border Road (10 Km) from Chandan Chowk BoP to Golbojni BoP of SSB is passing through critical habitats of the Dudhwa TR. Construction of the road will disturb the sanctity of this natural habitat. Alternatively, we have recommended using the existing fire line which is 500 m to 1.5 Km away from the proposed alignment. This fire line can be upgraded to an all-weather road for the SSB usage throughout the year. The alternative road was visited by the representatives of WII, FD, PWD, and SSB.

**INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI**

पत्रपेटी सं 18, चन्द्रबनी, देहरादून - 248 001, उत्तराखण्ड, भारत  
Post Box No. 18, Chandrabani, Dehradun - 248 001, Uttarakhand, INDIA  
टोल फ्री एक्स - 91-135-2640114, 2640115 2646100 फैक्स 0135-2640117  
EPABX : +91-135-2640114, 2640115, 2646100 Fax: 0135-2640117  
ई-मेल / E-mail: wii@wii.gov.in वेब / Website: www.wii.gov.in



It was clarified in the meeting that the proposed mitigation measures as suggested in the WH Report (2021) should be followed in order to safeguard the crucial wildlife habitat of Bagga Bagga region of the Pilibhit Tiger Reserve.

Thank you.

Yours faithfully,

(Dr. Dhananjai Mohan)  
Director, WH

Copy to:

1. Chief Engineer, Indo- Nepal Border Road, PWD, Lucknow, U.P.
2. Mr. Abhishek Pathak, IPS, DIG, IC 35, Sankaip Bhawan, V-2, Durgapur - Lamua Road, Vibhuti Khand, Gomti Nagar, Lucknow, Uttar Pradesh 226010  
[abhishekpathak@gnn.gov.in](mailto:abhishekpathak@gnn.gov.in)
3. Field Director, Pilibhit Tiger Reserve, Bankati marg near Civil Line Police Chowki, Pilibhit, Uttar Pradesh 262001 [tpilibhittr@gmail.com](mailto:tpilibhittr@gmail.com)
4. Field Director, Dudhwa Tiger Reserve, Opposite Head Post Office, Lakhimpur Kheri, Uttar Pradesh 262701 [drdudhwa@gmail.com](mailto:drdudhwa@gmail.com)
5. CCF Gonda, Wildlife Division, Last Range, Gonda, Uttar Pradesh.  
[ccfws-gonda@gmail.com](mailto:ccfws-gonda@gmail.com)

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



48

239

बैठक दिनांक 13.10.2021

ई-मेल / महत्वपूर्ण / सर्वाधिक प्राथमिकता

कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पत्रसंख्या-1088/26-11 इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग

लखनऊ दिनांक अक्टूबर 2021

संदर्भ

भारतीय वन्य जीव संस्थान

देहरादून, उत्तराखण्ड

इण्डो-नेपाल बार्डर रोड परियोजना के वन्य जीव क्लायरेन्स हेतु, आनलाइन प्रस्ताव संख्या IP UP ROAD (20954/2021 दिनांक 17.02.2021) भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून द्वारा प्रेषित Bio-diversity Assessment, Mitigation Measures and Animal Passage Plan के सम्बन्ध में बैठक का आयोजन।

निदेशक भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून का पत्रांक- WII/ESMLBP-Teral Road-20 दिनांक 01.10.2021

संदर्भ

आगत करना है कि विषयक प्रकरण के सम्बन्ध में मुख्य अभियंता इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग, लखनऊ ने आगत पत्रांक-1431/आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/13 दिनांक 28.09.2021 द्वारा कार्यालय पत्रांक-WII/ESMLBP-Teral Road-20, दिनांक 10.09.2019 के माध्यम से प्रेषित Bio-diversity Assessment, Mitigation Measures and Animal Passage Plan में दिए गए सुझाओं की सरस्त्र लेन वन की प्रयोग के समक्ष प्रसंगिकता की परीक्षा हेतु भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून, सरस्त्र लेन वन की प्रयोग विभाग 30.09.2021 लखनऊ को संयुक्त बैठक आहूत कराए जाने हेतु अनुरोध किया गया था जिसका क्रम में आगत पत्रांक 981/26-11 (वन्य जीव क्लायरेन्स प्रकरण) दिनांक 29.09.2021 द्वारा दिनांक 08.10.2021 को बैठक आहूत की गयी थी। आप द्वारा उपरोक्त विषयक संदर्भित पत्र दिनांक 01.10.2021 द्वारा प्राप्त पत्रांक में प्रतिभाग करने हेतु संस्थान द्वारा नामित श्री कमर कुरेशी, साइटिस्ट "जी" की अनुपस्थिति की वजह से बैठक का स्थगित करत हुए दिनांक 13.10.2021 को पूर्व सूचित समय पर आहूत कराने का अनुरोध किया जाता है।

उक्त अनुरोध के क्रम में अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में विषयक बैठक दिनांक 08.10.2021 को स्थगित पर अब दिनांक 13.10.2021 को पूर्वाह्न 11:00 बजे 17, राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ स्थित पारिजात सभा कक्ष में बैठक की जाती है।

अतः अनुरोध है कि कृपया उक्त बैठक में सुसंगत अभिलेखों सहित प्रकरण में निम्न सूचीबद्ध प्रतिक्रिया करने का कष्ट करें।

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

भवदीय,

(पवन कुमार शर्मा),

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव,  
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।



पत्रसंख्या- 1258 / , उक्तदिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित का इस कार्यालय के पूर्व प्रेषित पत्र संख्या-981/26-11 (वन्य जीव क्लीयरेंस प्रकरण) 29.09.2021 के कम में सूचनार्थ एवं इस आशय से प्रेषित कि कृपया विषयक बैठक में उपरोक्तानुसार सशोधित दिनांक 13.10.2021 का निर्धारित स्थल व समय पर सुसंगत अभिलेखों सहित ससमय प्रतिभाग करना सु करें।

1. महानिरीक्षक, फ्रन्टियर, हेड क्वार्टर्स, सशस्त्र सीमा बल, टी0सी0-35/V-2, संकल्प भवन, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ।
2. मुख्य वन संरक्षक एवं फील्ड डायरेक्टर, दुधवा टाइगर रिजर्व, लखीमपुर-खीरी।
3. मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, पूर्वी क्षेत्र, उ0प्र0, गण्डा।
4. वन संरक्षक/फील्ड डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, पीलीभीत।
5. मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ।
6. मुख्य वन संरक्षक/नोडल अधिकारी, उ0प्र0, लखनऊ।
7. प्रभागीय वनाधिकारी, सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग, बलरामपुर।
8. उप निदेशक, दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग, पलिया-खीरी।
9. प्रभागीय वनाधिकारी, कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग, बहराइच।
10. प्रभागीय वनाधिकारी, सोहागीबरवा वन्य जीव प्रभाग, महाराजगंज।
11. प्रभागीय वनाधिकारी, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, पीलीभीत।
12. अधीक्षण अभियन्ता, इण्डो नेपाल बार्डर वृत्त, लो0नि0वि0, गोरखपुर/बाराबंकी।

(पवन कुमार शर्मा),

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव,  
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



50

1293

कार्यालय मुख्य अभियन्ता  
इण्डो नेपाल बार्डर  
लोक निर्माण विभाग, लखनऊ

पत्रांक : आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/2013

दिनांक : 23.11.2021

सेवा में,

प्रमुख सचिव  
लो0नि0 अनुभाग 12,  
उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।

विषय : वन क्षेत्र से आच्छादित भाग में भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून की आख्या के आधार पर संरक्षण परिवर्तन के संबंध में।

संदर्भ : भारत सरकार का पत्रांक 11012/5/2012-BM-V(Pt) दिनांक 21.08.2020।

महोदय,

सशस्त्र सीमा बल तथा वन विभाग की सहमति के उपरान्त इण्डो नेपाल बार्डर मार्ग निर्माण परियोजना का संरक्षण अनुमोदनार्थ गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली द्वारा को प्रेषित किया गया था। उपरोक्त संदर्भित पत्र (संलग्नक-1) के माध्यम से संरक्षण पर गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया। राज्य वन्य जीव बोर्ड की सम्पन्न 10वीं बैठक में वन्य प्राणी स्वच्छन्द विचरण हेतु पैसेज प्लान एवं पारिस्थितिकी तंत्र के विघटन के फलस्वरूप पड़ने वाले ऋणात्मक प्रभावों के शमन हेतु आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिये गये। तत्क्रम में संरक्षण पर पड़ने वाले वन्य जीव क्षेत्र में वन्य जीवों के लिये मिटिगेशन मेजर एवं एनिमल पैसेज प्लान प्राप्त करने हेतु भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून को संदर्भित करने का निर्णय लिया गया (संलग्नक 2)। तत्क्रम में स्वीकृत संरक्षण का विवरण देते हुये मिटिगेशन मेजर एवं एनिमल पैसेज प्लान प्रस्तावित करने हेतु भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून को प्रकरण संदर्भित किया गया।

भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून द्वारा पत्रांक WH/ESM/BP-Terai Road-20 दिनांक 10.09.2021 द्वारा मिटिगेशन मेजर एवं एनिमल पैसेज की आख्या उपलब्ध करायी गयी। आख्या में लगभग 140 कि0मी0 लंबाई में संरक्षण परिवर्तन करने का सुझाव दिया गया। सुझाये गये मुख्य बिन्दु सलग्न है (संलग्नक-3)। सशस्त्र सीमा बल की आवश्यकता के सापेक्ष उक्त संरक्षण परिवर्तन के उपयोगिता पर विचार विमर्श हेतु दिनांक 13.10.2021 को पी0सी0सी0एफ0 की अध्यक्षता में सशस्त्र सीमा बल, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों का संयुक्त बैठक आयोजित की गयी। बैठक में परिवर्तित संरक्षण पर मार्ग निर्माण की उपयोगीता पर चर्चा हुई। भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून ने पुनः अनुरोध किया गया कि पूर्व स्वीकृत संरक्षण पर ही मिटिगेशन मेजर एवं एनिमल पैसेज प्लान प्रस्तावित करने का कष्ट करें (संलग्नक 4)। इस हेतु सशस्त्र सीमा बल, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून, वन विभाग तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा पुनः स्थल भ्रमण करने का निर्णय लिया गया। तत्क्रम में दिनांक 08-12 नवम्बर, 2021 के मध्य स्थल भ्रमण सम्पन्न किया गया।

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



242 (5)

संयुक्त स्थल भ्रमण के उपरान्त भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून के पत्रांक WIL/SM/BP-1/2021 Road-20 दिनांक 16.11.2021 (संलग्नक-5) द्वारा आख्या उपलब्ध करायी गयी है, परन्तु संस्थान के द्वारा पूर्व प्रेषित आख्या में किसी परिवर्तन से असहमति व्यक्त की गयी है।

भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून द्वारा सृजये गये संरक्षण परिवर्तन की सशस्त्र सीमा बल की आवश्यकता के सापेक्ष उपयोगिता, तथा, वन विभाग द्वारा वन सम्बन्धी अनापत्तियों की स्थिति पर विचार विमर्श करने हेतु अपर मुख्य सचिव (पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग) तथा महानिरीक्षक (सशस्त्र सीमा बल) के साथ बैठक आयोजित की जानी अति आवश्यक है।

आपसे अनुरोध है कि कृपया बैठक आयोजित करने पर विचार करना चाहें।

संलग्नक-उपरोक्तानुसार।

*Ay*  
23.11  
(अजय कुमार गंगवार)  
मुख्य अभियन्ता

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं अग्रेतर कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. प्रमुख अभियन्ता (ग्रामीण सड़क), 30प्र0, लो0नि0वि0, लखनऊ।
2. प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष, वन विभाग, राणा प्रताप मार्ग, नरही, लखनऊ।
3. अवर सचिव, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, सीमा प्रबन्धन विभाग, द्वितीय तल, मेजर ध्यान चन्द्र राष्ट्रीय स्टेडियम, नई दिल्ली।
4. महानिरीक्षक, फ्रन्टियर, हेड क्वार्टर्स, सशस्त्र सीमा बल, टी0सी0 35/V-2, संकल्प भवन, विभूति खंड, गोमतीनगर, लखनऊ।
5. निदेशक, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून।
6. नोडल अधिकारी/सी0सी0एफ0, वन संरक्षक, अरण्य भवन, लखनऊ।
7. अधीक्षण अभियन्ता, इ0ने0बा0 वृत्त, लो0नि0वि0, गोरखपुर/बागवकी।

*Ay*  
23.11  
मुख्य अभियन्ता

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



(S2)

244

कार्यालय मुख्य अभियन्ता  
इण्डो-नेपाल बार्डर  
लोक निर्माण विभाग, लखनऊ

पत्रांक : /486 आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/13

दिनांक : 15.11.2021

सेवा में,

प्रधान मुख्य वन संरक्षक  
वन्य जीव  
उ०प्र०, लखनऊ।

विषय:- इण्डो-नेपाल बार्डर रोड परियोजना के संबंध में भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून के साथ समस्त stakeholder का स्थल भ्रमण के उपरान्त आख्या के संबंध में।

संदर्भ:- उ०प्र० शासन का पत्रांक 884/23-12-2020-2(इण्डो-नेपाल)/2011 दिनांक 03.11.2021 महोदय,

दिनांक 10.09.2021 को भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून से प्राप्त Bio-diversity Assessment, Mitigation Measure and Animal Passage Plan रिपोर्ट में पूर्व स्वीकृत संरेखण में कतिपय डायवर्जन प्रस्तावित किये जाने के फलस्वरूप समस्त stakeholder (वन विभाग, लोक निर्माण विभाग एवं सशस्त्र सीमा बल) की संयुक्त बैठक दिनांक 13.10.2021 को आपकी अध्यक्षता में आयोजित की गयी थी, जिसमें स्वीकृत संरेखण पर ही Mitigation Measure and Animal Passage Plan का सुझाव देने हेतु समस्त stakeholding विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त स्थल भ्रमण का निर्णय लिया गया था। उक्त निर्णय के अनुपालन में संयुक्त टीम द्वारा दिनांक 08.11.2021 से दिनांक 12.11.2021 के मध्य भ्रमण कार्य कर लिया गया है।

भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून द्वारा पुनः रिपोर्ट प्रेषित करने से पूर्व उचित होगा कि भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून के साथ आपकी अध्यक्षता में पुनः समस्त stakeholder विभाग की बैठक में विचार-विमर्श कर लिया जाये।

दिनांक 12.11.2021 को इस प्रसंग में प्रमुख अभियन्ता महोदय द्वारा निदेशक, भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून तथा आपसे दूरभाष पर भी वार्ता कर बैठक आयोजित करने का अनुरोध किया गया है।

अतः अनुरोध है कि कृपया दिनांक 23.11.2021 अथवा इससे पूर्व उक्त बैठक आयोजित करने का कष्ट करें ताकि माह 11/2021 के अन्त तक प्रश्नगत अन्तिम रिपोर्ट भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून से प्राप्त हो सके।

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

(अजय कुमार गंगवार)  
मुख्य अभियन्ता

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. सचिव, लो०नि० अनुभाग-12, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
2. प्रमुख अभियन्ता (ग्रामीण सड़क), उ०प्र०, लो०नि०वि०, लखनऊ।
3. मुख्य वन संरक्षक/नोडल अधिकारी, उ०प्र०, लखनऊ।
4. महानिरीक्षक, फ्रंटियर, हेड क्वार्टर, सशस्त्र सीमा बल, टी०सी०-35/v-2, संकल्प भवन, विभूति खंड, गोमतीनगर, लखनऊ।
5. अधीक्षण अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर वृत्त, लो०नि०वि०, गोरखपुर/बाराबंकी।

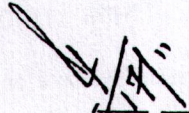


245 (53)

पत्रांक 1439/उक्तदिनांकित।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को उपरोक्त संदर्भित पत्र के क्रम में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. सचिव, लो0नि0 अनुभाग-12, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
2. प्रमुख अभियन्ता (ग्रामीण सड़क), उ0प्र0 लो0नि0वि, लखनऊ।
3. मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ।
4. मुख्य वन संरक्षक/नोडल अधिकारी, उ0प्र0 लखनऊ।
5. महानिरीक्षक, फ्रन्टियर, हेड क्वार्टर्स, सशस्त्र सीमा बल, टी0सी0-35/V-2, संकल्प भवन, विभूति खंड, गोमतीनगर, लखनऊ।
6. अधीक्षण, अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर वृत्त, लो0नि0वि0, गोरखपुर/बाराबंकी।

  
(प्रवीन कुमार शर्मा)  
प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव,  
उत्तर प्रदेश लखनऊ।

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI





(S4)

भारतीय वन्यजीव संस्था  
Wildlife Institute of India

WII/ESM/BP-Terai Road-20

25 November, 2021

To

PCCF Wildlife & Chief Wildlife Warden,  
Government of Uttar Pradesh,  
17, Rana Pratap Marg, Lucknow, Uttar Pradesh- 226001  
Email: [cwlwup@gmail.com](mailto:cwlwup@gmail.com)

**Sub:** Meeting reg Indo-Nepal Border road

**Ref:** Letter no: 1439/26-11 (Indo-Nepal Border Road), dated 18<sup>th</sup> November, 2021

Sir,

With reference to the subject cited above, it is requested that the virtual or in-person meeting may please be held on either 3<sup>rd</sup> or 4<sup>th</sup> December, 2021, due to unavoidable field commitments of the concerned officials/personnel attending the meeting.

Thank you.

Yours faithfully,

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

(Dr. Dhananjai Mohan)  
Director, WII

Copy to:

1. Chief Engineer, Indo- Nepal Border Road, PWD, Lucknow, U.P.  
[ceupindonepal@gmail.com](mailto:ceupindonepal@gmail.com)
2. Mr. Abhishek Pathak, IPS, DIG, TC/35, Sankalp Bhawan, V-2, Durgapur - Lamua Road, Vibhuti Khand, Gomti Nagar, Lucknow, Uttar Pradesh 226010. Ph: 0522 2720481

पत्रपेटी सं० 18, चन्द्रबनी, देहरादून - 248 001, उत्तराखण्ड, भा

Post Box No. 18, Chandrabani, Dehradun - 248 001, Uttarakhand, INDIA  
ई.पी.ए.बी.एक्स. : +91-135-2640114, 2640115, 2646100 फ़ैक्स : 0135-2640

EPABX : +91-135-2640114, 2640115, 2646100 Fax: 0135-2640

ई-मेल / E-mail : [wii@wii.gov.in](mailto:wii@wii.gov.in) वेब / Website: [www.wii.gov.in](http://www.wii.gov.in)



## कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पत्र संख्या- 1439 / 26-11 (इण्डो-नेपाल बॉर्डर रोड) लखनऊ: दिनांक: नवम्बर 18 2021  
सेवा में,

निदेशक,  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
चन्द्रबनी-देहरादून।

**विषय:-** इण्डो-नेपाल बॉर्डर रोड के सम्बन्ध में भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून के साथ समस्त सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों की स्थल भ्रमण के उपरान्त आख्या उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में।

**संदर्भ:-** मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बॉर्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ का पत्रांक- 1486 / आई0एन0बी0 / 34आई0एन0बी0 / 13 दिनांक 15.11.2021

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक संदर्भित पत्र (प्रति संलग्न) का अवलोकन करने का कष्ट करें। उक्त पत्र द्वारा मुख्य अभियन्ता इण्डो-नेपाल बॉर्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ ने भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून द्वारा Bio-Diversity assessment, mitigation measure and animal passage plan दिनांक 10.09.2021 को प्रेषित किये जाने का उल्लेख किया गया है। उक्त रिपोर्ट में पूर्व स्वीकृत संरक्षण में कतिपय जायवर्जन प्रस्तावित किये जाने के फलस्वरूप समस्त सम्बन्धित विभागों की अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में सम्पन्न बैठक दिनांक 13.10.2021 में स्थिर किये गये मत के अनुसार समस्त सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा दिनांक 08.11.2021 से 12.11.2021 के मध्य भ्रमण पूर्ण कर लिये जाने का उल्लेख करते हुए भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून द्वारा पुनः रिपोर्ट प्रेषित करने से पूर्व समस्त सम्बन्धित विभाग की विचार-विमर्श हेतु बैठक आहूत किये जाने का अनुरोध किया गया है।

उक्त के सम्बन्ध में आपसे दिनांक 17.11.2021 को दूरभाष पर वार्ता कर प्रस्तावित बैठक की तिथि सूचित करने का अनुरोध किया गया। उपरोक्त विषयक प्रकरण की महत्ता एवं संवेदनशीलता के दृष्टिगत प्रस्तावित बैठक में आप द्वारा प्रतिभाग किया जाना उचित होगा। अतः आपसे अनुरोध है कि कृपया अपनी सुविधानुसार प्रश्नगत बैठक दिनांक 24.11.2021 के पश्चात् आयोजित किये जाने के सम्बन्ध में तिथि सूचित करने का कष्ट करें, ताकि विषयक प्रकरण के सम्बन्ध में बैठक आयोजित करायी जा सके।

संलग्नक:-उपरोक्तानुसार।

भवदीय,

( पवन कुमार शर्मा )

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव,  
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



## Annexure I

Observation of Wildlife Institute of India on the draft minutes of the meeting held on 29.11.2021 at 4:30 pm in the office of Principal Secretary, PWD regarding Indo-Nepal Border Road Project, circulated through email dated 01. Dec. 2021, by Chief-Engineer, Indo-Nepal Border Road Project, PWD, Lucknow are as follows:

- A. Lagga Bagga – We agreed to connect all BOPs in Lagga Bagga through paved road following the original surface on existing forest road. In our report we have recommended not to build a bridge over Sharda (near Nazulia), & use the existing forest roads for patrolling purpose only. The alternate alignment (near Sharda Sagar) was to maintain the connectivity throughout the border (from Uttarakhand side to Kamboj Nagar - Sampurna Nagar side of the road). Furthermore, the marshlands near the north east part of Lagga Bagga (border pillar no 25-27) will be destroyed while preparing the basement for concrete slabs. Our suggestions will ensure connectivity with all BOP in this part of Uttar Pradesh.
- B. Dudhwa - Regarding the 1.5 km stretch in Satiyana, the existing forest road is only 200-500 m away from the proposed alignment. Therefore, preparing a fresh road & cutting down trees in this chicken neck area of Dudhwa can be avoided if the existing forest roads for 1.5 km is followed.
- C. The 15 km stretch between Chandan Chowki to Golbojhi is primarily comprised of marshland, wetlands & tall grasslands. Construction of concrete road over here needs clearing of the upper layer of the soil & filling up the land with solid debris, which will alter the entire habitat and flooding pattern. As a suitable alternative, the existing forest road/fireline is ~1 km away from the proposed alignment which we suggested, this should be used to construct the 'ground level' road for security purpose only, which will efficiently ensure connecting with the BOPs.
- D. Katarniaghat – In Katarniaghat, the alternate alignment proposed by WII can be paved at surface level for connecting the concerned BOPs.
- E. SSB should ensure that the road in sensitive wildlife areas are not thoroughfare and used only for security and forest management.

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



(57)



भारतीय वन्यजीव संस्था  
Wildlife Institute of India

No. WII/ESM/BP-Terai Road-20

Dated 02-Dec-2021

To

Chief Engineer  
Indo- Nepal Border Road Project, PWD  
Lucknow, U.P. [ceupindonepal@gmail.com](mailto:ceupindonepal@gmail.com)

**Sub: Minutes of the meeting held on 29.11.2021**

**Ref:** Email from Chief Engineer – PWD (Indo-Nepal, Border Road) dated 01. Dec. 2021

Sir,

With reference to the subject cited above, our observations on the draft minutes circulated are attached herewith.

Thank you.

Yours faithfully,

(Dr. Dhananjai Mohan)  
Director, WII

Encl: As above.

Copy to:

1. PCCF Wildlife & Chief Wildlife Warden, Government of Uttar Pradesh, 17, Rana Pratap Marg, Lucknow, Uttar Pradesh- 226001; Email: [cwlwup@gmail.com](mailto:cwlwup@gmail.com)
2. Mr. Abhishek Pathak, IPS, DIG, TC/35, Sankalp Bhawan, V-2, Durgapur - Lamua Road, Vibhuti Khand, Gomti Nagar, Lucknow, Uttar Pradesh 226010. Ph: 0522 2720481; Email: [Digadmn.ftrlkw@ssb.gov.in](mailto:Digadmn.ftrlkw@ssb.gov.in)
3. Sh. Neeraj Kumar, CCF, [ccfec@gmail.com](mailto:ccfec@gmail.com)

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



58 1260

# कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पत्र संख्या- 1439 /26-11 (इण्डो-नेपाल बॉर्डर रोड) लखनऊ: दिनांक: नवम्बर 18 2021  
सेवा में,

निदेशक,  
भारतीय वन्य जीव संस्थान,  
चन्द्रबनी-देहरादून।

विषय:- इण्डो-नेपाल बॉर्डर रोड के सम्बन्ध में भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून के साथ समस्त सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों की स्थल भ्रमण के उपरान्त आख्या उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में।

संदर्भ:- मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बॉर्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ का पत्रांक 1486/आई0एन0बी0/ 34आई0एन0बी0/13 दिनांक 15.11.2021

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक संदर्भित पत्र (प्रति संलग्न) का अवलोकन करने का कष्ट करें। उक्त पत्र द्वारा मुख्य अभियन्ता इण्डो-नेपाल बॉर्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ ने भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून द्वारा Bio-Diversity assessment, mitigation measure and animal passage plan दिनांक 10.09.2021 को प्रेषित किये जाने का उल्लेख किया गया है। उक्त रिपोर्ट में पूर्व स्वीकृत संरक्षण में कतिपर डायवर्सन प्रस्तावित किये जाने के फलस्वरूप समस्त सम्बन्धित विभागों की अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में सम्पन्न बैठक दिनांक 13.10.2021 में स्थिर किये गये मत के अनुसार समस्त सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा दिनांक 08.11.2021 से 12.11.2021 के मध्य भ्रमण पूर्ण कर लिये जाने का उल्लेख करते हुए भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून द्वारा पुनः रिपोर्ट प्रेषित करने से पूर्व समस्त सम्बन्धित विभाग की विचार-विमर्श हेतु बैठक आहूत किये जाने का अनुरोध किया गया है।

उक्त के सम्बन्ध में आपसे दिनांक 17.11.2021 को दूरभाष पर वार्ता कर प्रस्तावित बैठक की तिथि सूचित करने का अनुरोध किया गया। उपरोक्त विषयक प्रकरण की महत्ता एवं संवेदनशीलता के दृष्टिगत प्रस्तावित बैठक में आप द्वारा प्रतिभाग किया जाना उचित होगा। अतः आपसे अनुरोध है कि कृपया अपनी सुविधानुसार प्रश्नगत बैठक दिनांक 24.11.2021 के पश्चात् आयोजित किये जाने के सम्बन्ध में तिथि सूचित करने का कष्ट करें, ताकि विषयक प्रकरण के सम्बन्ध में बैठक आयोजित करायी जा सके।

संलग्नक:-उपरोक्तानुसार।

DWII OFFICE
DIARY NO. 4245
DATE 29/11/21

Prof. Dama

भवदीय,  
(पवन कुमार शर्मा)  
प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव,  
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



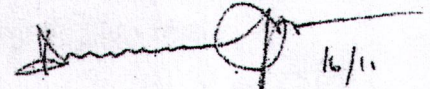
(59)

261

It was clarified in the meeting that the proposed mitigation measures as suggested in the WII Report (2021) should be followed in order to safeguard the crucial wildlife habitat of Lagga Bagga region of the Pilibhit Tiger Reserve.

Thank you.

Yours faithfully,



(Dr. Dhananjai Mohan)  
Director, WII

Copy to:

1. Chief Engineer, Indo- Nepal Border Road, PWD, Lucknow, U.P.  
[ceupindonepal@gmail.com](mailto:ceupindonepal@gmail.com)
2. Mr. Abhishek Pathak, IPS, DIG, TC/35, Sankalp Bhawan, V-2, Durgapur - Lamua Road, Vibhuti Khand, Gomti Nagar, Lucknow, Uttar Pradesh 226010.  
[Digadmn.frlkw@ssb.gov.in](mailto:Digadmn.frlkw@ssb.gov.in)
3. Field Director, Pilibhit Tiger Reserve, Bankati marg near Civil Line Police Chowki, Pilibhit, Uttar Pradesh 262001 [fdpilibhittr@gmail.com](mailto:fdpilibhittr@gmail.com)
4. Field Director, Dudhwa Tiger Reserve, Opposite Head Post Office, Lakhimpur Kheri, Uttar Pradesh 262701 [dirdudwa@gmail.com](mailto:dirdudwa@gmail.com)
5. CCF Gonda, Wildlife Division, East Range, Gonda, Uttar Pradesh.  
[ccfwlgonda@gmail.com](mailto:ccfwlgonda@gmail.com)

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



(60)

संलग्नक -

162



भारतीय वन्यजीव संस्थ  
Wildlife Institute of India

F.No. WII/ESM/BP-Terai Road-20

16<sup>th</sup> November 2021

To,

PCCF Wildlife & Chief Wildlife Warden,  
Government of Uttar Pradesh,  
17, Rana Pratap Marg, Lucknow, Uttar Pradesh- 226001  
Email: [cwlwup@gmail.com](mailto:cwlwup@gmail.com)

**Subject:** Revisiting the mitigation measures suggested for some parts of the proposed Indo-Nepal Border road.

**Reference:** Letter No. 1058/26-11 (Indo-Nepal Border Road) Dated 06 October 2021

Sir,

With reference to the above-mentioned subject, a field visit was conducted in the selected parts of the proposed Indo-Nepal Border Road alignment for revisiting the proposed mitigation measures as decided in the meeting held in Lucknow CWLW Office on 13<sup>th</sup> October 2021. The joint field visit was conducted by representatives of the Wildlife Institute of India (WII), Forest Department (FD), Public Works Department (PWD), and Sashastra Seema Bal (SSB). The findings are listed below for your kind perusal:

1. **Suhelwa Wildlife Sanctuary (WLS):** Construction of the border road following the proposed alignment will cause irreversible damage to the fragile ecosystems of Suhelwa WLS. Suhelwa WLS is continuous with the Banke National Park of Nepal, and the connectivity between Suhelwa and Banke is crucial for the existence of Suhelwa WLS. Therefore, we propose following the mitigation measures as recommended in the WII Report (2021) where the BoPs will be connected using the existing forest roads and firelines. To ensure round the year usage of the road, the existing forest roads will be upgraded to all-weather morum roads.
2. **Dudhwa Tiger Reserve (TR):** The proposed alignment of the Indo-Nepal border road (~10 Km) from Chandan Chowki BoP to Golbojhi BoP of SSB is passing through critical wildlife habitats of the Dudhwa TR. Construction of the road will disturb the sanctity of this important habitat. Alternatively, we have recommended using the existing fire line which is passing near the proposed alignment (500 m to 1.5 Km) can be upgraded to an all-weather morum road for the SSB usage throughout the year. The alternative road was visited by the joint team of WII, FD, PWD, and SSB.

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

पत्रपेटी सं० 18, चन्द्रबानी, देहरादून - 248 001, उत्तराखण्ड, भारत  
Post Box No. 18, Chandrabani, Dehradun - 248 001, Uttarakhand, INDIA  
ई.पी.ए.बी.एक्स. : +91-135-2640114, 2640115, 2646100 फ़ैक्स : 0135-2640117  
EPABX : +91-135-2640114, 2640115, 2646100 Fax: 0135-2640117  
ई-मेल / E-mail : [wii@wii.gov.in](mailto:wii@wii.gov.in) वेब / Website: [www.wii.gov.in](http://www.wii.gov.in)



(6)

263

पत्रसंख्या-1058/ , उक्तदिनांकित।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को इस कार्यालय के पूर्व प्रेषित पत्र संख्या-981/26-11 (वन्य जीव क्लीयरेन्स प्रकरण) दिन 29.09.2021 के कम में सूचनार्थ एवं इस आशय से प्रेषित कि कृपया विषयक बैठक में उपरोक्तानुसार संशोधित ति दिनांक 13.10.2021 को निर्धारित स्थल व समय पर सुसंगत अभिलेखों सहित ससमय प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

1. महानिरीक्षक, फ्रन्टियर, हेड क्वार्टर्स, सशस्त्र सीमा बल, टी0सी0-35/V-2, संकल्प भवन, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ।
2. मुख्य वन संरक्षक एवं फील्ड डायरेक्टर, दुधवा टाइगर रिजर्व, लखीमपुर-खीरी।
3. मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, पूर्वी क्षेत्र, उ0प्र0, गोण्डा।
4. वन संरक्षक/फील्ड डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, पीलीभीत।
5. मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ।
6. मुख्य वन संरक्षक/नोडल अधिकारी, उ0प्र0, लखनऊ।
7. प्रभागीय वनाधिकारी, सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग, बलरामपुर।
8. उप निदेशक, दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग, पलिया-खीरी।
9. प्रभागीय वनाधिकारी, कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग, बहराइच।
10. प्रभागीय वनाधिकारी, सोहागीबरवा वन्य जीव प्रभाग, महाराजगंज।
11. प्रभागीय वनाधिकारी, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, पीलीभीत।
12. अधीक्षण अभियन्ता, इण्डो नेपाल बार्डर वृत्त, लो0नि0वि0, गोरखपुर/बाराबंकी।

(पवन कुमार शर्मा),  
प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव,  
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



62

सलग्न - 04

बैठक दिनांक 13.10.2021

ई-मेल/महत्वपूर्ण/सर्वोच्च प्राथमिकता

कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पत्रसंख्या-1058/26-11 (इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग),

लखनऊ: दिनांक: अक्टूबर 16 2021

सेवा में,

निदेशक,

भारतीय वन्य जीव संस्थान,

18-चन्द्रबनी, देहरादून (उत्तराखण्ड)।

विषय:-

इण्डो-नेपाल बार्डर रोड परियोजना के वन्य जीव क्लियरेन्स हेतु (आनलाईन प्रस्ताव संख्या FP/UP/ROAD/120954/2021 दिनांक 17.02.2021) भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून द्वारा प्रेषित Bio-diversity Assessment, Mitigation Measures and Animal Passage Plan के सम्बन्ध में बैठक का आयोजन।

सन्दर्भ:-

निदेशक, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून का पत्रांक- WII/ESM/BP-Terai Road-20 दिनांक 01.10.2021

महोदय,

अवगत कराना है कि विषयक प्रकरण के सम्बन्ध में मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ ने अपने पत्रांक-1431/आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/13, दिनांक 28.09.2021 द्वारा आपके कार्यालय पत्रांक-WII/ESM/BP-Terai Road-20, दिनांक 10.09.2019 के माध्यम से प्रेषित Bio-diversity Assessment, Mitigation Measures and Animal Passage Plan में दिए गए सुझाओं की सशस्त्र सीमा बल की उपयोगिता के सापेक्ष प्रासंगिकता के परीक्षण हेतु भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून, सशस्त्र सीमा बल एवं लोक निर्माण विभाग, उ०प्र० लखनऊ की संयुक्त बैठक आहूत कराए जाने हेतु अनुरोध किया गया था, जिसके क्रम में इस कार्यालय के पत्रांक 981/26-11 (वन्य जीव क्लियरेन्स प्रकरण) दिनांक 29.09.2021 द्वारा दिनांक 08.10.2021 को पूर्वान्ह 11:00 बजे बैठक आहूत की गयी थी। आप द्वारा उपरोक्त विषयक संदर्भित पत्र दिनांक 01.10.2021 द्वारा विषयक बैठक में प्रतिभाग करने हेतु संस्थान द्वारा नामित श्री कमर कुरैशी, साइंटिस्ट "जी" की अनुपलब्धता की दशा में विषयक बैठक को स्थगित करते हुए दिनांक 13.10.2021 को पूर्व सूचित समय पर आहूत कराने का अनुरोध किया गया है।

उक्त अनुरोध के क्रम में अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में विषयक बैठक दिनांक 08.10.2021 को स्थान पर अब दिनांक 13.10.2021 को पूर्वान्ह 11:00 बजे 17, राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ स्थित पारिजात सभा कक्ष में आहूत की जाती है।

अतः अनुरोध है कि कृपया उक्त बैठक में सुसंगत अभिलेखों सहित प्रकरण से भिन्न अधिकारी के साथ प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

Devn  
16  
01-10

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

भवदीय,

(पवन कुमार शर्मा),

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव,  
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।



## Page from Wildlife Institute of India Report

on

## Mitigation Measures

## Indo-Nepal Border Project, UP

Table 3. List of major mitigation measures suggested across the proposed Indo-Nepal border road in Uttar Pradesh, India. The start point for the alternative routes depicting the location where the detour starts., The end point denotes the location where the altered alignment is re-joining the road.

Sl. No	TR/NP/WLS	Locality		Mitigation measures		GPS locations of recommended alterations			
		Corridor	BoP	Type	Length	Start Point	End Point		
1	Pilibhit	Lagga Bagga corridor	Nazulia	Alternative route	Use existing village roads (-37 Km)	28°49'32.05"N	80°04'2.99"E	28°42'31.44"N	80°17'45.77"E
2	Pilibhit	Lagga Bagga corridor		Flyover	0.7 Km	28°40'35.02"N	80°12'48.65"E	28°40'32.80"N	80°13'14.12"E
3	Pilibhit	Lagga Bagga corridor		Flyover	0.5 Km	28°40'32.14"N	80°13'22.22"E	28°40'30.66"N	80°13'40.79"E
4	Dudhwa	Satiyana	Ghola	Alternative route	Use existing forest & village roads (1.5 Km)	28°32'43.24"N	80°30'49.05"E	28°33'8.65"N	80°31'22.01"E
5	Dudhwa	Laljhadi corridor	Border Pillar No. 755-756	Flyover	1.2 Km	28°39'35.00"N	80°30'21.87"E	28°40'13.19"N	80°30'21.25"E
6	Dudhwa	Basanta corridor - I	Sohna	Flyover	1.4 Km	28°34'9.49"N	80°42'6.26"E	28°33'44.41"N	80°42'53.28"E
7	Dudhwa	Basanta corridor - I	Sohna	Flyover	0.5 Km	28°32'52.59"N	80°44'29.49"E	28°32'48.48"N	80°44'49.21"E
8	Dudhwa	Basanta corridor - II	Chandan Chowki	Alternative route	Use existing forest roads (-15 Km)	28°32'40.01"N	80°46'15.88"E	28°29'21.68"N	80°51'57.87"E
9	Dudhwa	Basanta corridor - II	Raghu Nagar	Flyover	0.7 Km	28°27'9.54"N	80°54'54.35"E	28°26'47.27"N	80°54'57.36"E
10	Katerniaghat	Chedia corridor	Border Pillar No. 699	Flyover	3.0 Km	28°22'51.25"N	81°01'1.10"E	28°23'50.91"N	81°2'13.58"E
11	Katerniaghat	Chedia corridor	Pillar No (old) 87 - 82	Flyover	1.8 Km	28°23'59.36"N	81°03'34.27"E	28°23'22.78"N	81°4'25.20"E
12	Katerniaghat	Girwa river		Flyover	4.4 Km	28°21'55.36"N	81°11'8.98"E	28°20'43.11"N	81°13'8.93"E
13	Katerniaghat	Khata corridor	BoP 82	Alternative route	Use existing forest & village roads (4.8 Km)	28°20'06.6"N	81°13'35.6"E	28°18'45.93"N	81°14'2.19"E
14	Suhelwa	Suhelwa-Banke	BoP Suiya to Trilokpur	Alternative route	Use existing district & village roads (-95 Km)	27°51'53.48"N	81°55'45.17"E	27°29'58.43"N	82°43'40.17"E



Fno: WII/ESM/BP-Terai Road - 20

Date: 10<sup>th</sup> September, 2021

To,

Sh. Pawan Kumar Sharma  
PCCF & CWLW  
Government of Uttar Pradesh  
Lucknow, Uttar Pradesh  
Email: cwlwup@gmail.com

Sub: Submission of report "Animal Passage Plan and mitigation measure for Indo-Nepal Border" – reg.


Ref: Chief Engineer Indo-Nepal Border, PWD, Lucknow, 1348/INB/34/INB/15 dated 04.08.2021

Sir,

As you are aware, the Wildlife Institute of India was entrusted with developing an Animal Passage plan and appropriate mitigation measures for the proposed Indo-Nepal Border Road. The report and mitigation measure plan is attached herewith.

Thanking you

Yours faithfully

  
[Dr. Dhananjai Mohan]  
Director

Encl : As above

Copy for information to:

Chief Engineer, Indo-Nepal Border, Public Works Department, Uttar Pradesh. Email: ceupindonepal@gmail.com

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



**उ०प्र० राज्य वन्य जीव परिषद (स्टेट बोर्ड फॉर वाइल्ड लाइफ) की परिचालन विधि से सम्पन्न 10वीं बैठक का कार्यवृत्त।**

एजेण्डा बिन्दु संख्या-1 इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग के सम्बन्ध में उ०प्र० राज्य वन्यजीव बोर्ड की नवीं बैठक दिनांक 04.11.2019 को लिये गए निर्णय में परिवर्तन:-

उ०प्र० राज्य वन्यजीव बोर्ड की नवीं बैठक दिनांक 04.11.2019 में इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग को एकल मार्ग निर्माण किये जाने का निर्णय लिया गया था, जिसमें परिवर्तन करते हुए सामरिक दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग के सम्बन्ध में निम्न संशोधन किया जाता है:-

“संरक्षित क्षेत्र (Protected Area) में 07 मी० चौड़ाई में सी०सी० मार्ग निर्मित कर बनाये जाने, जिसमें बेस की चौड़ाई 11.50 मी०, मार्ग के बेस की अधिकतम चौड़ाई दीर्घ सेतु अथवा लघु सेतु के पहुँच मार्ग के पास 12 मी० से 30 मी० तक तटबन्ध की ऊँचाई के अनुसार रखे जाने, सड़क निर्माण हेतु, सेतु के पहुँच मार्गों के अतिरिक्त अन्य स्थानों पर अधिकतम 08 मी० चौड़ाई में न्यूनतम वृक्षों का पातन तथा वन्य प्राणियों के स्वच्छन्द विचरण हेतु पैसेज प्लान एवं पारिस्थितिकीय तन्त्र के विघटन के फलस्वरूप पड़ने वाले ऋणात्मक प्रभावों के शमन हेतु आवश्यक उपायों के साथ इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग को एकल लेन मार्ग के स्थान पर दो लेन मार्ग किया जाना प्रस्तावित है।”

मा० बोर्ड द्वारा उक्त प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान करते हुए प्रकरण में अग्रेत्तर कार्यवाही यथाशीघ्र सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये।

एजेण्डा बिन्दु संख्या-2-मानव-वन्यजीव संघर्ष निवारण हेतु रैपिड रेस्पॉन्स टीम (RRT) एवं रेस्क्यूड वन्यजीवों को पुनः उनके प्राकृतवास में छोड़े जाने के पूर्व रखे जाने वाले रेस्क्यू सेंटर की स्थापना:-

वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा-8(d) के अन्तर्गत मानव-वन्यजीव संघर्ष अथवा वन्यजीवों के दुर्घटना में वन्यजीवों के घायल होने तथा प्राकृतवास में तत्काल न छोड़े जा सकने जैसी स्थितियों में कुशल एवं वैज्ञानिक प्रबन्धन से उचित इलाज एवं देखरेख के दृष्टिगत प्रदेश में मेरठ, पीलीभीत, महाराजगंज, चित्रकूट एवं इटावा सफारी पार्क में रैपिड रेस्पॉन्स टीम (RRT) तथा रेस्क्यू सेंटर की स्थापना हेतु राज्य सरकार को आवश्यक कार्यवाही करने के लिए सुझाव दिये जाने का प्रस्ताव है। जिससे रेस्क्यू किये गए वन्यजीवों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचारोंपरान्त उपर्युक्तानुसार उन्हें उनके प्राकृतवास में छोड़े जाने की कार्यवाही सम्भव हो सके।

मा० बोर्ड द्वारा उक्त प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान करते हुए प्रकरण में अग्रेत्तर कार्यवाही यथाशीघ्र सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये।

सधन्यवाद”



प्रेषक,

डॉ० दीपक कोहली,

संयुक्त सचिव,

उ०प्र० शासन।

सेवा में,

प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव/

सदस्य सचिव,

राज्य वन्यजीव परिषद उ०प्र०।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन अनुभाग-4

लखनऊ, दिनांक 30 सितम्बर, 2020

विषय- उ०प्र० राज्य वन्यजीव परिषद (स्टेट बोर्ड फॉर वाइल्ड लाइफ) की परिचालन विधि से सम्पन्न 10वीं बैठक के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में अवगत ही हैं कि मा० मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में उ०प्र० राज्य वन्यजीव परिषद (स्टेट बोर्ड फॉर वाइल्ड लाइफ) की परिचालन विधि से 10वीं बैठक सम्पन्न हुई है।

2-- उक्त बैठक के अनुमोदित कार्यवृत्त को संलग्न कर प्रेषित करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि संलग्न अनुमोदित कार्यवृत्त अपने स्तर से निर्गत करते हुए उ०प्र० राज्य वन्यजीव परिषद (स्टेट बोर्ड फॉर वाइल्ड लाइफ) के समस्त सदस्यगण को तत्काल उपलब्ध करा कर परिषद की 10वीं बैठक में दिये गये निर्देशों/लिये गये निर्णयों के सम्बन्ध में यथावश्यक अग्रोत्तर कार्यवाही/अनुपालन अविलम्ब सुनिश्चित कराने का कष्ट करें।

संलग्नक-यथोक्त

भवदीय

*Dr. D. K. Kohli*

(डॉ० दीपक कोहली)

संयुक्त सचिव

*Dr. C. W. M.*

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



(67)

संलग्न - ०१

269

No.11012/5/2012-BM-V(Pt)  
Government of India  
Ministry of Home Affairs

2<sup>nd</sup> Floor, Major Dhyan Chand National Stadium,  
New Delhi, dated 21<sup>st</sup> August, 2020.

To

Shri Nitin Ramesh Gokharn,  
Principal Secretary,  
Public Works Department,  
Government of Uttar Pradesh,  
Nirman Bhawan, M.G. Road,  
Lucknow.

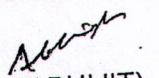
**Sub: New alignment prepared by UP PWD for stretches passing through forest/wildlife areas in Indo-Nepal Border Road Project in UP – Reg.**

Sir,

I am directed to refer to your letter No.519/23-12-2020-2(Indo-Nepal)/11TC-I dated 22<sup>nd</sup> July, 2020 on the subject mentioned above.

2. In this regard it is stated that as per CCS approval dated 23/11/2010, the proposed Indo-Nepal Border Roads are to be constructed with technical specifications of two-lane State Highway roads.
3. Now, UP PWD has prepared new alignment of roads passing through forest/wildlife area in consultation with SSB with specifications of 7 meter width (two lane) and sought approval of this Ministry for preparation of DPR. SSB has also conveyed their agreement for the new alignment as it serves their purpose.
4. In view of above, UP PWD may go ahead with preparation of DPRs for the new alignment passing through forest/wildlife area with 7 meter width (two lane) specification as submitted by them and submit the DPR at the earliest for appraisal/approval of competent authority.
5. It is also requested that MoU for the project may please be finalized/signed now and sent to this Ministry for approval of Competent Authority.

Yours faithfully,

  
(ABHIJIT)

Under Secretary to the Govt. of India  
Tel.No. 2307 5319

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



(68) 241

**कार्यालय मुख्य अभियन्ता  
इण्डो-नेपाल बार्डर  
लोक निर्माण विभाग, लखनऊ**

पत्रांक : 1496 आई0एन0बी0/34आई0एन0बी0/2013

दिनांक : 23.11.2021

सेवा में,

प्रमुख सचिव  
लो0नि0 अनुभाग-12,  
उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।

**विषय :** वन क्षेत्र से आच्छादित भाग में भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून की आख्या के आधार पर संरेखण परिवर्तन के संबंध में।

**संदर्भ :** भारत सरकार का पत्रांक 11012/5/2012-BM-V(Pt) दिनांक 21.08.2020।

महोदय,

सशस्त्र सीमा बल तथा वन विभाग की सहमति के उपरान्त इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग निर्माण परियोजना का संरेखण अनुमोदनार्थ गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली द्वारा को प्रेषित किया गया था। उपरोक्त संदर्भित पत्र (संलग्नक-1) के माध्यम से संरेखण पर गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया। राज्य वन्य जीव बोर्ड की सम्पन्न 10वीं बैठक में वन्य प्राणी स्वच्छन्द विचरण हेतु पैसेज प्लान एवं पारिस्थितिकी तंत्र के विघटन के फलस्वरूप पड़ने वाले ऋणात्मक प्रभावों के शमन हेतु आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिये गये। तत्क्रम में संरेखण पर पड़ने वाले वन्य जीव क्षेत्र में वन्य जीवों के लिये मिटिगेशन मेजर एवं एनिमल पैसेज प्लान प्राप्त करने हेतु भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून को संदर्भित करने का निर्णय लिया गया (संलग्नक-2)। तत्क्रम में स्वीकृत संरेखण का विवरण देते हुये मिटिगेशन मेजर एवं एनिमल पैसेज प्लान प्रस्तावित करने हेतु भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून को प्रकरण संदर्भित किया गया।

भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून द्वारा पत्रांक WII/ESM/BP-Terai Road-20 दिनांक 10.09.2021 द्वारा मिटिगेशन मेजर एवं एनिमल पैसेज की आख्या उपलब्ध करायी गयी। आख्या में लगभग 140 कि0मी0 लंबाई में संरेखण परिवर्तन करने का सुझाव दिया गया। सुझाये गये मुख्य बिन्दु संलग्न है (संलग्नक-3)। सशस्त्र सीमा बल की आवश्यकता के सापेक्ष उक्त संरेखण परिवर्तन के उपरान्त मार्ग की उपयोगिता पर विचार-विमर्श हेतु दिनांक 13.10.2021 को पी0सी0सी0एफ0 की अध्यक्षता में सशस्त्र सीमा बल, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गयी। बैठक में परिवर्तित संरेखण पर मार्ग निर्माण को उपयोगी न पाते हुये भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून से पुनः अनुरोध किया गया कि पूर्व स्वीकृत संरेखण पर ही मिटिगेशन मेजर एवं एनिमल पैसेज प्लान प्रस्तावित करने का कष्ट करें (संलग्नक-4)। इस हेतु सशस्त्र सीमा बल, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून, वन विभाग तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा पुनः स्थल भ्रमण करने का निर्णय लिया गया। तत्क्रम में दिनांक 08-12 नवम्बर, 2021 के मध्य स्थल भ्रमण सम्पन्न किया गया।

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



(69)

संयुक्त स्थल भ्रमण के उपरान्त भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून के पत्रांक WII/ESM/BP-Terai Road-20 दिनांक 16.11.2021 (संलग्नक-5) द्वारा आख्या उपलब्ध करायी गयी है, परन्तु संस्थान द्वारा पूर्व प्रेषित आख्या में किसी परिवर्तन से असहमति व्यक्त की गयी है।

भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून द्वारा सुझाये गये संरक्षण परिवर्तन की सशस्त्र सीमा बल की आवश्यकता के सापेक्ष उपयोगिता, तथा, वन विभाग द्वारा वन सम्बन्धी अनापत्तियों की स्थिति पर विचार-विमर्श करने हेतु अपर मुख्य सचिव (पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग) तथा महानिरीक्षक (सशस्त्र सीमा बल) के साथ बैठक आयोजित की जानी अति आवश्यक है।

आपसे अनुरोध है कि कृपया बैठक आयोजित करने पर विचार करना चाहें।

संलग्नक-उपरोक्तानुसार।

*Key*  
23.11  
(अजय कुमार गंगवार)  
मुख्य अभियन्ता

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं अग्रेतर कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. प्रमुख अभियन्ता (ग्रामीण सड़क), उ०प्र०, लो०नि०वि०, लखनऊ।
2. प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष, वन विभाग, राणा प्रताप मार्ग, नरही, लखनऊ।
3. अवर सचिव, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, सीमा प्रबन्धन विभाग, द्वितीय तल, मेजर ध्यान चन्द्र राष्ट्रीय स्टेडियम, नई दिल्ली।
4. महानिरीक्षक, फ्रन्टियर, हेड क्वार्टर्स, सशस्त्र सीमा बल, टी०सी०-35/V-2, संकल्प भवन, विभूति खंड, गोमतीनगर, लखनऊ।
5. निदेशक, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून।
6. नोडल अधिकारी/सी०सी०एफ०, वन संरक्षक, अरण्य भवन, लखनऊ।
7. अधीक्षण अभियन्ता, इ०ने०बा० वृत्त, लो०नि०वि०, गोरखपुर/बाराबंकी।

*Key*  
23.11  
मुख्य अभियन्ता  
O/C

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



70 242

बैठक दिनांक 29.11.2021 अपरान्ह 04.30 बजे  
संख्या-953/23-12-2021-2(इण्डो-नेपाल)/11टीसी-1

प्रेषक:

अभय कुमार,  
संयुक्त सचिव,  
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

- (1) प्रमुख सचिव,  
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग,  
उ0प्र0 शासन
- (2) प्रमुख अभियंता(ग्रामीण सड़क)  
लोक निर्माण विभाग, लखनऊ।
- (3) प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष,  
वन विभाग, राणाप्रताप मार्ग, नरही,  
लखनऊ-226001
- (4) निदेशक, भारतीय वन्य जीव  
संस्थान, 18-चन्द्रबनी, देहरादून  
(उत्तराखण्ड)।
- (5) मुख्य अभियन्ता, इण्डो-नेपाल बार्डर,  
लोक निर्माण विभाग, लखनऊ।
- (6) नोडल अधिकारी/सी0सी0एफ0,  
वन संरक्षक, अरण्य भवन,  
नरही, लखनऊ-226001
- (7) महानिदेशक, सशस्त्र सीमा बल,  
सीमांत मुख्यालय, विभूति खण्ड,  
गोमती नगर, लखनऊ।

**लोक निर्माण अनुभाग-12**

लखनऊ, दिनांक 25 नवम्बर, 2021

विषय- इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग परियोजना में वन एवं वन्य जीव से अनापत्ति विषयक।  
महोदय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि इण्डो-नेपाल बार्डर मार्ग परियोजना में वन क्षेत्र से आच्छादित भाग में भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून की आख्या के आधार पर संरक्षण परिवर्तन के संबंध में दिये गये परामर्श के संबंध में विचार-विमर्श किये जाने हेतु प्रमुख सचिव, लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 शासन की अध्यक्षता में दिनांक 29.11.2021 को अपरान्ह 04.30 बजे नवीन भवन भूतल स्थित उनके सभाकक्ष सं0-2 में बैठक आहूत की गयी है।

कृपया प्रकरण से भिन्न एवं वरिष्ठ अधिकारियों को सुसंगत सूचनाओं सहित उक्त बैठक में निर्धारित तिथि व समय पर प्रतिभाग करने हेतु निर्देशित करने का कष्ट करें।

संलग्नक- यथोक्त। - इ-मेन दे डेष्ति

भवदीय,

25-11-2021  
(अभय कुमार)  
संयुक्त सचिव।

सं0-953(1)/23-12-2021 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, प्रमुख सचिव/सचिव/विशेष सचिव, उ0प्र0 शासन।
2. पास आफिस, नवीन भवन को इस आशय से प्रेषित कि कृपया उक्त बैठक में प्रतिभाग करने वाले अधिकारियों का उक्त दिवस का प्रवेश पत्र निर्गत करने का कष्ट करें।

आज्ञा से,

(अभय कुमार)  
संयुक्त सचिव।

Dr. Anurag Aneshi

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



71

Annex-II

# *Mitigation Measures*

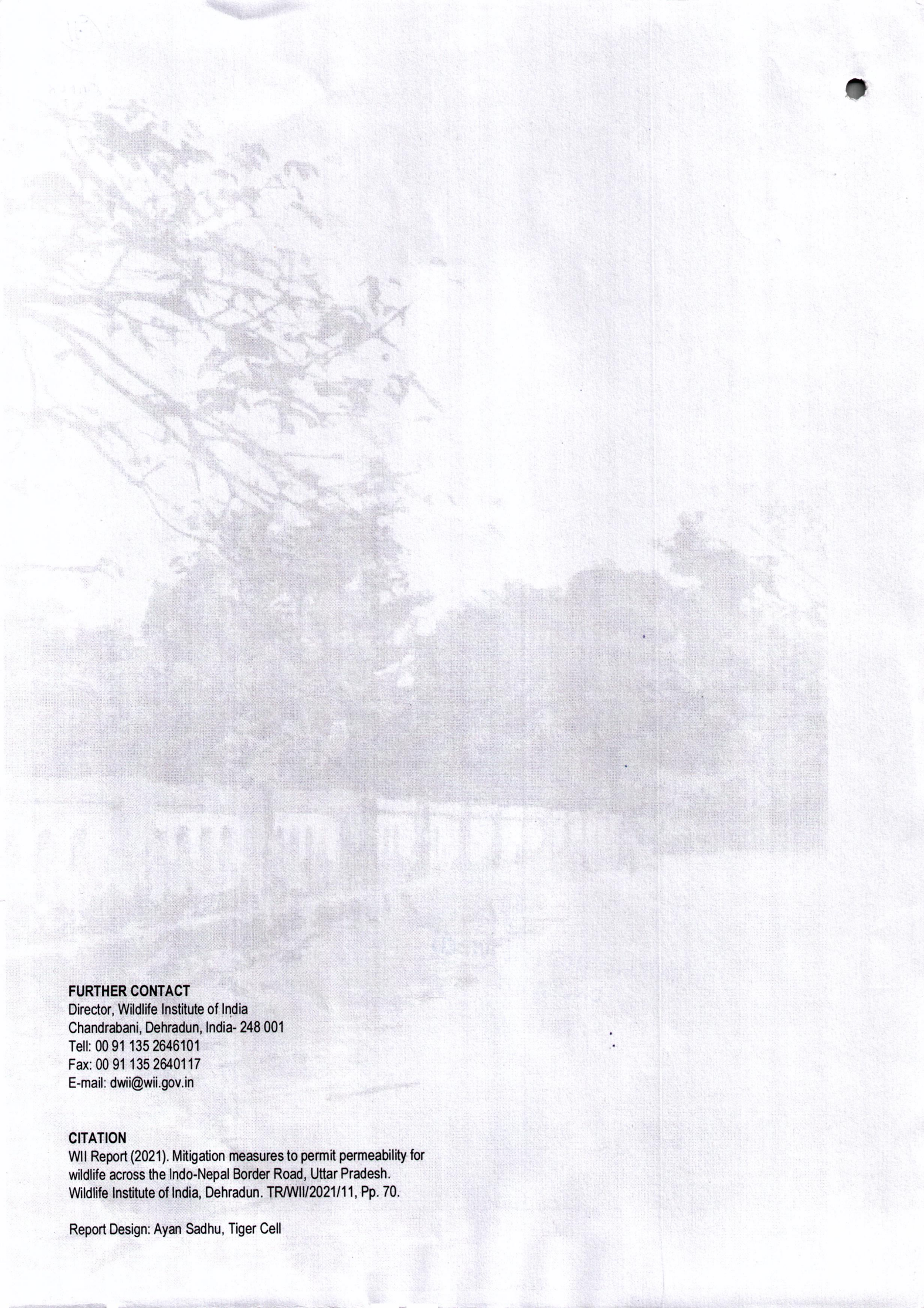
TO PERMIT PERMEABILITY FOR WILDLIFE ACROSS

## **INDO-NEPAL BORDER ROAD**

UTTAR PRADESH, INDIA

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI





#### **FURTHER CONTACT**

Director, Wildlife Institute of India  
Chandrabani, Dehradun, India- 248 001  
Tell: 00 91 135 2646101  
Fax: 00 91 135 2640117  
E-mail: [dwii@wii.gov.in](mailto:dwii@wii.gov.in)

#### **CITATION**

WII Report (2021). Mitigation measures to permit permeability for  
wildlife across the Indo-Nepal Border Road, Uttar Pradesh.  
Wildlife Institute of India, Dehradun. TR/WII/2021/11, Pp. 70.

Report Design: Ayan Sadhu, Tiger Cell



Report on

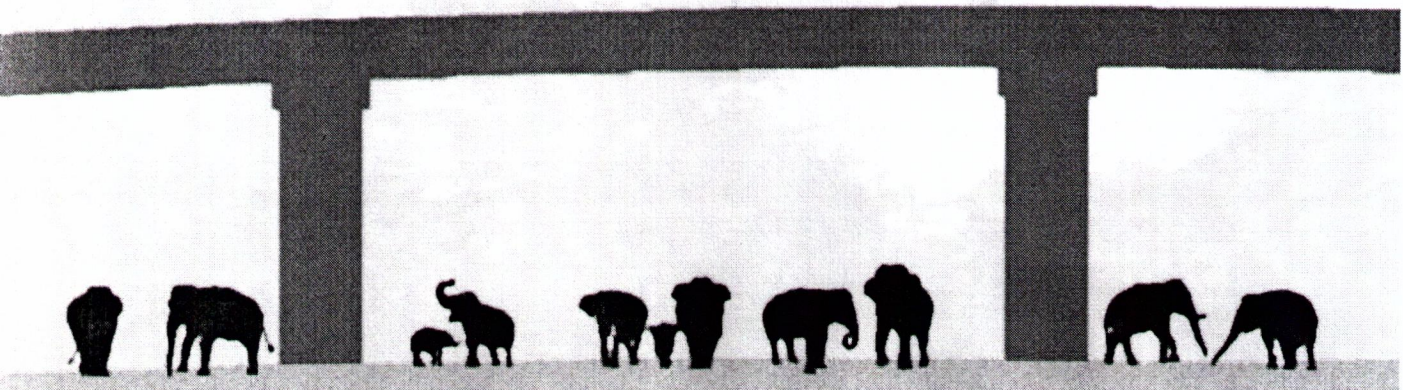
• *Mitigation Measures* •

To permit permeability for wildlife across the

# Indo-Nepal Border Road

Uttar Pradesh, India

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI





## SCIENTIFIC AND TECHNICAL TEAM

### WILDLIFE INSTITUTE OF INDIA

#### PROJECT ADVISORS

Dr. Dhananjai Mohan, I.F.S.,  
Director  
Dr. Y.V. Jhala, Scientist G  
Dean

#### PROJECT COORDINATOR

Prof. Qamar Qureshi, Scientist G  
Senior Faculty

#### PROJECT ASSOCIATE

Ayan Sadhu

#### RESEARCHERS

Kainat Latafat, Senior Researcher  
Mohit Kumar Patra, Research Biologist  
Riddhi Sondagar, Research Biologist  
Yuyutshu Bhattacharya, Research Biologist  
Adarsh Kulkarni, Research Biologist  
Dhruv Jain, Research Intern  
Genie Murao, Research Intern  
Pankaj Ojha, Research Intern

Dev Vrat, Research Intern  
Pooja Choudhary, Research Intern  
Pooja Pant, Research Intern  
Rajrajeshwar, Research Intern  
Rameshwar Ghade, Research Intern  
Sumit Saha, Research Intern  
Abhishek Petwal, Research Intern  
Shaikh Obair A. Ahmed, Research Intern

#### Collaborator

##### WWF India

Mudit Gupta  
Dabeer Hasan  
Ashish Bista  
Naresh Lodhi

Pranav Chanchani  
Anil Kumar Singh  
Dipankar Ghose

## ACKNOWLEDGEMENTS

We are thankful to Dr. Sunil Pandey, Chief Wildlife Warden, Uttar Pradesh, Sh. Pawan Kumar Sharma, Chief Wildlife Warden, Uttar Pradesh, Dr. Sanjay Pathak, CCF and Director, Dudhwa Tiger Reserve, Dr. Sujoy Banerjee, CCF and Director, Suhelwa Wildlife Sanctuary for all required permissions and extending necessary support during our field survey. We acknowledge the support from the DFOs, Rangers, and the field staff of Pilibhit Tiger Reserve, Dudhwa National Park and adjoining wildlife divisions, Katarniaghat Wildlife Sanctuary, Suhelwa Wildlife Sanctuary during the field survey. We are thankful to our field assistants and drivers for their contribution during the field survey. We would like to thank the SSB officials and their team for supporting us during the entire field work. We are thankful to Dr Vishnupriya Kolipakam, Dr. Kausik Banerjee, Dr. Shikha Bisht, Dr. Swati Saini, and Dr. Ujjwal Kumar for their support and contribution.



# Content

Executive summary	i
Introduction	1
Background of the project	4
Objectives	4
Ecological significance of TAL	5
Field-Survey	11
Camera trapping	12
Sign survey	13
Site assessment	
Pilibhit Tiger Reserve	15
Dudhwa National Park	21
Katemiaghat Wildlife Sanctuary	29
Suhelwa Wildlife Sanctuary	37
Mitigation measures	43
Site Specific Mitigation Measures	
- Pilibhit Tiger Reserve	45
- Dudhwa National Park	47
- Katemiaghat Wildlife Sanctuary	52
- Suhelwa Wildlife Sanctuary	55
General mitigation measures	57
Tunnelling effect	59
References	61
Photographs of Field Survey	65
Camera Trap Photographs	67





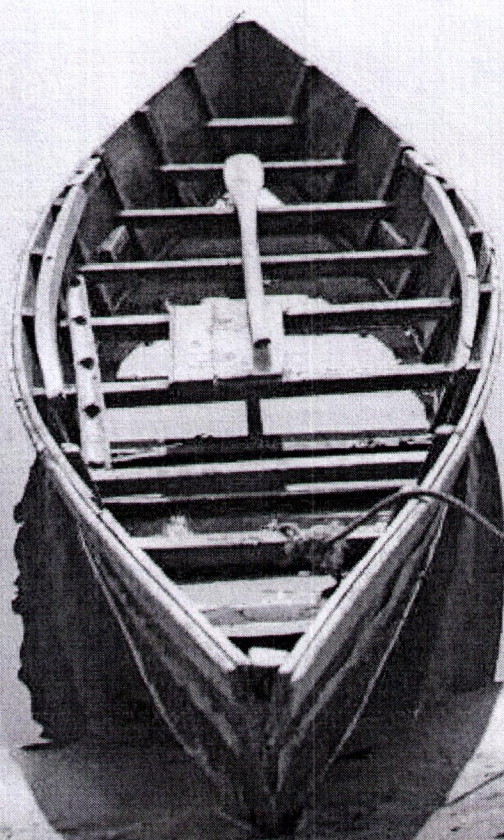


©Mohi

SE

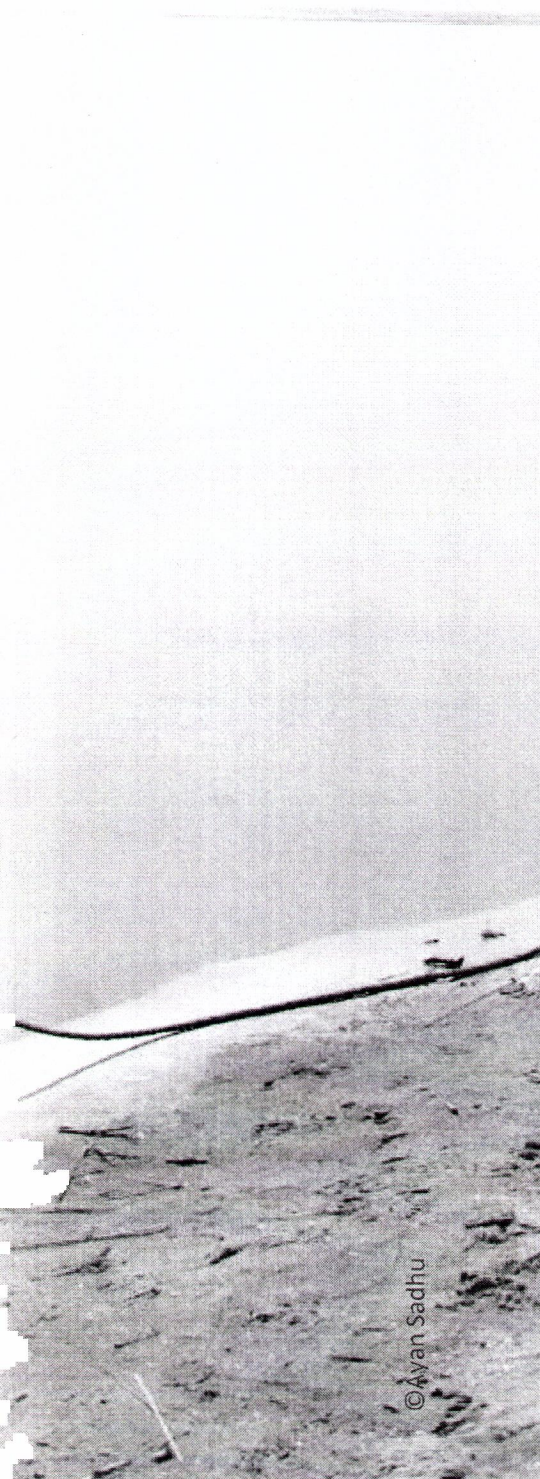


# Executive Summary





The Indo-Nepal Border Road was proposed to connect the Border Outposts (BoP) of Sashastra Seema Bal (SSB) along the India Nepal border. The proposed road alignment in Uttar Pradesh is passing through Pilibhit, Lakhimpur, Bahraich, Sravasti, Balrampur, Siddharth Nagar, Maharajganj districts (-600 km in length). This road will also be traversing through the prime wildlife habitats of Terai Arc Landscape (TAL), an important conservation area for tigers, elephants, rhinos, and many other species. The Wildlife Institute of India (WII) was assigned to prepare mitigation measures for the proposed Indo-Nepal Border Road in Uttar Pradesh by the Chief Engineer, Public Works Department, Uttar Pradesh vide Letter no. 7231.N.B./341.N.B/15 dated 13.03.2020; Letter no. 7641.N.B./341./15 dated 28.05.2020. The Chief Secretary, Government of Uttar Pradesh subsequently vide Letter No. 431/23-12-2020-02(Indo-Nepal)/IITC dated 12.06.2020 had requested WII to provide mitigation measures on the proposed border road. The aforementioned request has been endorsed by the PCCF-Wildlife and Chief Wildlife Warden, Uttar Pradesh vide Letter No. 2648/26-II dated 19.03.2020. In this context, the project aims to avoid and minimize the adverse impacts of the proposed Indo-Nepal border road. This was done through site-specific mitigation measures (inclusive of re-alignment and animal passageways) that will allow permeability for wildlife movement across the road and reduce road-induced mortality. The project also aimed to establish an ecological baseline (generate information on species richness, distribution, and abundance) of the project area. A pilot survey was conducted in December '20 – January '21 along the proposed alignment. An extensive literature survey was done to collate information on species distribution, corridors connectivity, and threats. These were aimed to find out crucial areas in terms of conservation values to conduct the field survey. The extensive field survey was carried out from February to August '21 (due to the COVID-19 pandemic and countrywide lockdown, the fieldwork was interrupted in between). Camera trapping and foot surveys were conducted to record present animal distribution in the area of interest. To understand the species distribution pattern in recent years (2015-2020), we have used the long-term camera trapping information of WWF-India and All India Tiger Estimation survey (Jhala et al. 2020). We have



©Avan Sadhu



used the camera trap information of the 5 km buffer of the current alignment (on the Indian side). A final visit was made by the Project Advisor, Principal Investigator and team to visit the important sites and to assess the proposed mitigation measures.

The field survey recorded the presence of species of conservation concern, i.e., tiger (*Panthera tigris*), elephant (*Elephas maximus*), rhinoceros (*Rhinoceros unicornis*), leopard (*Panthera pardus*), sloth bear (*Melursus ursinus*) and barasingha (*Rucervus duvaucelii duvaucelii*) (Table 2). Data on transboundary movement of tiger, rhinoceros and other priority species was also documented from literature and/or radio telemetry data (NTNC, Nepal). We recorded first photographic evidence of tigers from the Suhelwa wildlife sanctuary. Our results depicted the biodiversity value of the TAL and highlighted the importance of landscape connectivity for the recovery of endangered species.

Roads result in fragmentation of continuous wildlife habitat and promote human disturbance to penetrate deep inside the wilderness areas. These are most detrimental to biodiversity values. The proposed Indo-Nepal Border road will lead to large scale habitat fragmentation and will permanently block the natural movement of wildlife species across the landscape, thus affect the population viability. Parts of the road will be passing through crucial wildlife corridors of Terai Arc Landscape. These corridors are heavily used by wild animals (especially tigers, elephants, and rhinos) despite their fragmented and/or degraded state. However, further disturbance in these corridors may cause irreversible damage to them and hinder animal dispersal between PAs in the landscape. It is most appropriate to avoid any linear infrastructure development in this biodiversity hotspot area. However, if unavoidable, the following mitigation measures need to be strictly followed keeping in mind the security of the Nation and its biodiversity:

#### A) Site Specific Mitigation Measures:

1. **Pilibhit Tiger Reserve:** The Lagga Bagga region of Pilibhit harbours rich biodiversity of endangered and threatened wildlife. However, this patch is surrounded by human settlements towards Indian side, thus entirely dependent on the Shuklaphanta National Park of Nepal (the source population). The proposed alignment will be passing through the Lagga-Bagga area, which will cut this region from the source, separating this small forest patch which will not be able to harbour the present biodiversity for long. This fragile ecosystem cannot withstand the disturbance caused during the construction of mitigation measures. The proposed alignment be altered from Nazulia BoP, use the existing roads on the southern bank of Sharda river and join the existing Border Road near Tila No. 4. The proposed alignment length between Nazulia to Lagga Bagga-II BoP will be operated using the existing forest roads/trails. The existing roads can be upgraded to all-weather morum road, if morum road will not suffice the needs, the construction agency will use appropriate technology to ensure paved path (at ground level) will be made flushed to surface as not to modify the flooding pattern in the area. These minor alterations will not hinder the project's objective as all the BoPs will be connected as well as safeguard the biodiversity value of this area.



**2. Dudhwa National Park:** The camera trap data depicted the high intensity of animal use in the part of the forest wherein the proposed alignment is passing through, especially in Satiyana, Laljhadi-Goriphanta, Masankhambh, Bela Parswa. Mitigation measures are proposed based on animal use and movements. These areas are also depicted as essential areas for conservation in published literature and scientific reports (Ghose et al. 2014): use of the existing forest roads (may be converted into paved path at ground level) near Satiyana (Ghola BoP), animals underpass near Laljhadi-Goriphanta corridor, Masankhambh, Mangal Purva, and Raghu Nagar (Basanta corridor). Once the proposed Indo-Nepal Border road is operational, portion of State Highway 90 passing through the heart of Dudhwa NP (connecting Palia and Goriphanta) should be made permanently closed and the tarmac top should be dismantled (the portion inside the forests). The proposed road alignment between Chandan Chowki BoP and Golbojhi BoP should use the existing forest roads (which may be converted into paved path at ground level). All the mitigation measures were discussed with the SSB officials during the field visit of the Project Advisors, and team; SSB officials agreed to these proposed mitigation measures as they are not compromising the security point of view.

**3. Katarniaghat Wildlife Sanctuary:** The camera trap and associated data (radio telemetry, foot surveys, and literature) highlighted two critical links in the Katarniaghat wildlife sanctuary. The proposed alignment is passing through – the Chhedia and Khata corridors. Therefore, we have proposed mitigation measures to safeguard these vital links. The proposed bridge over river Kaudiala needs to be extended for the entire stretch of the river (including riverine grasslands) to protect the Chhedia corridor; a flyover near Kaudiala Ghat BoP should be constructed to secure the Chhedia corridor. The bridge over river Girwa should be extended up to Border Pillar No. 82 (old pillar no.) to safeguard the Khata corridor. The proposed road alignment between BoP 82 to BoP 79 (2.6 km in length) should take a detour and use the existing forest roads (inside the forest) and village roads (outside the forests), and join the proposed alignment near BoP 82. By considering this slight alteration, the crucial Khata corridor will remain functional.

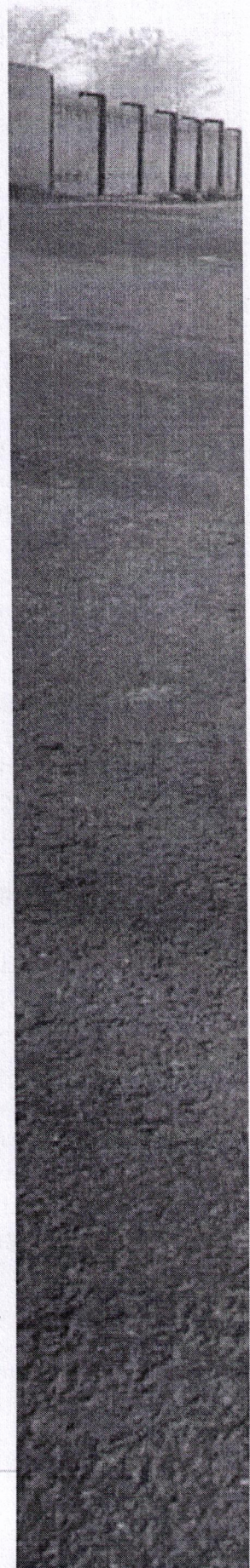
**4. Suhelwa Wildlife Sanctuary:** The camera trapping and sign survey exercise in Suhelwa revealed the presence of tigers (first photographic captures), elephants, sloth bears, leopards, and species of conservation concern. However, Suhelwa WLS is a linear patch of forest (PA width ranges from 2-8 km) surrounded by human habitation in the Indian side (southern part). The continuous forest patch of Banke NP (Nepal) is the source population for Suhelwa WLS. Suhelwa, in isolation, cannot harbour viable populations of these large-ranging species. Considering this, we have prescribed an alteration in the present alignment from Suiya BoP. The altered road should use the existing state highway/district roads on the southern boundary of Suhelwa WLS and join the existing border road near BoP Trilokpur. The Border Outposts inside Suhelwa WLS will be connected through the existing approach roads and firelines. However, these approach roads may be converted to all-weather morrum roads wherever necessary.



### B) General Mitigation Measures:

1. All the animal underpasses should have light and sound barriers, and the floor of the underpasses will be maintained as natural as its surrounding habitat.
2. To facilitate elephant movement in the landscape, all the underpasses will have a minimum span of 50 m with a height of minimum 8-10 m\*. Similar animal underpasses of at least of 50m length and minimum of 8-10m height, should be constructed over the rivulets, nallas, and natural depressions present in the PAs, and their Eco Sensitive Zones (underpasses which are not mentioned in site specific mitigation measures). In the absence of ESZ, 10km buffer of the PA will be considered as ESZ according to the order of Hon'ble Supreme Court.
3. Existing drainage culverts should be modified during the construction for using them as animal passage structures (Hume pipe: 2 m × 2 m, Culvert: 5 m × 5 m). The floor of the culverts should be layered with soil/sand/gravels (as per the surrounding substrata).
4. No existing drainage should be blocked due to the construction of the road.
5. The proposed road inside the PAs should be used mainly for National defense, patrolling by the Forest Department, and by the local communities inhabiting the PAs.
6. No commercial activities/establishments should be permitted along the road side and active vigil should be maintained to prevent such activities in the future.
7. Night time (6pm to 6am) ban on all traffic (except SSB, Forest Departments, and local communities in case of emergency) needs to be implemented in order to prevent disturbances during the peak wildlife activity time.
8. No construction materials should be collected from the forests and the debris should be deposited outside the forest area in an environmentally sustainable manner.
9. No construction work and stay of construction labours should be permitted at night (6pm to 6am) inside the forest land.
10. Chief Wildlife Warden, Government of Uttar Pradesh should constitute a monitoring committee comprising representatives of Forest Department, SSB, PWD, and WII to oversee that the project and its implementation in strict adherence to the prescribed mitigation measures.

\* We have proposed the minimum height of underpasses as 8-10m to facilitate elephant movement across the landscape. Height of the underpasses generally determined by openness index of the underpass (considering height, width & length of underpass, details in 'Tunnelling Effect' section) as well as the behaviour of animal in focus. As per the WII suggestions (2016), in elephant landscapes, the height of the underpass should be 8-10m. In case of narrow width roads, underpasses of 50m length with 6-8 m height may be suggested. However, the optimum height should be 3 times that of the tallest animal. In case of elephants (average height 3m), 8-10m is suggested as optimum (WII Report 2016).

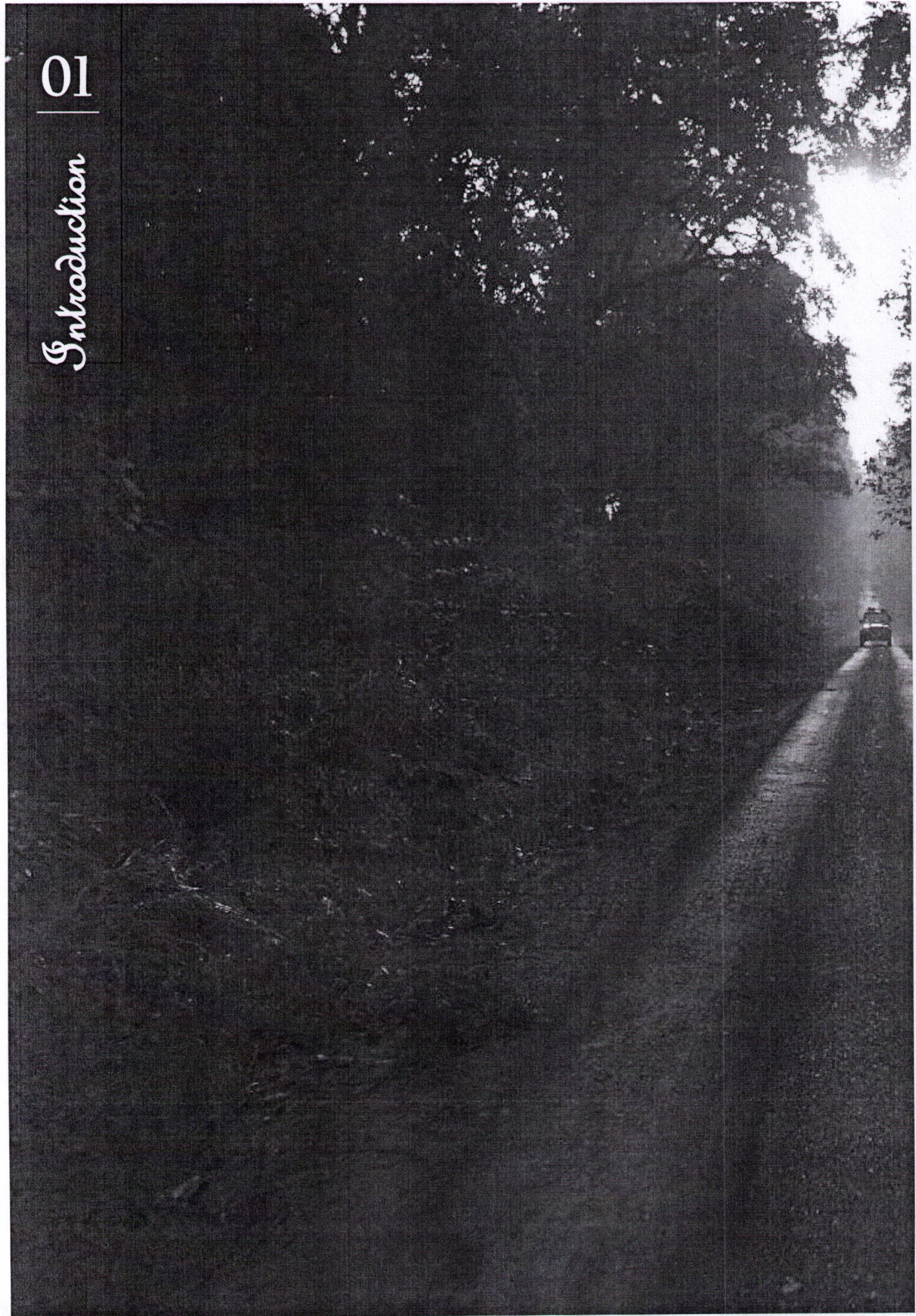




**SPEED THRILLS  
BUT KILLS**





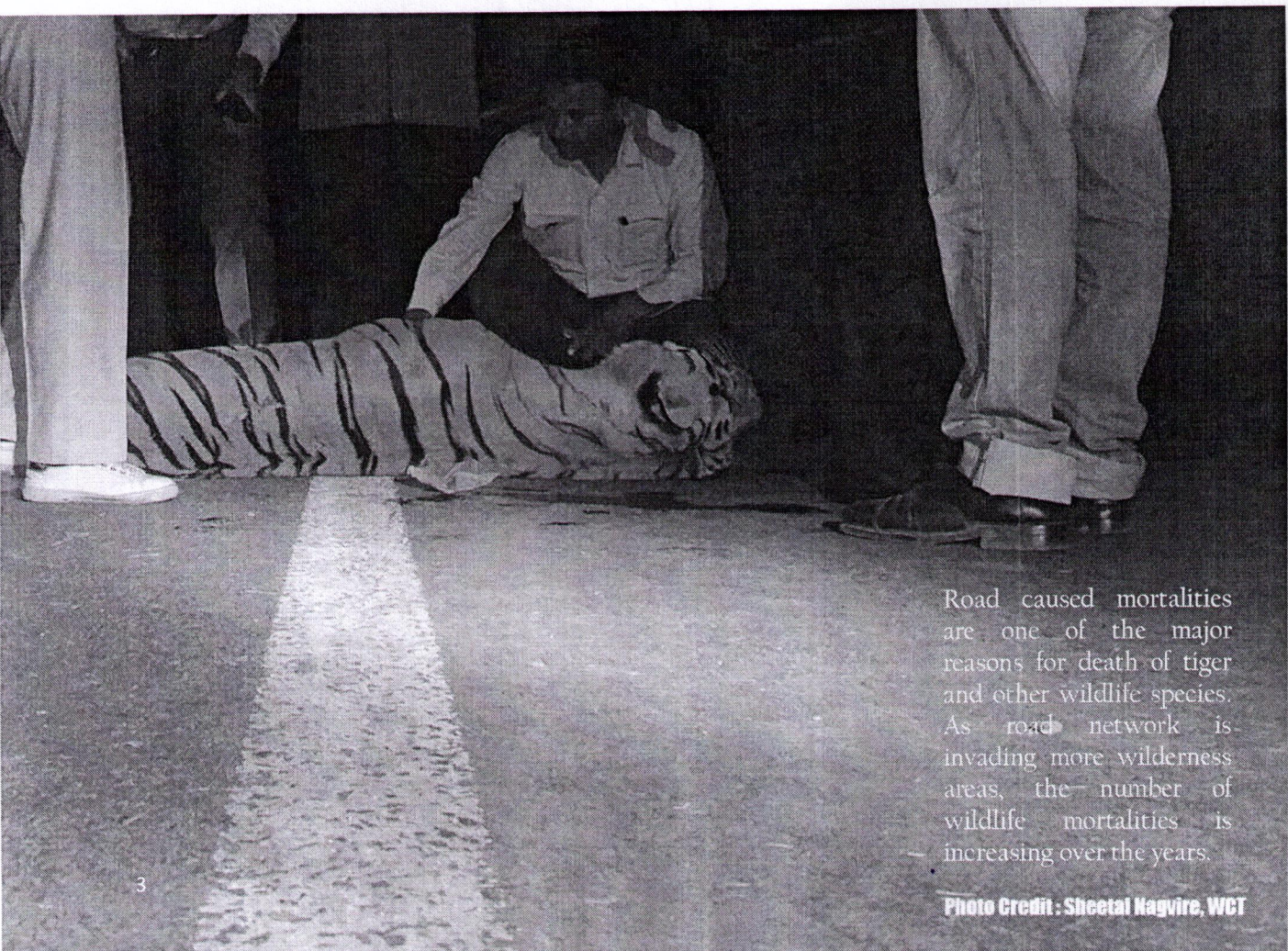




Linear infrastructure, roads in particular, is considered pivotal in shaping the pace, structure and pattern of development of a country. India has the second largest road network in the world, spanning about 6220 thousand km (Ministry of Road Transport and Highways, 2021). Although roads are important for the economic development and human welfare of the country, it can have negative impacts on the biodiversity at both site and landscape level. Roads in the wildlife habitats lead to fragmentation, increase access of human to remote areas, facilitate growth of human settlements, which at times might not be for *bonafide* use by local communities. Degradation of wildlife habitat due to road construction act as a conduit for weed invasion (van der Ree *et. al.*, 2015). There could be a consequent reduction in the overall carrying capacity of the landscape to sustain wildlife (WII, 2016). Moreover, the vehicular traffic on the road create disturbances to wildlife by light and sound pollution. Road caused mortality of animals and increased illegal activities (i.e., poaching, illegal resource extraction) in the wildlife areas are one of the major nuisances created by the roads (WII, 2016). The negative impacts of roads can affect the wildlife communities inhabiting several kilometres away (Van der Ree *et. al.*, 2015). In fragmented habitats, long-ranging animals like tigers and elephants use the corridors to move between habitat patches. Road construction in such habitats hinder animal movements between adjoining populations, thus populations become isolated. Therefore, road act as barrier to wildlife movements and reduce gene flow between wild populations (Yumnam *et al.* 2014). These can be detrimental for the long-term survival of species of conservation interests. Therefore, there is an urgent need to consider the biodiversity values of an area while designing development projects by integrating wildlife friendly mitigation measures.



One way to achieve this is to strategize mitigation measures and apply them in the planning stages of developmental activities. Since roads have impacts across multiple habitats, species ranges and watersheds, remedial measures must address impacts at the landscape level, considering the need to maintain corridors and networks of natural habitats (WII, 2016). Ideally, instead of crossing through forests, strategic routing of new roads from less ecologically significant or human-inhabited areas can avoid habitat fragmentation, such road alignment also help in benefiting the local communities. However, if avoidance is not possible, various structurally engineered “green infrastructure” (fencing, installation of wildlife detection systems, animal-friendly culverts and underpasses, elevated roads etc.) and regulatory mitigation practices (speed restrictions, temporary road closures, caution signs, regular patrolling etc.) can help minimize the negative impacts of roads on wildlife. Implementation of appropriate mitigation measures can significantly reduce animal mortality (road kills), and also help in retaining habitat connectivity in the landscape and safeguarding the persistence of wildlife in long-term (Rytwinski *et. al.*, 2016). Therefore, it is necessary to better communicate the importance and benefit of road mitigation measures to all the stakeholders (Van der Grift *et. al.*, 2012). It is only then that regular monitoring and evaluation of the effectiveness of the measures could be incorporated for the long term success of mitigation strategies.



Road caused mortalities are one of the major reasons for death of tiger and other wildlife species. As road network is invading more wilderness areas, the number of wildlife mortalities is increasing over the years.

Photo Credit: Sheetal Hagvire, WCT



### *Background of the project*

The Indo-Nepal border road (hereafter INBR) was proposed to connect all the Border Outposts (BOP) of the paramilitary force Sashastra Seema Bal (SSB) along the Indo-Nepal border between India and Nepal. The INBR alignment (~600 Km) traverses through the Pilibhit, Lakhimpur, Bahraich, Sravasti, Balrampur, Siddharth Nagar, Maharajganj districts of Uttar Pradesh. The road will threaten the integrity of the Terai Arc Landscape (TAL), an important conservation area for tiger, elephant, rhino, and many other species (Fig. 1). Wildlife Institute of India has been assigned the task of proposing mitigation measures for the proposed Indo-Nepal Border Road in Uttar Pradesh by the Chief Engineer, Public Works Department, Uttar Pradesh vide Letter no. 7231.N.B./341.N.B/15 dated 13.03.2020; Letter no. 7641.N.B./341/15 dated 28.05.2020. The Chief Secretary, Government of Uttar Pradesh subsequently vide Letter No. 431/23-12-2020-02(Indo-Nepal)/IITC dated 12.06.2020 requested WII to provide mitigation measures on the proposed border road in view of the Wildlife Institute of India's relevant expertise in this area of research. The aforementioned request has been endorsed by the PCCF-Wildlife and Chief Wildlife Warden, Uttar Pradesh vide Letter No. 2648/26-11 dated 19.03.2020. In this context, the project aims to avoid, minimize and remedy the adverse impacts of the proposed Indo-Nepal Border Road in Uttar Pradesh on biodiversity values of the protected areas and reserve forests through a hierarchy of mitigation measures. This was done through site-specific mitigation measures that will allow permeability for wildlife movement across the road as well as reduce road-induced mortality.

### *Objectives of the project*

1. Establishing an ecological baseline of the project area: Conducting scientific survey in the area of interest to generate information on species richness, distribution, and abundance.
2. Identification of animal movement and crossing zones along proposed road alignment.
3. Suggest site-specific mitigation measures (inclusive of re-alignment and animal passage ways) to address detrimental impacts of the project on wildlife values.

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



(86)

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

# TERAI ARC LANDSCAPE

Ecological Significance







The Terai Arc Landscape (TAL) is located in the foothills of Himalayas, stretches across India and Nepal (~800 km) between river Yamuna in the west and river Bagmati in the East. Over the years the landscape has been moulded by the large flood-prone rivers, thus called *terai* (i.e., flood plains). The major rivers of this region are – Yamuna, Ganga, Ramganga, Kosi, Boar, Gola, Sharada (Kali), Mohana, Kaudiala, Karnali (Girwa), and Bagmati. Shifting course of these meandering rivers have created innumerable ox-bow lakes, wetlands and swamps. The highly fertile soil of the river floodplains harbours the tallest grasslands of the world. The natural disturbances such as monsoon floods periodically inundates the grasslands and swamps, which is responsible for maintaining the seral nature of *terai* grasslands. It is recognized as a conservation landscape of global importance as it harbours sizable population of tiger (*Panthera tigris*), elephant (*Elephas maximus*), rhinoceros (*Rhinoceros unicornis*), and Bengal florican (*Houbaropsis bengalensis*), species of global conservation value (Johnsingh et al. 2004, Qureshi et al. 2014, Rahmani et al. 2017).

The transboundary landscape of TAL comprises of three distinct geographical and physiographical zones- (i) Shivaliks, (ii) Bhabhar and (iii) Terai. The western part of TAL (between rivers Yamuna and Sharda) lies in the Shivalik – Bhabhar tracts and includes Rajaji and Corbett tiger reserves. This part of the landscape is characterized by hilly and undulating terrain, composed of coarse alluvium and boulders, and dominated by sal (*Shorea robusta*). The bhabhar tracts (east of Sharda river) mostly occur in Nepal characterized with boulder and porous substrata; the water table is lower here as compared to the terai region. The *terai* portion of the landscape (east of Sharda river) is highly fragmented, characterized by tall grasslands, swamps and wetlands, sal dominated mixed deciduous forests with mosaic of agricultural fields. This part includes Pilibhit, Dudhwa and Valmiki tiger reserves in India and Shuklaphanta, Bardia, Banke, and Royal Chitwan National Parks in



Nepal (Johnsingh *et. al.*, 2004). Apart from sal, moist deciduous forests of terai are dominated by rohini (*Mallotus philippinensis*), jamun (*Syzygium cumini*), dhaura (*Lagerstroemia parviflora*), papri (*Holoptelia integrifolia*), chamror (*Ehretia laevis*), bel (*Aegle marmelos*), haldu (*Haldina cordifolia*), bakli (*Anogeissus latifolia*), and kadi-patta (*Murraya koenigii*). Khair (*Acacia catechu*), semal (*Bombax ceiba*) and shisham (*Dalbergia sisso*) are mostly found in grasslands as early successional stages. Plantations of teak (*Tectona grandis*), khair (*Acacia catechu*), shisham (*Dalbergia sissoo*) and *Eucalyptus* sp are found in patches across the landscape. Wet grasslands are dominated by *Narenga porphyrocoma*, *Saccharum spontaneum*, *Sclerostachya fusca*, *Pharmites karka*, the drier ones are dominated by *Saccharum munja*, *Imperata cylindrical*, *Desmostachya bipinnata*, *heteropogon contortis*, the disturbance and burning causes dominance of *Desmostachya bipinnata*, *Cymbopogon martini* in moist and drier grasslands. The Shrub species of *Phoenix acaulis*, *Adhatoda vasica*, *Carissa carandas* and *Woodfordia fruticosa* dominate the drier bhabar areas and steep slopes of the Shivalik. The highly productive grasslands of terai support high density of ungulate population, which forms the bulk of tiger diet. The grassland-woodland complexes of this landscape are majorly affected by the invasives such as *Clerodendron viscosum*, *Lantana camara*, *Adathoda vassica* and *Tiliacora acuminata*.

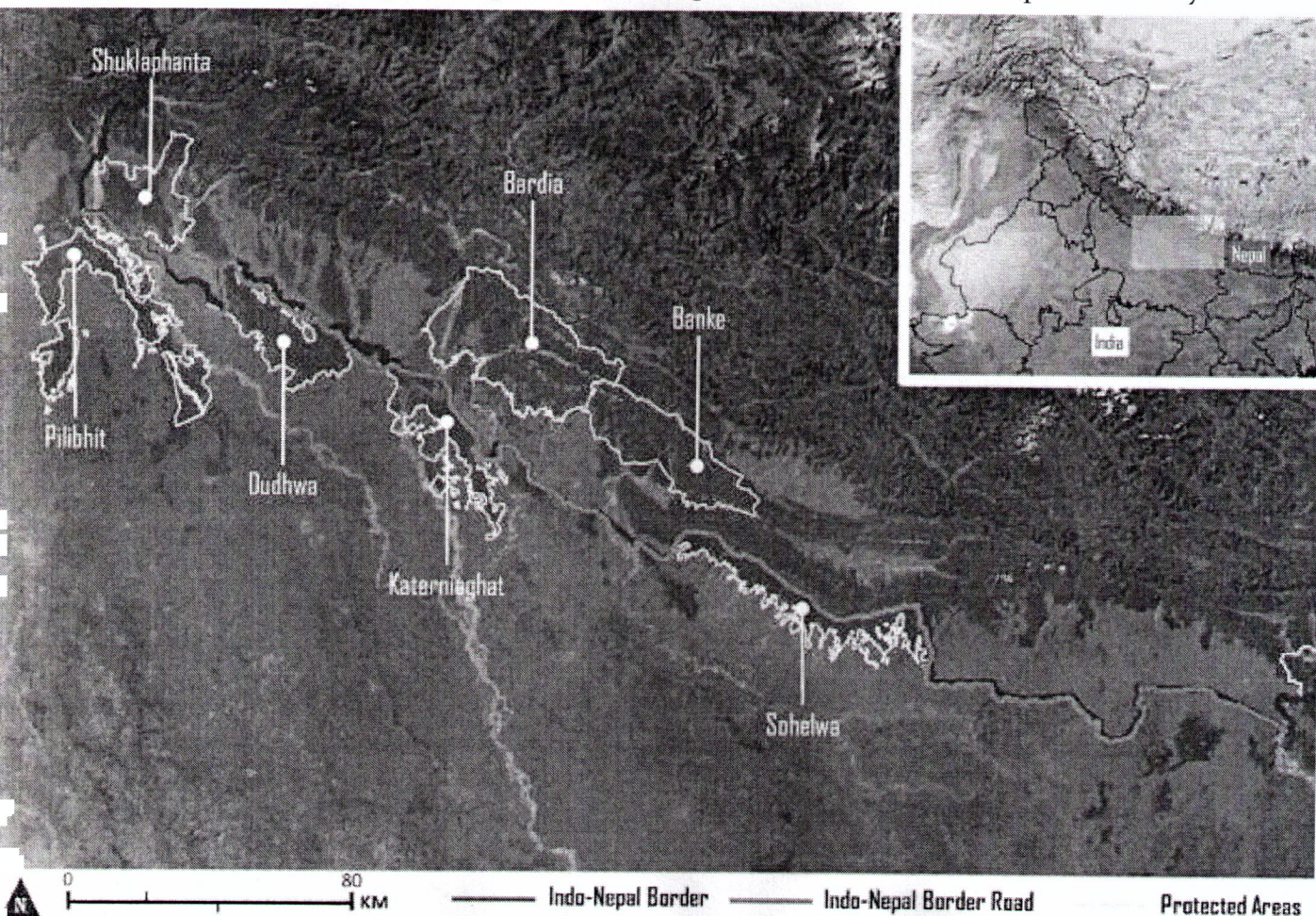
The TAL is a biologically diverse eco-region is a home to 86 species of mammals, >600 species of birds, 47 species of herpeto-fauna, 126 species of fish, and over 2,100 species of flowering plants (Flemming *et. al.*, 1976; Inskipp and Inskipp, 1991; Maskey, 1989; Shah, 1995). TAL harbours one of the highest densities of the tiger in the world, holding 21.78% of India's tiger population (Jhala *et.al.*, 2020). TAL hosts three Level I (of high conservation value) Tiger Conservation Units (TCUs) (Chitwan-Parsa-Valmiki, Bardia-Banke and Rajaji-Corbett) and two Level II TCUs (Dudhwa-Kailali and Shuklaphanta-Kishanpur) (Wikramanayake *et al.* 1998). Apart from tiger, other carnivores observed in the study area were: leopard (*Panthera pardus*), sloth bear (*Melusrus ursinus*), striped hyena (*Hyaena hyaena*), ratel (*Mellivora capensis*), golden jackal (*Canis aureus*), jungle cat (*Felis chaus*), large Indian civet (*Viverra zibetha*), Small Indian civet (*Viverricula indica*), common palm civet (*Paradoxurus hermaphroditus*), and Indian grey mongoose (*Herpestes edwardsii*) (Table 2). This landscape supports a diverse assembly of ungulates which includes sambar (*Rusa unicolor*), chital (*Axis axis*), nilgai (*Boselaphus tragocamelus*), wild pig (*Sus scrofa*), swamp deer/barasingha (*Rucervus duvaucelii duvaucelii*), hog deer (*Axis porcinus*), goral (*Naemorhedus goral*), barking deer (*Muntiacus muntjak*), chausingha (*Tetracerus qudricornis*) (Table 2). TAL is also home to the critically endangered Gangetic dolphin (*Plantanista gangetica*) and gharial (*Gavialis gangeticus*).

Once connected throughout its tract, more than 90% of these tall grasslands have been converted into human land uses. The advent of DDT for the eradication of malaria prompted human settlements and expansion of agricultural activity; this caused large-scale clearing of forests and resulted in the fragmentation and degradation of wildlife habitats in the landscape (Mathur 2000). The rapid growth of human population influenced myriads of developmental activities such as roads, railways, dam, hydroelectric power projects, and rising number of industrial set-up



and urbanisation which further fragmented the landscape. As a result, the forests are now present in fragmented, disjunct blocks, connected through wildlife corridors (narrow patches of wildlife habitat, and rivers). Movement of keystone species like tiger, elephant and rhinoceros has been recorded from these corridors (Table 1). Photocaptures of common tigers between Shuklanphanta WR and Laggabagga (Pilibhit), Bardia and Katarniaghat, Chitwan and Valmiki established the significance of these corridors (Chanchani *et. al.*, 2014). Therefore, safeguarding these corridors are of prime importance in order to conserve the tiger population as a single large metapopulation in the region (Kolipakam *et al.* 2019). The ecological integrity of TAL is the major economic driver of people living in this area. The extensive agriculture-based livelihood is highly dependent upon the natural characteristics and fertility of the soil, which is actually the outcome of marshy clay rich alluvium brought upon by the extensive river system and the annual rainfall. Since periodical inundation and flooding maintains the soil fertility and manage grasslands, any artificial alteration in the flood regime will disorient these intricate ecological balances in the long term, thus, effect the local communities living in the area. Conservation of TAL's wild habitats as well as the alleviation of the socio-economic status of the local inhabitants in this landscape demands proactive involvement of multiple stakeholders, most importantly transboundary cooperation among people, governments and scientific communities. This only can ensure the protection of the remnant wildlife habitats.

Figure 1.1. Map showing the study area along with the PAs of India and Nepal. The study area is a part of Terai Arc Landsape (TAL) which harbours charismatic fauna – tigers, elephants, rhinoceros, and Bengal floricans. The fate of these species depends on habitat protection as well as landscape connectivity.





*Table 1. List of important wildlife corridors in the study area and their status reported by Johnsingh et al., (2004), Qureshi et al., (2014), Ghose et al. (2014), Chanchani et al. (2014), Thappa et al., (2017), Anwar and Borah (2020), Biswas et al., (2020). TAL - Terai Arc Landscape.*

Important corridors	Connecting PAs	Significance and major threats
1. Brahmadev, and Kilpura – Khatima – Surai	Nandhaur – Pilibhit – Shuklaphanta	Crucial for connecting PAs of central and western TAL. Threatened by developmental activities near Khatima range and proposed border road. Used by elephants and tigers.
2. Laggabagga – Tatarganj	Shuklaphanta – Pilibhit – Kishenpur	Frequently used by tigers, elephants and rhinoceros. Increasing human settlements and expansion of agriculture and proposed border road.
3. Laljhadi – Gauriphanta	Shuklaphanta – Dudhwa	Important corridor for elephant and tiger movements. Expansion of human settlements and the proposed border road.
4. Basanta – Bela Parsuwa	Bardia – Dudhwa	Crucial passage for movement of tigers, elephants, and rhinoceros. Clearing of forests for agriculture and settlement along with Hulkai road in Nepal, and the proposed border road are the major threats.
5. Kaudiala/Chheddia	Bardia – Katarniaghat	Frequently used corridors by tigers, elephant and rhinoceros along the floodplains of river Kaudiala. Hulkai road in Nepal, and the proposed border road are the major threats.
6. Khata	Bardia – Katarniaghat	Regular movements of tigers, elephants, and rhinoceros, crucial for connecting Dudhwa-Katarniaghat complex with other PAs in the TAL. Hulkai road in Nepal, and the proposed border road are the major threats.
7. Kamdi	Banke – Suhelwa	Safeguarding the connectivity will facilitate the recovery of tiger and elephant population in Suhelwa. Signs of elephants were recorded during the survey. Threatened by increasing human disturbances, Hulkai road in Nepal, and the proposed border road.



91



©Ayan Sadhu

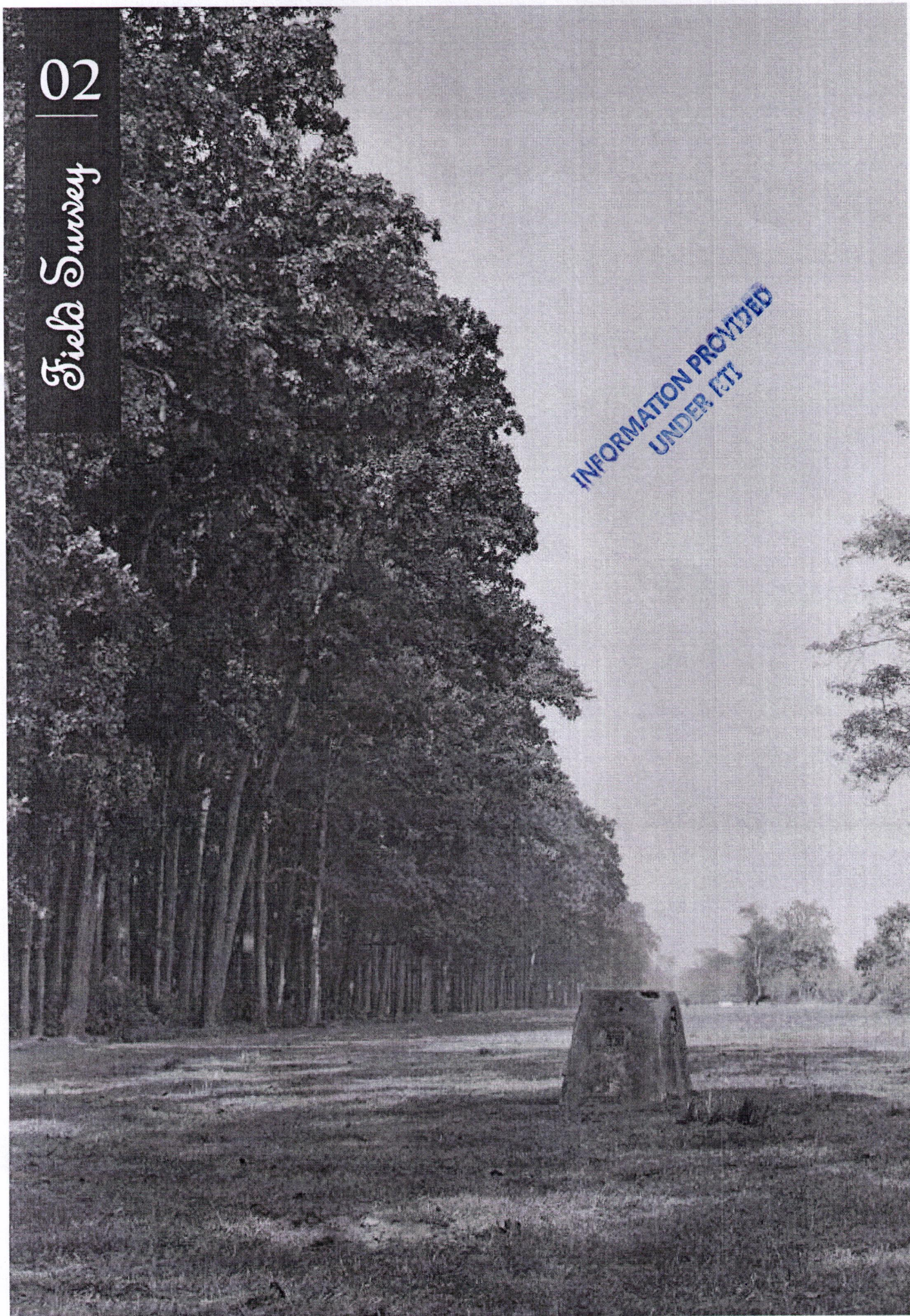


92

02

Field Survey

INFORMATION PROVIDED  
UNDER EIT





To assess the probable impacts of roads on wildlife and to recommend the plausible mitigation measures, understanding of the species ecology (Rytwinski et. al., 2016, Beaudry et. al., 2010), landscape characteristics (Grilo et. al. 2011; Malo et. al. 2004), and the proposed road design (Grilo et. al. 2008, Habib et. al., 2015) are important. A preliminary survey was conducted by WII Tiger Cell (Mr. Ayan Sadhu, Ms. Kainat Latafat) team in collaboration with PWD, SSB, and UP Forest Department to identify crucial areas for intensive sampling. Foot surveys and camera trapping were conducted from along the proposed road alignment (extending up to 5 km on the Indian side) and adjoining areas to ascertain animal presence and their intensity of habitat use. Special emphasis was given to the areas directly connecting with the trans-boundary wildlife corridors. A team from WWF-India accompanied the field team for orientation. Each survey was done with the assistance and support of the concerned forest department, and SSB personnel (paramilitary force). Finally, a field inspection was done by principal investigators of the project to assess the feasibility of the suggested mitigation measures.



### Camera Trapping

Camera trapping was done in the selected sites in a systematic grid-based (2 km<sup>2</sup>) manner. Reconnaissance survey was carried out to find out areas frequently used by priority species (tiger, leopard, elephant, rhino, swamp deer/barasingha), and single sided camera traps were deployed at suitable sites. For camera trap deployment, forest roads, fire lines, dry river beds were mostly used. The distance between two adjacent camera trap points was kept at approximately 700m to 1000m. Cameras were tied on tree trunk at 30-45 cm



above the ground (and ideally 3 - 5m away from the middle of the trail) in order to capture small to large animals. Cameras were operational for 20 to 25 days at each site. Each camera was checked twice every week for data retrieval, battery status check and maintenance.

The study area was extensively sampled during the All India Tiger Estimation (AITE, Jhala et al. 2020), and WWF India was carrying out camera trapping in some parts of the landscape. Therefore, we have used the AITE and the WWF long-term camera trap data for recording species distribution in the landscape.



### *Sign Surveys*

To obtain data on the presence of the study area by the priority species, the area was intensively surveyed on foot between February – May 2021. Dirt roads, trails, foot paths, river beds and nullahs, these features were selected for the sign surveys considering the habitat use by target species. In every survey, all direct (actual sighting) and indirect (pugmarks/footprint, scat/dung, scrape marks, scent marks, rake marks) signs were noted along with its GPS location, age of the sign and its photograph in the Patrol module of the M-STrIPES (Monitoring System for Tigers: Intensive Protection and Ecological Status) mobile application as well as datasheets. The total distance covered and time spent during each search was also recorded. Any signs encountered outside of the sampling route were also recorded separately. A total of 164 foot surveys with an overall effort of 753.38 km were undertaken across the three study sites (i.e., Dudhwa NP, Katarniaghat and Suhelwa WLS).





Table 2: List of mammal species photo-captured in the study area during present study and in All India Tiger Estimation (Jhala et al. 2020).

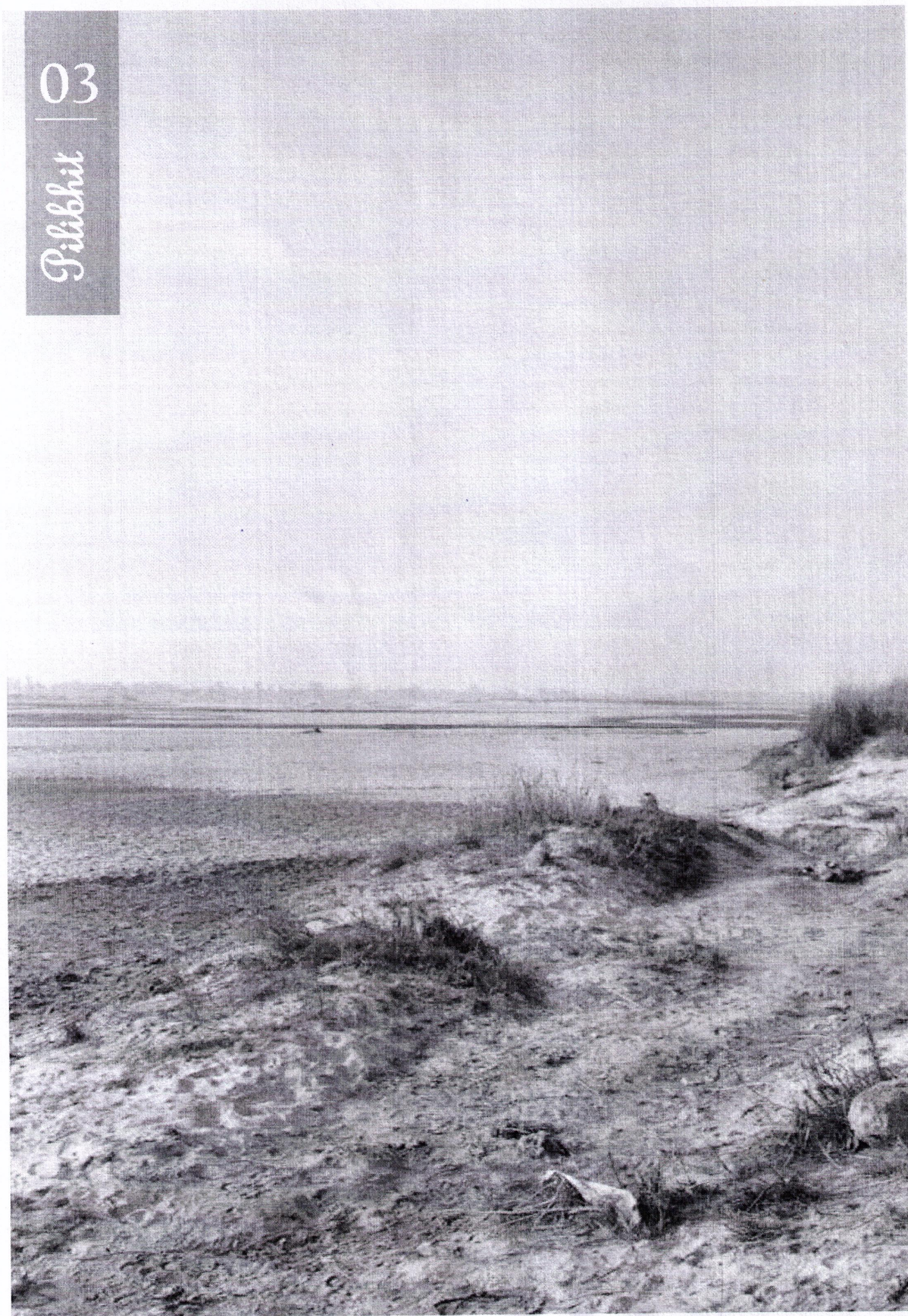
Category	Species	Scientific name	Conservation Status		
			IUCN	CITES	WPA 1972
Large carnivore	Tiger	<i>Panthera tigris</i>	EN	Apendix I	Schedule I
	Leopard	<i>Panthera pardus</i>	VU	Apendix I	Schedule I
	Sloth bear	<i>Melursus ursinus</i>	VU	Apendix I	Schedule I
Small carnivore	Striped Hyena	<i>Hyaena hyaena</i>	NT	Apendix III	Schedule III
	Fishing cat	<i>Prionailurus viverrinus</i>	VU	Apendix I	Schedule I
	Jungle cat	<i>Felis chaus</i>	LC	Apendix II	Schedule II
	Leopard cat	<i>Prionailurus bengalensis</i>	LC	Apendix I	Schedule I
	Rusty spotted cat	<i>Prionailurus rubiginosus</i>	NT	Apendix I	Schedule I
	Golden jackal	<i>Canis aureus</i>	LC	Apendix III	Schedule II
	Ratel	<i>Mellivora capensis</i>	LC	Apendix III	Schedule I
	Yellow throated marten	<i>Martes flavigula</i>	LC	Apendix III	Schedule II
	Large Indian civet	<i>Viverra zibetha</i>	LC	Apendix III	Schedule II
	Small Indian civet	<i>Viverricula indica</i>	LC	Apendix III	Schedule II
	Common palm civet	<i>Paradoxurus hermaphroditus</i>	LC	Apendix III	Schedule II
	Grey mongoose	<i>Herpestes edwardsii</i>	LC	Apendix III	Schedule II
	Ruddy mongoose	<i>Herpestes smithii</i>	LC	Apendix III	Schedule II
	One-horned Rhinoceros	<i>Rhinoceros unicornis</i>	VU	Apendix I	Schedule I
	Elephant	<i>Elephas maximus</i>	EN	Apendix I	Schedule I
Mega Herbivores	Chital	<i>Axis axis</i>	LC	Apendix III	Schedule III
	Sambar	<i>Rusa unicolor</i>	VU	Apendix III	Schedule III
	Hog deer	<i>Axis porcinus</i>	EN	Apendix III	Schedule I
	Barasingha	<i>Rucervus duvaucelii</i>	VU	Apendix I	Schedule I
	Barking deer	<i>Muntiacus muntjak</i>	LC	Apendix III	Schedule III
	Chowsingha	<i>Tetracerus quadricornis</i>	VU	Apendix III	Schedule I
	Nilgai	<i>Boselaphus tragocamelus</i>	LC	Apendix III	Schedule III
	Wild pig	<i>Sus scrofa</i>	LC	Apendix III	Schedule III
	Indian crested porcupine	<i>Hystrix indica</i>	LC	Apendix III	Schedule IV
	Indian hare	<i>Lepus nigricollis</i>	LC	Apendix III	Schedule IV
Others	Rhesus macaque	<i>Macaca mulatta</i>	LC	Apendix III	Schedule II
	Hanuman langur	<i>Semnopithecus schistaceus</i>	LC	Apendix I	Schedule II
	Indian pangolin	<i>Manis crassicaudata</i>	EN	Apendix I	Schedule I

IUCN – International Union for Conservation of Nature,

CITES – Convention on International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora;

WPA 1972 – Indian Wildlife Protection Act 1972









The Pilibhit tiger reserve (N 28°8'0"-28° 50'0" and E79° 53'02"-80° 18'03") forms a part of Terai Arc Landscape (TAL) in the upper Gangetic plains at the foothills of Himalayas. Due to its crucial conservation values, Pilibhit was declared as tiger reserve in 2014 in order to conserve its biodiversity under the ambit of tiger conservation. Pilibhit spans over 730 Km<sup>2</sup> (core - 602.7 Km<sup>2</sup>, buffer - 127.3 Km<sup>2</sup>) in the Pilibhit district of Uttar Pradesh, India. Terrain of the reserve consists of flat Sal patches, grasslands and flood plains, the altitude ranges between 150-175 m. Winter lasts from November to February here, with average temperature of 14.5°. The summer months of March to June experience an average temperature of about 36.8° C compared to annual average of 25.5° C. Post summers, arrival of monsoons, play important role in maintaining the habitat, with heavy showers and periodically inundating the banks and grasslands through flooding. Average precipitation is around 780 millimeters. Numerous water bodies in the form of swamps (*Taals*), ox-bow lakes, river systems and canals pass through the reserve. The Mala River system and Sharda canal forms important swamps and grassland at their banks, vital for the wildlife. River Gomti originates from the reserve, forms the catchment of several others rivers like Sharda, Chuka and Mala Khannot. Sharda Sagar Dam extends along the boundary of the reserve, for a span of 22km.

Champion and Seth (1968), had classified the forests of Pilibhit TR into 11 types and subtypes. These includes Northern Tropical Semi Evergreen(2/E-1), Northern Indian Moist Deciduous



forests (Sub Division 3C), Dinar Sea Forest (3C/C-2-B (II)), Western light alluvium plains Sal Forest (3C/C-2-D (I)), Alluvium Plains Sal Forest (*Chador Sal*) (3C/C-2-D (II)), Low alluvial savannah forest(3C/1-S-1), Tropical Swamp Forest syringing cumin swamp forest(4D/SS3), Northern Dry Forest(5B), Dry plains Sal Forest(5B/C-1B), Northern dry deciduous Forest(5B/C-2), Khair-Sissoo forest(5B/152). The erstwhile Pilibhit FD was maintained for commercial timber harvest owing to its high-quality Sal and associated timber species. Accounting to 76% of the reserve is the Sal (*Shorea robusta*) dominated woodlands, with dense canopy cover. Along with major Sal patches miscellaneous patches consists of Sal associated species such as *Terminalia bellirica*, *Lannea grandis*, *Stereospermum spp*, *Haldina cordifolia*, *Lagerstroemia parviflora* etc. The forest understory consists of *Clerodendron*, *Mallatous philippinensis*, *Ehretia laevis*, *Miliusa velutina*, *Semecarpus anacardium*, *Eupatorium*, and *Holarrahaena antidysenterica*. Riparian tracts formed along the rivers and canals, which consists of *Acacia catechu* and *Dalbergia sisso*. Grassland meadows are interspersed among these Sal patches which are subjected to water logging caused by seasonal flooding in the monsoons. The terai grasslands are seral in nature and are maintained by annual fires, flooding and biotic pressures. These form the unique Terai grasslands that sustains good populations of ungulates that in turn supports sizable large predator's populations. Grass species like *Sacchrum*, *Sclerostachya*, *Imperata*, *Themeda*, *Bothriochloa*, *Vetiveria*, *Apluda*, *Dichanthium*, *Digitaria* and *Cyperus* dominate these grasslands. In the grassland-woodland complexes called 'Chandars', few tree species such as *Bombax ceiba* emerges and sustains across grassland patches, with its persistent fire and flood resilient capabilities.

The carnivore guild includes tigers (*Panthera tigris*), leopards (*Panthera pardus*), sloth bear (*Melursus ursinus*), golden jackal (*Canis aureus*), jungle cat (*Felis chaus*), leopard cat (*Prionailurus bengalensis*), fishing cat (*Prionailurus viverrinus*), small Indian civet (*Viverricula indica*), large Indian civet (*Viverra zibetha*), common palm civet (*Paradoxurus hermaphroditus*), rusty spotted cat (*Prionailurus rubiginosus*), mongoose, honey badger (*Mellivora capensis*). One-horned rhino (*Rhinoceros unicornis*) Chital (*Axis axis*), hog deer (*Axis porcinus*), sambar (*Rusa unicolor*), nilgai (*Boselaphus tragocamelus*), wildpig (*Sus scrofa*), barking deer (*Muntiacus muntjak*), swamp deer/barasingha (*Rucervus duvaucelii duvaucelii*), and chowsingha (*Tetracerus quadricornis*) forms the major ungulate community. Occasional movements of Asian elephant (*Elephas maximus*) occurs through the transboundary link of the reserve from Shuklaphata in Nepal through the Lagga-bagga corridor, from where the proposed alignment is passing through. Apart from mammals the grasslands of Pilibhit TR are important breeding grounds for the critically endangered Bengal Florican (*Houbaropsis bengalensis*). Around 450 species of resident and migratory birds have been recorded in the reserve along with several important lizards, snakes and fresh water crocodile.

As large predator populations of tiger need to be maintained as a connected large Metapopulation for their long-term survival (Wikramanayake *et al.* 1998), Pilibhit reserve is pivotal in providing functional connectivity to the forests of Terai across India and Nepal. The reserve maintains connectivity with Kishanpur WLS and Dudhwa NP (UP) through Garah-Lalpur-Deoria corridor (which connects



two parts of Pilibhit); Nandhaur WLS (UK) through Terai East FD, Surai-Khatima-Kilpura corridor and Suklaphata NP in Nepal through the Pilibhit-Tatarganj-Shuklaphanta corridor. Biswas et al., (2020) have detected genetic migrants of tiger populations associated from Pilibhit TR to Dudhwa NP and Kishanpur WLS and identified Pilibhit TR and Dudhwa TR as major source population of the associated Tiger habitat block. They have also identified two new high conductance corridors associated with Pilibhit TR that connects Northern and southern parts of Pilibhit and the other Pilibhit to Kishanpur WLS through North Kheri FD. Anwar and Borah (2020) have reported 17 tiger captures along with elephants and other mammals in the corridor of Kilpura-Khatima-Surai corridor. This habitat including all the corridors and related protected areas forms a contiguous ~3000 sq. km. area of Tiger habitat.

Pilibhit TR is linear in shape and fragmented, surrounded by a human-dominated matrix. Such conditions often lead to serious man-animal conflict cases, involving leopards and tigers in the area. The growing human population and developmental activities threaten this wildlife habitat. Managing the Pilibhit landscape needs involvement of both Indian and Nepal governments and local communities.

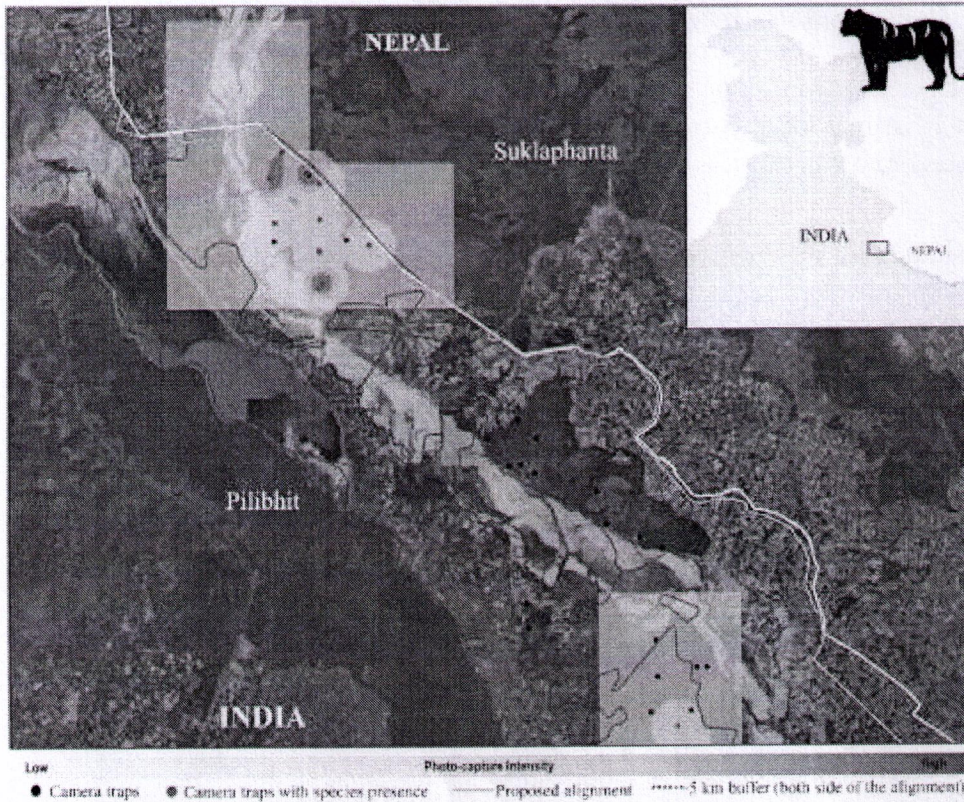




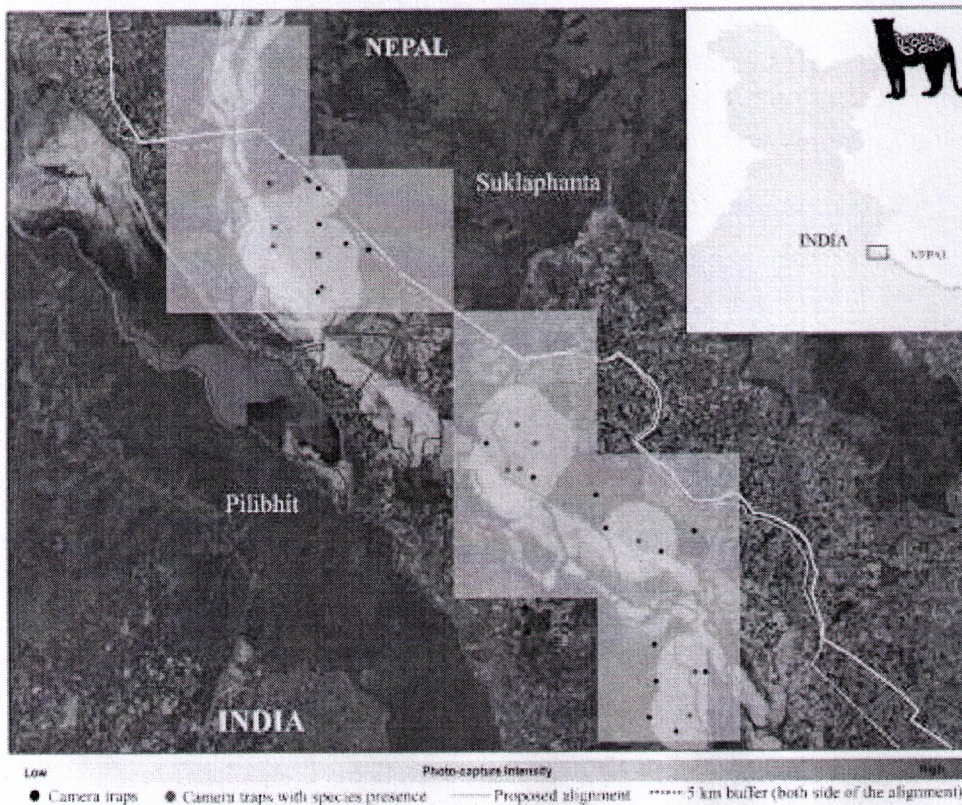


## Species Distribution

### Pilibhit Tiger Reserve



**Figure 3.1**  
Tigers were photo-captured mostly near the boundary of Shuklaphanta national park of Nepal. The yellow rectangles (solid) depicted species presence obtained from sign surveys (direct/indirect evidences) in 25 km<sup>2</sup> grids.



**Figure 3.2**  
Leopards were photo-captured mostly near the northern bank of Sharda river as well as towards the border of Shuklaphanta national park of Nepal. The yellow rectangles (solid) depicted species presence obtained from sign surveys (direct/indirect evidences) in 25 km<sup>2</sup> grids.





# Species Distribution

## Pilibhit Tiger Reserve

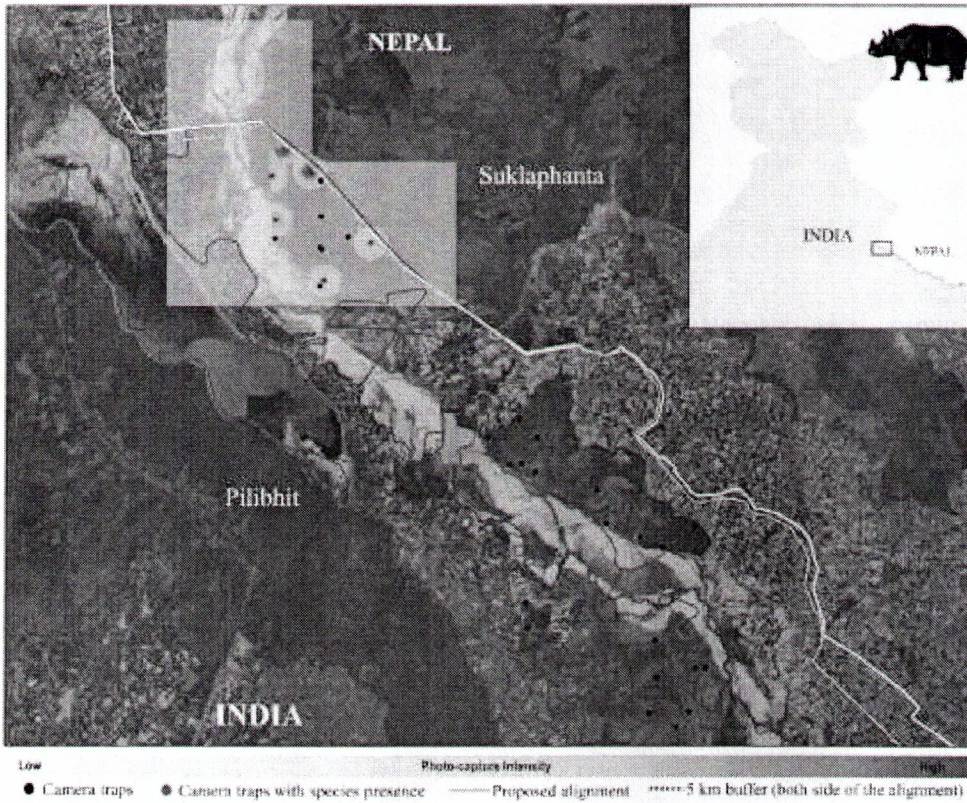


Figure 3.3

Rhinos were photo-captured mostly in the north-western part of Lagga-Bagga area, which is close to the grasslands of Shuklaphanta national park of Nepal. The yellow rectangles (solid) depicted species presence obtained from sign surveys (direct/indirect evidences) in 25 km<sup>2</sup> grids.

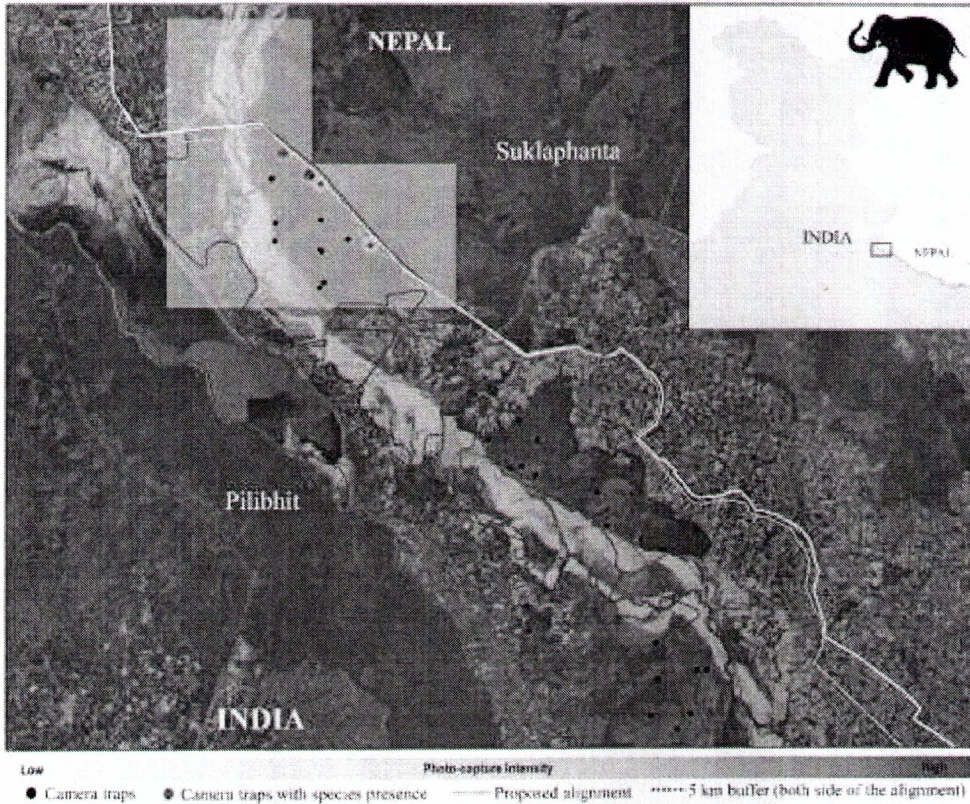
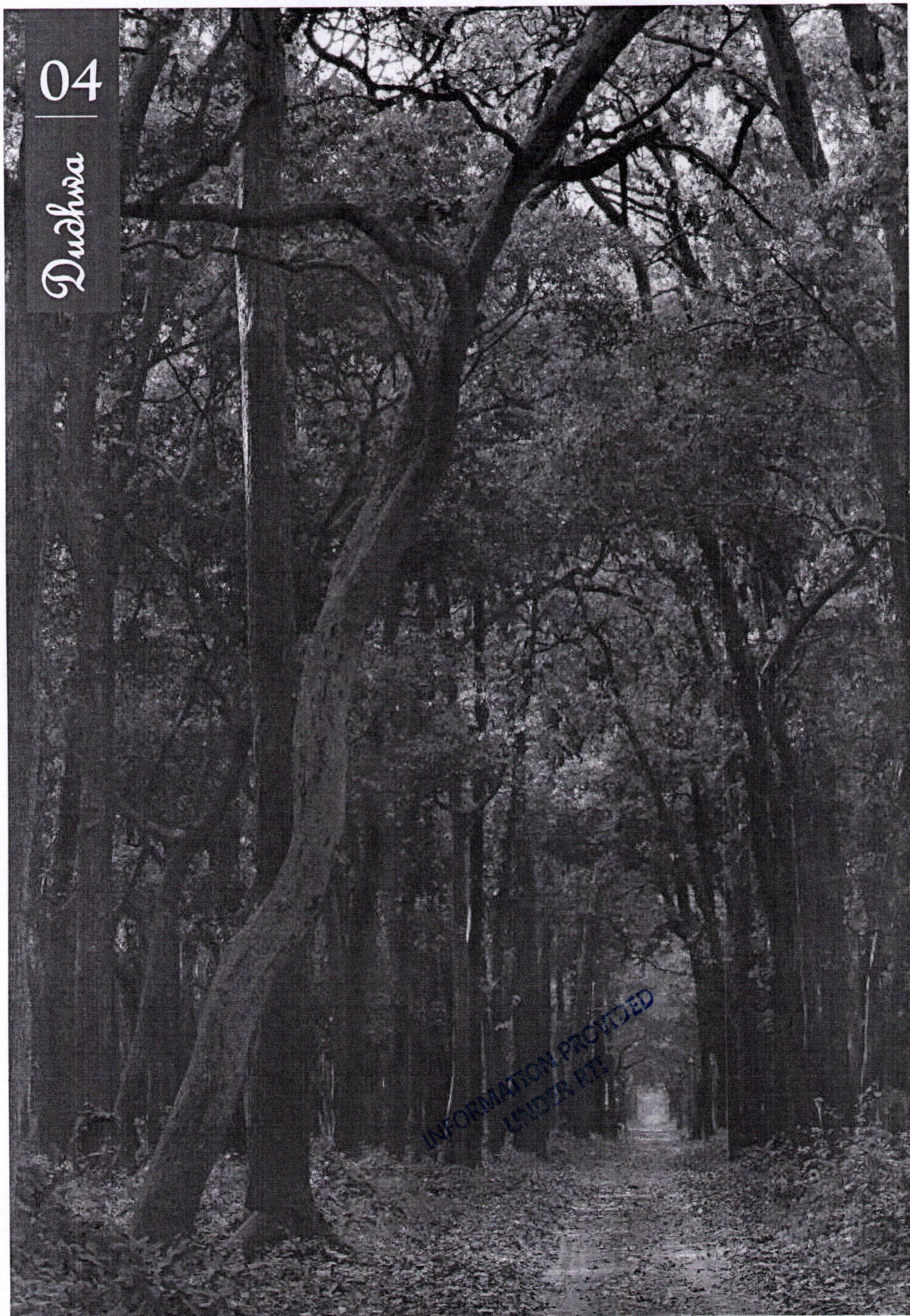


Figure 3.4


Elephants were photo-captured near the Indo-Nepal Border of the Lagga-Bagga region. The yellow rectangles (solid) depicted species presence recorded (indirect sign) during the preliminary survey in 25 km<sup>2</sup> grids.



INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTE







Dudhwa National Park (N 28° 18' 0" to 28° 42' 0" and E 80° 28' 0.12 to 80° 57' 0") is situated in the Terai Arc Landscape (TAL) of Uttar Pradesh, India. Dudhwa was notified as National Park in 1977 due to its unique biodiversity and conservation values. Dudhwa NP spreads over 680 km<sup>2</sup> (core 490.3 Km<sup>2</sup>, buffer 190 Km<sup>2</sup>) in the Lakhimpur-Kheri district of Uttar Pradesh. Along with Katarniaghat WLS and Kishenpur WLS were declared as Dudhwa Tiger Reserve in 1987. Dudhwa was a private hunting ground of royal family of Khairigarh, in 1861 most of the forest area came under the control of the then government as reserved forest and managed for commercial purpose (timber) until 1968. In this time, resettlement of people from neighbouring countries in this region resulted into large scale conversion of forest land (to agriculture).

The north eastern boundary of the park is shared with Indo-Nepal border which is delineated by Mohana river to a large extent. The chief river tributaries passing through Dudhwa are Mohana, which flows roughly along northern boundary of the park, and Suheli, which roughly flows along southern boundary of the park. Both the rivers eventually merge into Ghaghra river. The park has numerous vast forest wetlands and swamps, fed by seasonal flooding which are home to large number of resident and migratory bird species. The elevation of Dudhwa ranges between 134-214m with fairly plain terrain. This area exhibits tropical monsoon type climate characterized by dry hot summers and cold winters. Winters last from mid-October to end of February followed by dry summers from March to June, mid-June to mid-October constitutes monsoon season. The average temperature of area ranges from 3°-23° in winters and 25°-45° in summers. The peak rainy season of July/August accounts for 19°-37° variation in temperature. The same period accounts for 90% of total annual rainfall of 2230 mm. The vegetation type of Dudhwa comprises of Northern moist deciduous forest (3C/C2b-ii, 3C/C 2b-ii, 3C/C 2d-i, 3C/C2/DS1, 3C/1S1), Tropical seasonal swamp forest (4D/SS3) and Northern tropical dry deciduous forest (5B/1S2) (Champion and Seth, 1968).



The annual flood deposits rich alluvial soil along with sandy and loamy soil, which makes the major area of Dudhwa covered with dense Sal (*Shorea robusta*) dominated forests, marshy wetlands and tall grasslands. Jamun (*Syzygium cumini*), Asna (*Terminalia elliptica*), Rohini (*Mallotus philippensis*), Gular (*Ficus racemosa*), Baheda (*Terminalia bellirica*), Kusum (*Schleichera oleosa*) and Haldu (*Haldina cordifolia*) are other prominent species found interspersed among the sal forests. Semal (*Bombax ceiba*) are found scattered in the grasslands of park. Khair (*Acacia catechu*) and Shesam (*Dalbergia sisoo*) are found in riverine forest inside the park. Narkul (*Phragmites karka*), Dabh (*Desmostachya bipinnata*), Doob (*Cynodon dactylon*), Tiger Fern (*Diplazium esculentum*), Khus (*Chrysopogon zizanioides*), Mayari (*Imperata cylindrica*), Retwa (*Sclerostachya fusca*), Munj (*Saccharum munja*), Typha species are few of common grasses found in the grasslands of Dudhwa. The carnivore guild includes tiger (*Panthera tigris*), leopard (*Panthera pardus*), sloth bear (*Melursus ursinus*), fishing cat (*Prionailurus viverrinus*), jungle cat (*Felis chaus*), leopard cat (*Prionailurus bengalensis*), rusty spotted cat (*Prionailurus rubiginosus*), golden jackal (*Canis aureus*), large Indian civet (*Viverra zibetha*), small Indian civet (*Viverricula indica*), common palm civet (*Paradoxurus hermaphroditus*) and Indian grey mongoose (*Herpestes edwardsii*) among others. Amongst the herbivores, elephant (*Elephas maximus*), swamp deer/barasingha (*Rucervus duvaucelii duvaucelii*), hog deer (*Axis porcinus*), sambar (*Ruca unicolor*), chital (*Axis axis*), barking deer (*Muntiacus muntjac*), wild pig (*Sus scrofa*), and nilgai (*Boselaphus tragocamelus*) are present in Dudhwa. A small population of rhinoceros (*Rhinoceros unicornis*) were reintroduced in Dudhwa in 1984 which are now enclosed in two different locations inside the park. Endangered hispid hare (*Caprolagus hispidus*) are reported from Dudhwa, however, they occur in very low density. The vast tracts of grassland and swampy areas are home to number of avian species, few of which are critically endangered like bengal florican (*Houbaropsis bengalensis*), white-rumped vulture (*Gyps bengalensis*), long-billed vulture (*Gyps indicus*) and red-headed vulture (*Sarcogyps calvus*). Other species include Indian pangolin (*Manis crassicaudata*), Indian hare (*Lepus nigricollis*), Indian crested porcupine (*Hystrix indica*), langur (*Semnopithecus spp*) and rhesus macaque (*Macaca mulatta*) among other large number of amphibian, reptile, and avian species.

The shifting course of the rivers in this region plays major role in maintaining the tall grasslands, swamps, and wetlands (ox-bow lakes, locally known as *taal*) ecosystems in this region (Mathur and Midha, 2008). The productive grasslands are crucial for harbouring mega herbivore species like rhinoceros and elephant. Increasing dependency of local communities on the forest resources caused degradation of the wildlife habitat, often leads to man-animal conflicts. Dudhwa national park is surrounded by human land uses, the corridors connecting the nearby forest areas are crucial to maintain the integrity in the entire TAL.

The Laljhadi (connects Dudhwa with Shuklaphanta forest complex in Nepal) and Basanta corridors (connects forest of Dudhwa with Bardia national park via Churia hills of Nepal) are two important corridors in this region (Qureshi et al. 2014). These corridors are actively used by three conservation dependant species viz. tiger, elephant and rhinoceros. Functionality of these corridors is under threat by



increasing pressure of grazing, encroachment, forest land conversion, extensive human use, proposed border road in India and resource extraction among other causes (Chanchani et al. 2014). To address these problems, timely measures taken in proper manner can help combat these issues leading to less conflict and provide for safe passage to wildlife.

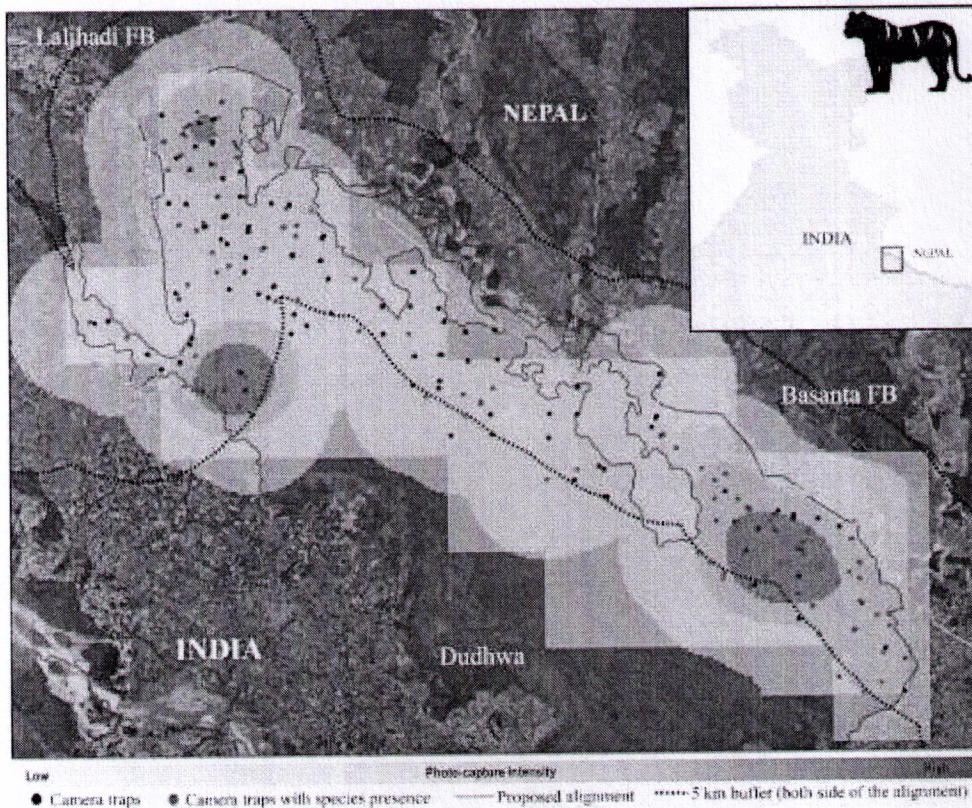




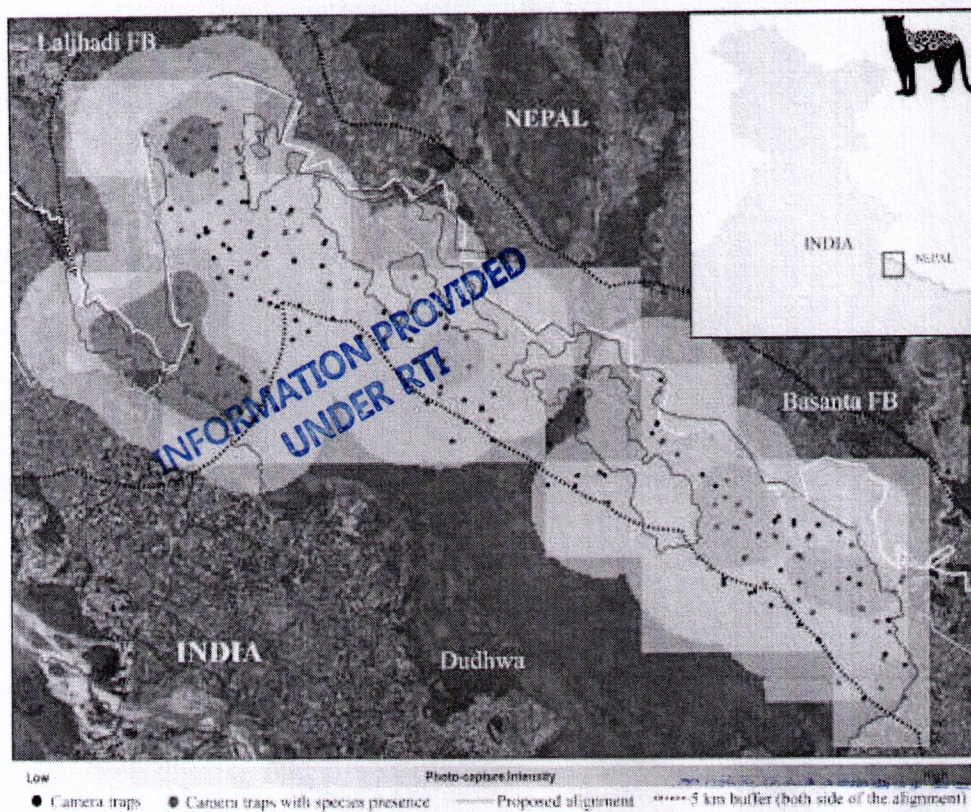


## Species Distribution

### Dudhwa National Park



**Figure 4.1**  
Tigers were photo-captured throughout the study area, however, higher capture rates were obtained from Satiyana, Laljhadi-Gauriphanta, and Bela Parswa (Bsanta corridor - II) area. The yellow rectangles (solid) depicted species presence obtained from sign surveys (direct/indirect evidences) in 25 km<sup>2</sup> grids.



**Figure 4.2**  
Leopards were photo-captured throughout the study area with higher intensity of photo-capture recorded from Satiyana, Laljhadi-Gauriphanta, Masankhambh (Basanta corridor - I), and Bela Parswa (Bsanta corridor - II) area. The yellow rectangles (solid) depicted species presence obtained from sign surveys (direct/indirect evidences) in 25 km<sup>2</sup> grids.





# Species Distribution

## Dudhwa National Park

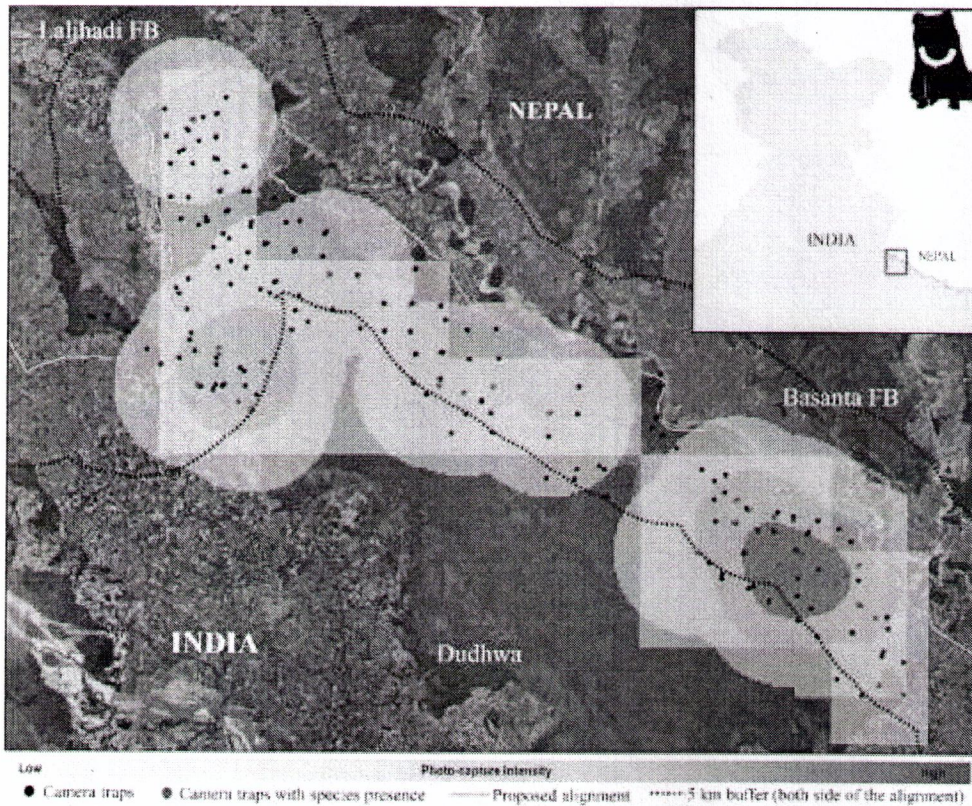


Figure 4.3 Sloth bears were photo-captured throughout the study area with higher intensity of photo-capture recorded from Satiyana, and Bela Parswa (Bsanta corridor - II) area. The yellow rectangles (solid) depicted species presence obtained from sign surveys (direct/indirect evidences) in 25 km<sup>2</sup> grids. The black line depicting the sampled area in the Indian side.

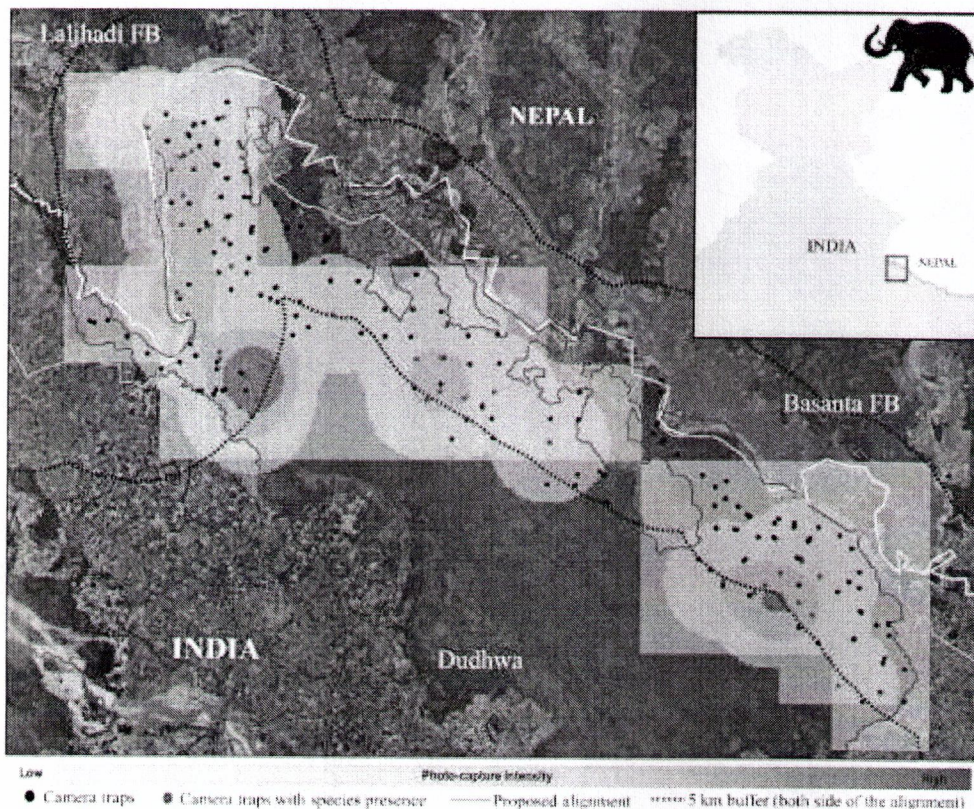


Figure 4.4 Elephants were photo-captured throughout the study area with higher intensity of photo-capture recorded from Satiyana, Laljhadi-Gauriphanta, and Masankhambh (Basanta corridor - I). The yellow rectangles (solid) depicted species presence obtained from sign surveys (direct/indirect evidences) in 25 km<sup>2</sup> grids.





## Species Distribution

### Dudhwa National Park

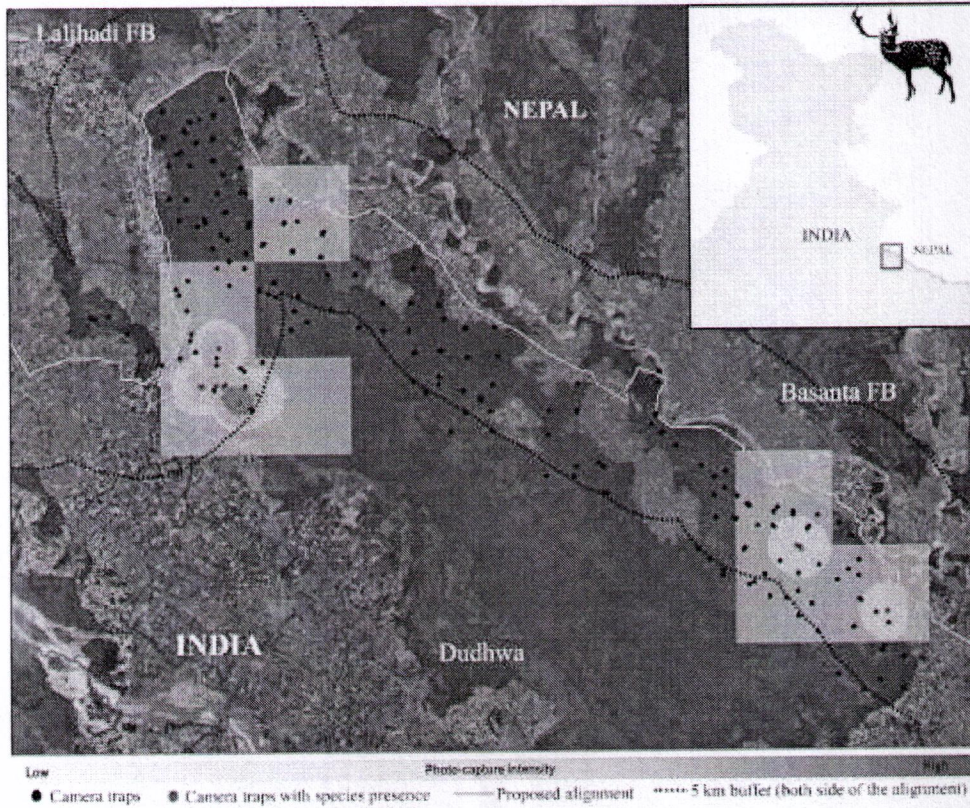


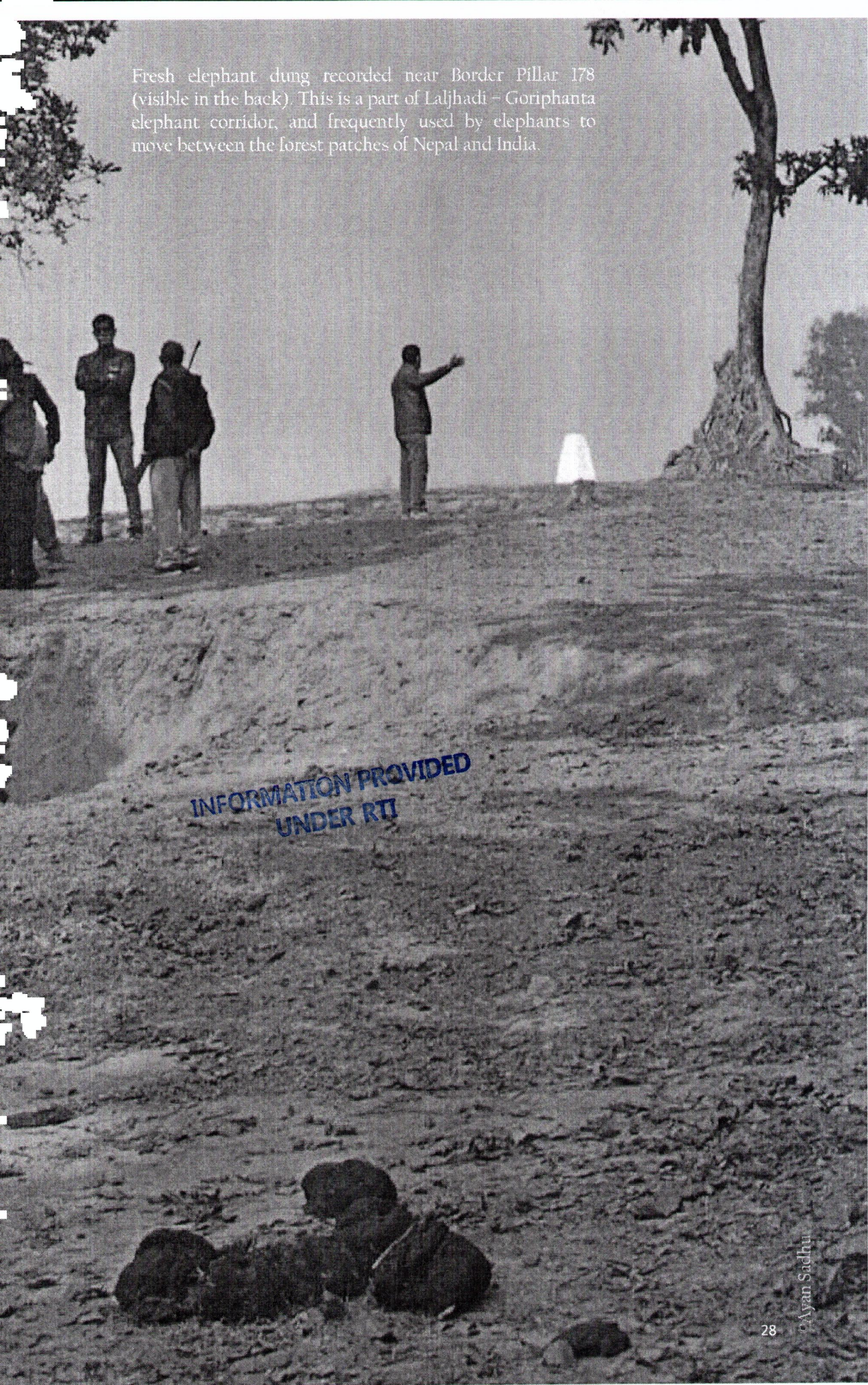
Figure 4.5 Barasingha were photo-captured in isolated patches (dominated with grassland-marshy habitats) of Satiyana, and Bela Parswa (Bsanta corridor - II) area. The yellow rectangles (solid) depicted species presence obtained from sign surveys (direct/indirect evidences) in 25 km<sup>2</sup> grids.

Multiple railway tracks crisscrossed the prime wildlife habitat of Dudhwa.

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



Fresh elephant dung recorded near Border Pillar 178 (visible in the back). This is a part of Laljhadi – Goriphanta elephant corridor, and frequently used by elephants to move between the forest patches of Nepal and India.



INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI




110

05

Kalerniaghat

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI





Lying in the upper-Gangetic plains of the Terai Arc Landscape, the Katarniaghat Wildlife Sanctuary (N 28°23'25.50", E 81°2'18.50"E and N 28°4'18.28", E 81°24'19.50") covers an area of 550.11 km<sup>2</sup> (core, 400.09 km<sup>2</sup> and buffer 150.02 km<sup>2</sup>). The sanctuary is located in the Bahraich district of Uttar Pradesh, India. Not much is known about the sanctuary prior to its occupation by the British. The govt. acquired proprietary rights over these forests in 1856, which were then administered as wastelands. In 1861, these were declared as state forest. The forests were of value mostly to the local inhabitants and were fairly preserved. It was not until the British period that serious exploitation took place (Singh and Prasad, 2013). The most significant felling of timber-bearing forests, specially Sal (*Shorea robusta*), Khair (*Acacia catechu*), and Shisham (*Dalbergia sissoo*), occurred in the colonial era around the periods of the two World Wars. The post-independence years were characterized by arrival of agriculturalists and refugees and major parts of the forests were converted into croplands (Chanchani *et. al.*, 2014). A major change in the management of these forests came around 1965, when forest regeneration and wildlife conservation were given priority (Singh and Prasad, 2013). The sanctuary was established in 1976 and was brought under the purview of Project Tiger in 2000, when it was declared as a part of the Dudhwa Tiger Reserve.

Several perineal streams criss-cross the sanctuary. Before entering into India from Nepal, the Karnali river bifurcates and enters the PA as two streams - Kaudiala and Girwa. These two recombine at the Girijapuri irrigation barrage to form the Ghaghara river. The Saryu river flows through the eastern side of the sanctuary.



The terrain is essentially plain with elevation ranging from 116 to 165m (Kumar *et. al.*, 2015) and is composed of nutrient-rich and highly productive alluvial soil. The area is subject to climatic variations typical of the northern plains. Summer commences around April, with extreme heat and dry conditions, advancing into monsoon starting the end of June. The area receives an annual average rainfall of about 1300mm (Singh and Prasad, 2013). Most of the western part of the PA remains flooded till October. November marks the onset of cold, foggy and moist winters. The mean temperature varies from 8-22°C in winters to 27-40°C in summers (Chaudhary *et. al.*, 2014). Grazing, annual floods and controlled/uncontrolled fire play a major role in the natural regeneration of vegetation in the sanctuary area.

Katerniaghat Wildlife Sanctuary is classified under the Terai-Bhabhar bio-geographic sub-division of the Upper Gangetic Plains (Pandey *et. al.*, 2008). The flora is diverse, varying from moist deciduous (3C/C2b, 5/IS2, 1/E1) and tropical dry deciduous (5B/C1b, 5B/C2, 3/E1) forests to alluvial savannahs (3/IS1) and wetlands (Champion and Seth, 1968). Dense cane (*Calamus tenuis*) brakes are characteristic of the areas close to the Girwa river. Some plantation sites are also present in the PA mostly consisting of Teak (*Tectona grandis*). The major tree species found in the sanctuary are – Sal (*Shorea robusta*), Asna (*Terminalia alata*), Haldu (*Adina cordifolia*), Kusum (*Schleichera oleosa*), Rohini (*Mallotus philippensis*), Jamun (*Syzigium cumini*), Asidha (*Lagerstroemia parviflora*), Gutel (*Trewia nudiflora*), Gular (*Ficus racemosa*), Jigna (*Lannea coromandelica*), Wadar (*Sterculia villosa*), Dhak (*Butea monosperma*), Semal (*Bombax ceiba*), Khair (*Acacia catechu*) and Sheesham (*Dalbergia sissoo*). The undergrowth consists of shrubs like Bhaant (*Clreodenron viscouum*), Kath Nimbu/Guturu (*Glycosmis pentaphylla*), Kadhi Patta (*Murraya koenigii*), Karwanth/Rangoi (*Tiliacora acuminata*), Chauranga (*Millettia auriculata*) among others. Common grasses found in the PA include Kush (*Desmostachya bipinnata*), Khus (*Chrysopogon zizanioides*), Munja (*Saccharum munja*), Dubb (*Cynodon dactylon*), Narkul (*Phragmites kakra*), bamboo (*Dendrocalamus sp.*) and Tiger fern (*Diplazium esculentum*). *Lantana camara*, Gajar ghaas (*Parthenium histosporensis*), Besharam (*Ipomea sp.*) are some common weeds found in Katerniaghat (Singh and Prasad, 2013; Kumar, 2015, Pandey *et. al.*, 2008).

The resource-rich habitats and diverse vegetation of Katerniaghat supports sizeable populations of wild animals. The important herbivores include Asian elephant (*Elephas maximus*), one-horned rhinoceros (*Rhinoceros unicornis*), chital (*Axis axis*), sambar (*Rusa unicolor*), swamp deer/barasingha (*Rucervus duvaucelii duvaucelii*), barking deer (*Muntiacus muntjak*), hog deer (*Axis porcinus*), nilgai (*Boselaphus tragocamelus*) and wild pig (*Sus scrofa*). The major carnivores include tiger (*Panthera tigris*), leopard (*Panthera pardus*), golden jackal (*Canis aureus*), jungle cat (*Felis chaus*), fishing cat (*Prionailurus viverrinus*), honey badger (*Mellivora capensis*), common palm civet (*Paradoxurus hermaphroditus*), small Indian civet (*Viverricula indica*) and Indian grey mongoose (*Herpestes edwardsii*). The Girwa river is also home to the Gangetic river dolphin (*Platanista gangetica*), gharial (*Gavialis gangeticus*) and mugger (*Crocodylus palustris*). Apart from these, the Great hornbill (*Buceros bicornis*), Bengal florican (*Houbaropsis bengalensis*), White-rumped vulture (*Gyps bengalensis*) and long-billed vulture (*Gyps indicus*) are some of the rare avian species found in Katerniaghat (Jhala *et. al.*, 2020).



Katerniaghat Wildlife Sanctuary, with its extensive river network, has given rise to a critical ecosystem supporting unique assemblages of flora and fauna, making it one of the most significant representatives of the fragile Terai Arc landscape (Pandey *et al.*, 2008). The narrow and linear riparian forests of the Khata and Cheddia corridors connect the north-western part of the sanctuary with Royal Bardia National Park, and serve as conduit for the periodic movement of keystone species like elephants, rhinoceros and tigers (Qureshi *et al.* 2014; Bista *et al.*, 2019). A linear stretch of forest forms the central and eastern portions of the sanctuary, which is bisected by a State Highway and a narrow-gauge railway line. The sanctuary is surrounded by a mosaic of small villages and agricultural fields (Chanchani *et al.*, 2014; Bista *et al.*, 2019). Over 70 villages are present in and around Katerniaghat. Activities like poaching, grazing, extraction of timber and NTFPs, from both India and Nepal, have increased biotic pressure and competition for forest resources (Musavi and Khan, 2016). Owing to the vital ecosystems and threatened wildlife the sanctuary supports, along with the maintenance of the functionality of the corridors, there is an urgent need to protect the biodiversity through effective monitoring and management.

The productive grasslands of terai harbour large assemblages of wild ungulates, which in turn sustain high density tiger populations.

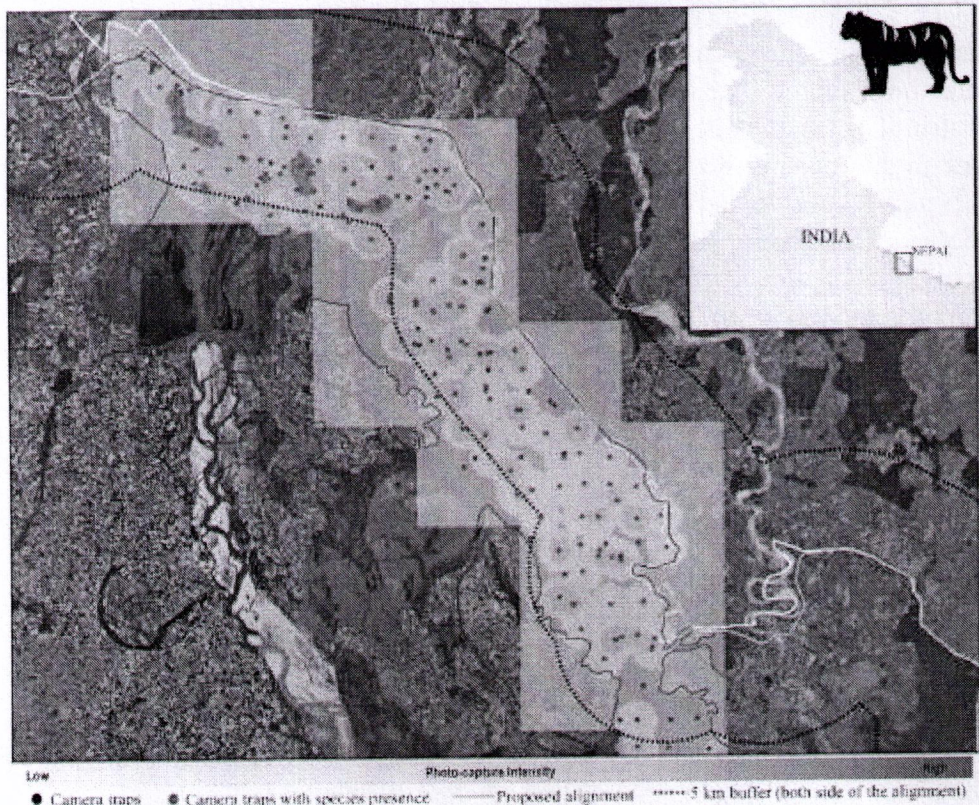




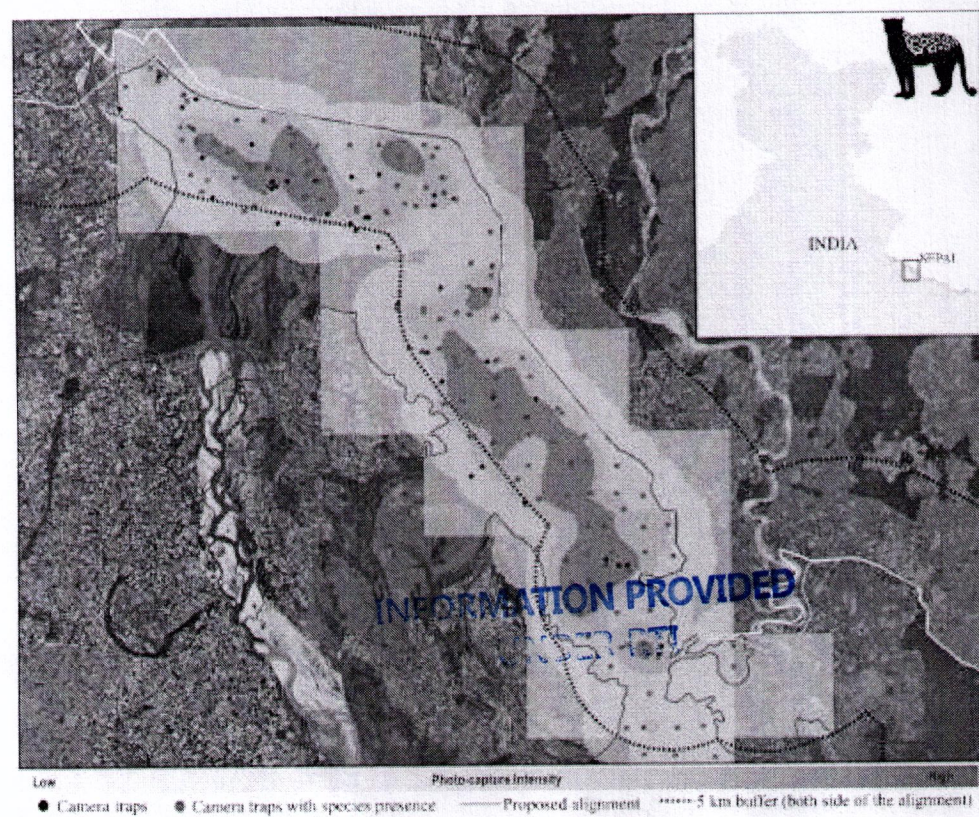


# Species Distribution

## Katerniaghat Wildlife Sanctuary



**Figure 5.1**  
Tigers were photo-captured throughout the study area, however, higher capture rates were obtained from Chhedha corridor area and areas near Khata corridor. The yellow rectangles (solid) depicted species presence obtained from sign surveys (direct/indirect evidences) in 25 km<sup>2</sup> grids.



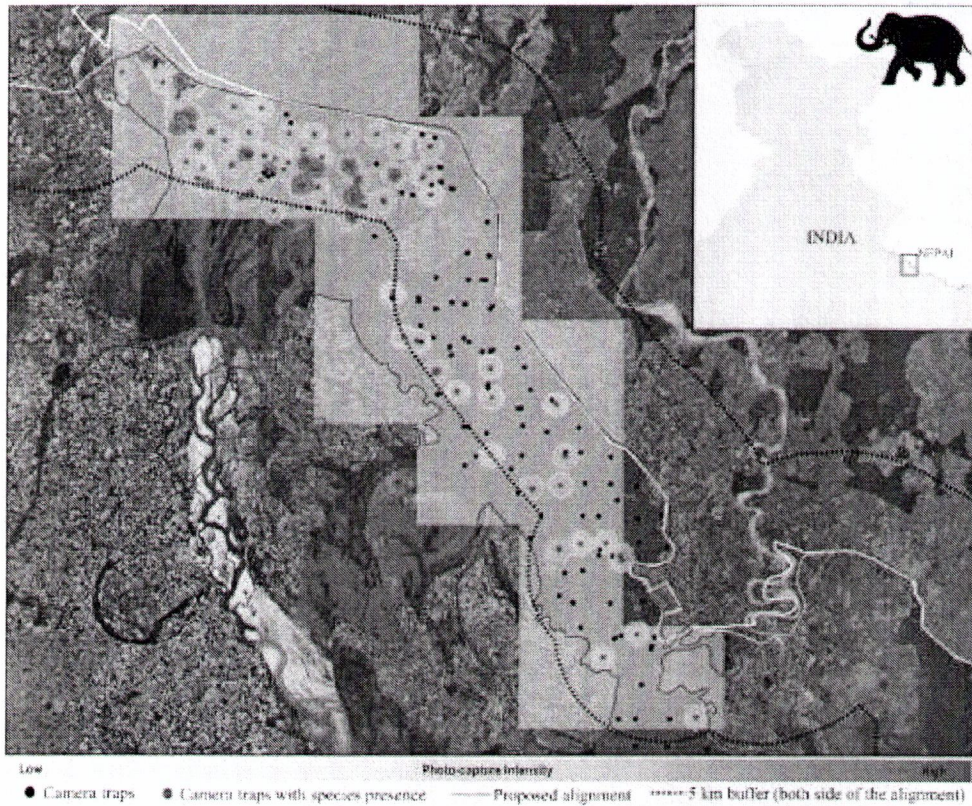
**Figure 5.2**  
Leopards were photo-captured throughout the study area, however, higher capture rates were obtained from areas near Khata corridor and the southern eastern part of the landscape. The yellow rectangles (solid) depicted species presence obtained from sign surveys (direct/indirect evidences) in 25 km<sup>2</sup> grids.



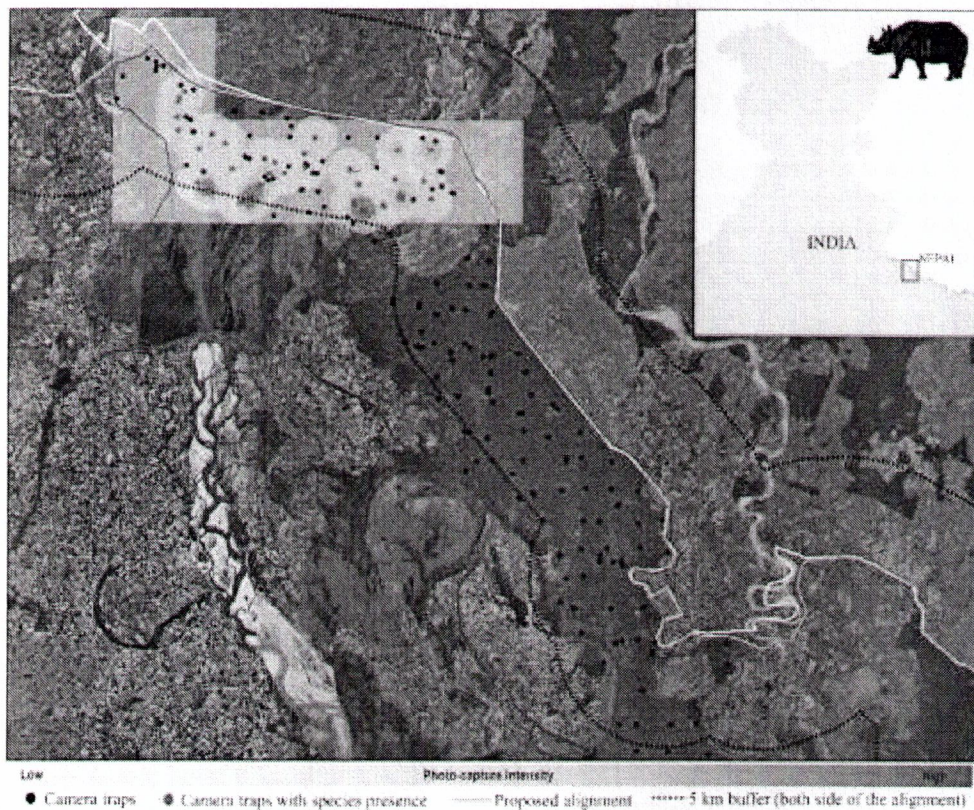


# Species Distribution

## Katarniaghat Wildlife Sanctuary



**Figure 5.3**  
Elephants were photo-captured throughout the study area, however, higher capture rates were obtained from Chedia corridor area and areas near Khata corridor. The yellow rectangles (solid) depicted species presence obtained from sign surveys (direct/indirect evidences) in 25 km<sup>2</sup> grids.



**Figure 5.4**  
Rhinos were photo-captured in the Chedia and Khata corridor areas. Khata corridor area is actively used by the species, which connects the nearby Bardia national park of Nepal. The yellow rectangles (solid) depicted species presence obtained from sign surveys (direct/indirect evidences) in 25 km<sup>2</sup> grids.



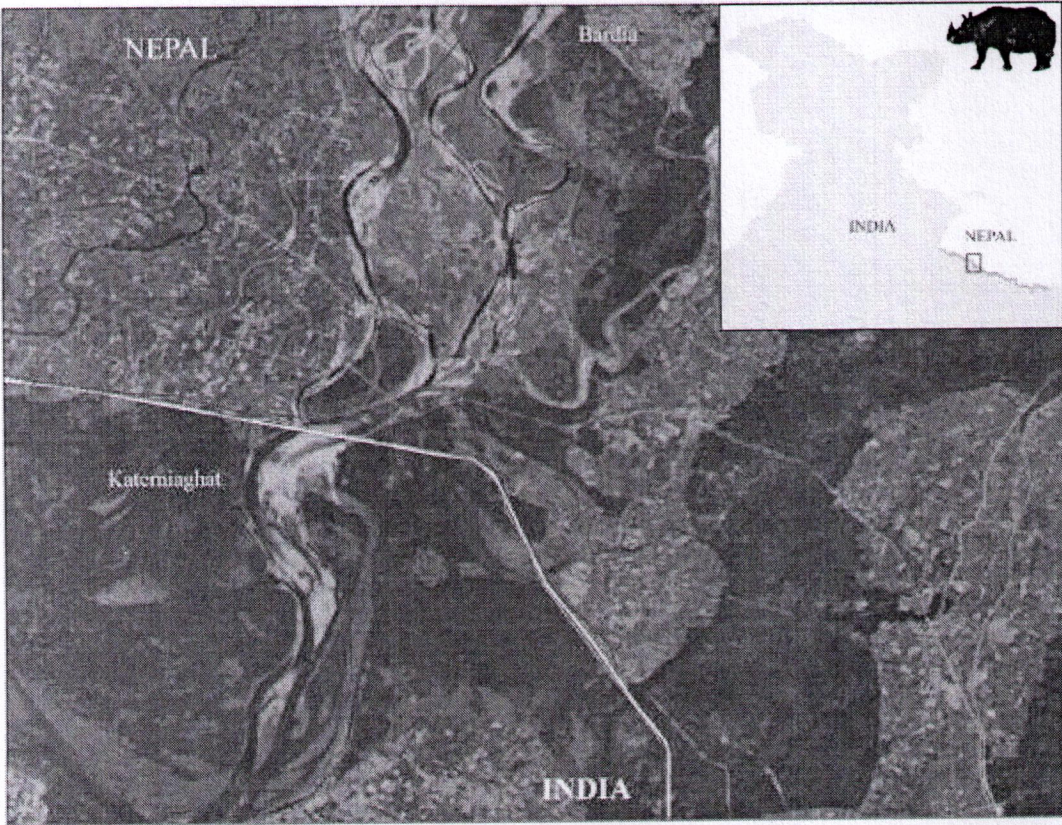
0120

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



## Species Distribution

Katerniaghat Wildlife Sanctuary



*Figure 5.5*

Map depicting the presence locations of a radio-collared rhinoceros (collared in Bardia National Park, Nepal) which used the Khata corridor to disperse from Bardia NP to Katerniaghat (India). This highlights the prime importance of Khata corridor in maintaining connectivity in the landscape.

*Data courtesy: The National Trust for Nature Conservation (NTNC)*

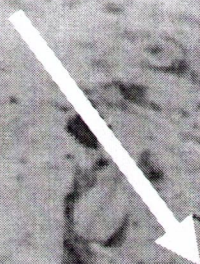


©Pooja Pant

TAL is also home to the critically endangered Gangetic dolphin (*Platanista gangetica*) and gharial (*Gavialis gangeticus*)



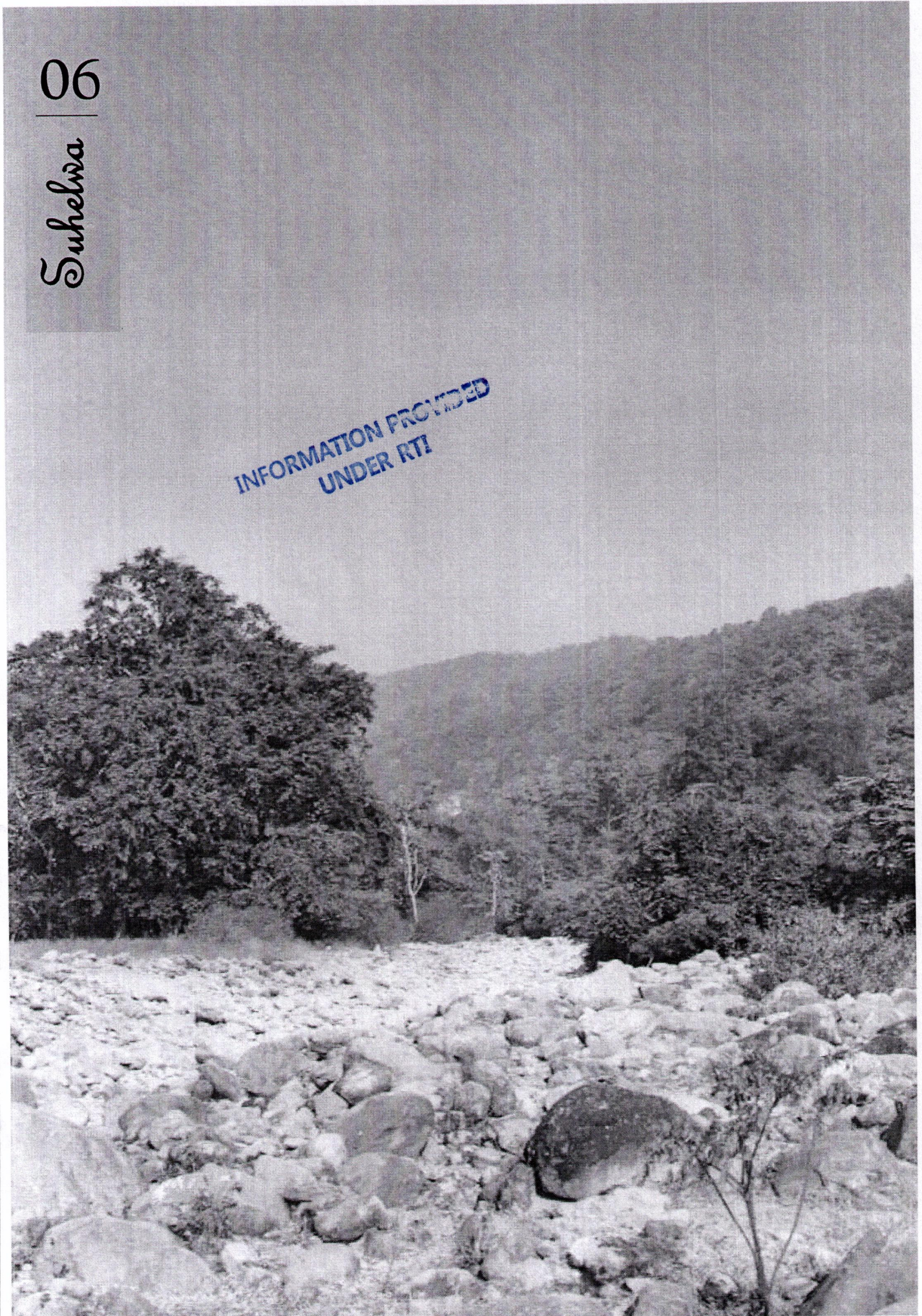
During the field survey, we found this elephant dung with black plastic inside the bolus. As plastics are not digestible, came out as it is. Consumption of plastics (during foraging) is a major threats to animals.



INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI







Suhelwa Wildlife Sanctuary (N 27° 30' 1"-27° 55' 42"; E 81° 55' 36"-82° 48' 33") is located centrally in the Terai Arc Landscape (TAL) spans over 635 Km<sup>2</sup> (core 415 Km<sup>2</sup>, buffer 220 Km<sup>2</sup>) in Balrampur, Sravasti and Gonda districts of Uttar Pradesh. Before the implementation of the Zamindari Abolition Act 1952, most of the forest land of the sanctuary was the personal property of the Maharaja of Balrampur and the area was known as Balrampur Estate. Later after the abolition of *Zamindari*, the forests were assimilated in to the state of U.P. and was declared as a Wildlife Sanctuary (WLS) in 1988, named after the king Suheldev. The Sanctuary is an elongated narrow stretch along the Indo-Nepal Border, surrounded by human land uses in the southern boundary. The northern boundary (120 Km) of Suhelwa is continuous with Banke National Park of Nepal.

The Shiwalik hills (also known as Churia Hills in Nepal) imparts undulating topography to its northern part with elevation of 120-200m above mean sea level, while the southern part consists of flat terrain. The Shiwaliks are also responsible for intermittent rivers, which carry big boulders along with it. These rivers are highly dynamic in nature and cause frequent flooding during monsoon months. Falling in the sub-tropical region the PA receives moderate rainfall of about 1700mm annually. But the Terai-Bhabar subdivision of Upper Gangetic plains, with its characteristic porous rocky riverbeds and undulating terrain along the Himalayan foothills, is unable to hold this water and as a result this area is water deficient during the summer months. To overcome this deficit, there are many artificial reservoirs constructed on its southern boundary to store water. One of the oldest reservoirs is Razia Tal, renovated by Razia Sultan.

Suhelwa WLS presents one of the dense forests of Uttar Pradesh. The forest type is

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



Tropical Moist Deciduous (Champion & Seth 1968), with Sal (*Shorea robusta*) dominated forest, interspersed with Jamun (*Syzygium cumini*), Asna (*Terminalia tomentosa*), Khair (*Acacia catechu*), haldu (*Haldina cordifolia*), Kusum (*Schleichera oleosa*). Before its declaration as a PA, teak (*Tectona grandis*) was planted by the state, these pure patches of teak can be seen now as well. A rare plant, *Indopiptadenia oudhensis* on the verge of extinction is also found here in its natural habitat (Singh 2010). The tall grasslands of *terai* habitat are absent in Suhelwa, tall grass patches can be found along the river bed and in the sand banks of the rivers. Major tall grass species includes *Vetiveria*, *Themeda*, *Imperata*, *Saccharum*, and *Arundo*.

During the present field survey, we have recorded presence of tigers (*Panthera tigris*) from camera trap photographs and indirect evidences (pugmarks). This was the first photographic evidences of tigers after tigers went locally extinct in the past. The carnivore guild comprised of tiger, leopard (*Panthera pardus*), sloth bear (*Melursus ursinus*), striped hyena (*Hyaena hyaena*), ratel (*Mellivora capensis*), golden jackal (*Canis aureus*), jungle cat (*Felis chaus*), large Indian civet (*Viverra zibetha*), Small Indian civet (*Viverricula indica*), common palm civet (*Paradoxurus hermaphroditus*), and Indian grey mongoose (*Herpestes edwardsii*). Presence of wild dog (*Cuon alpinus*) were recorded sometime in the past, however, recent photographic evidences are still lacking to confirm the claim. Occasional movement of elephants (*Elephas maximus*) have been recorded in the northern part of the sanctuary. Other herbivore species found here: spotted deer (*Axis axis*), Nilgai (*Boselaphus tragocamelus*), sambar (*Rusa unicolor*), barking deer (*Muntiacus muntjac*), four-horned antelope (*Tetracerus quadricornis*), and wild pig (*Sus scrofa*). Other important species found in Suhelwa are: Himalayan langur (*Semnopithecus schistaceus*), Indian hare (*Lepus nigricollis*), Indian crested porcupine (*Hystrix indica*), and Indian pangolin (*Manis crassicaudata*). Due to mixed forest the bird diversity is also rich with about 298 species of birds (Bhargava et al. 2016). Among them, critically endangered slender-billed vulture (*Gyps tenuirostris*), white-rumped vulture (*Gyps bengalensis*), red-headed vulture (*Aegypius calvus*) are found. It also has rich reptilian diversity and a great amount of insect diversity, especially Lepidoptera.

### INFORMATION PROVIDED UNDER RTI

Road kills documented by WII research team during the survey in and around Suhelwa Wildlife Sanctuary





Although the narrow stretch of forest land is intact in Suhelwa, it is continuous with the biodiversity rich Banke National Park in Nepal. Recent reports of tiger, elephants and presence of other keystone species established the importance of this forest patch. The Southern fringe being heavily fragmented, increases the surface area to the human disturbances. Moreover, insufficient forest staff makes it difficult to patrol the PA on a regular basis. The villages of Nepal have poor connectivity on Nepal territory and thus depend on the Indian markets for their needs, increasing the biotic pressure. Another major threat is poaching, and these animals end up as bushmeat in local market (Khanal & Baniya 2018). Anthropogenic activities like firewood collection, illegal felling of trees, livestock grazing and encroachment of forest land for agriculture are some of the major reasons for the degradation of the forest and its wildlife. Due to these anthropogenic activities, there is increase in invasive spp. *Lantana camara*, *Parthenium hysterophoru*, *Cassia tora*, etc. which pose a serious threat to native flora and endangers the herbivore population too (Faizi 2017). Moreover, the Terai-Bhabar region is a very important region for water table, and change in its dynamics may result in frequent flooding in the low-lying regions of the Upper Gangetic plains (Semwal 2005). Some management inadequacies like inadequate staff and funds, and improper maintenance of fire lines to prevent forest fires, which are a menace during summer months, adds up to the difficulties of managing the area.

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI







## Species Distribution

### Suhelwa Wildlife Sanctuary

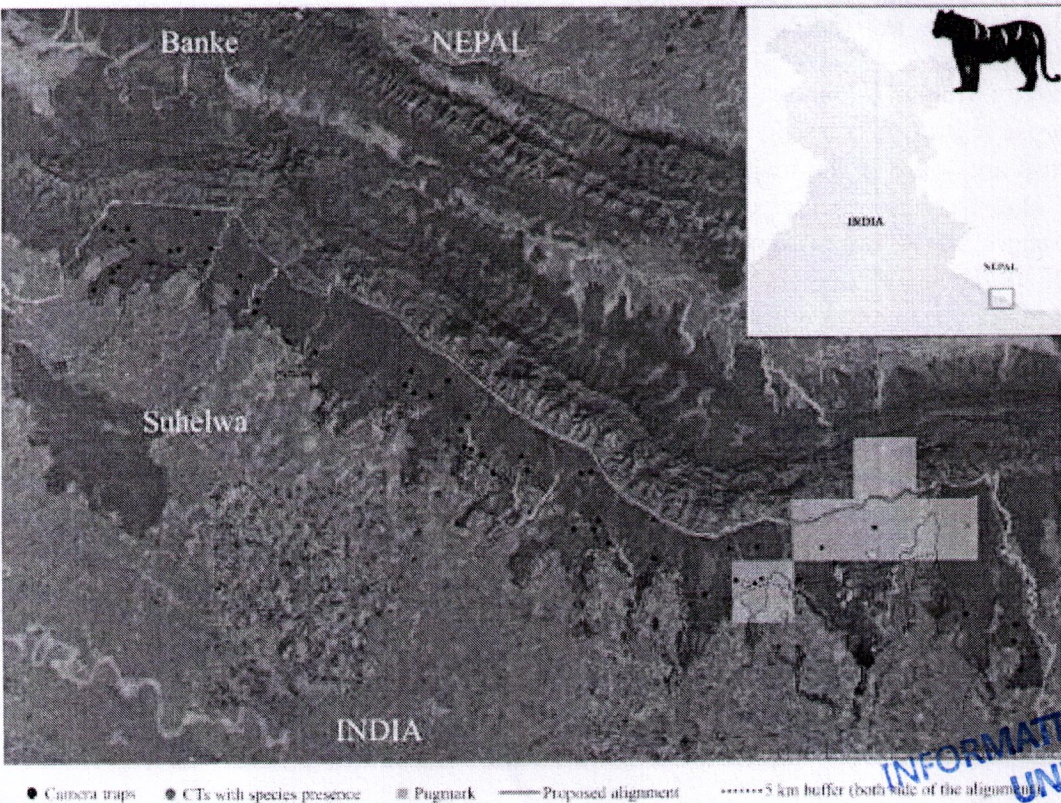


Figure 6.1

Tigers were photo-captured for the first time in Suhelwa WLS. Tiger pugmarks were also recorded from the eastern part of Suhelwa. The yellow rectangles (solid) depicted species presence obtained from sign surveys (direct/indirect evidences) in 25 km<sup>2</sup> grids.

INFORMATION PROVIDED UNDER RTI

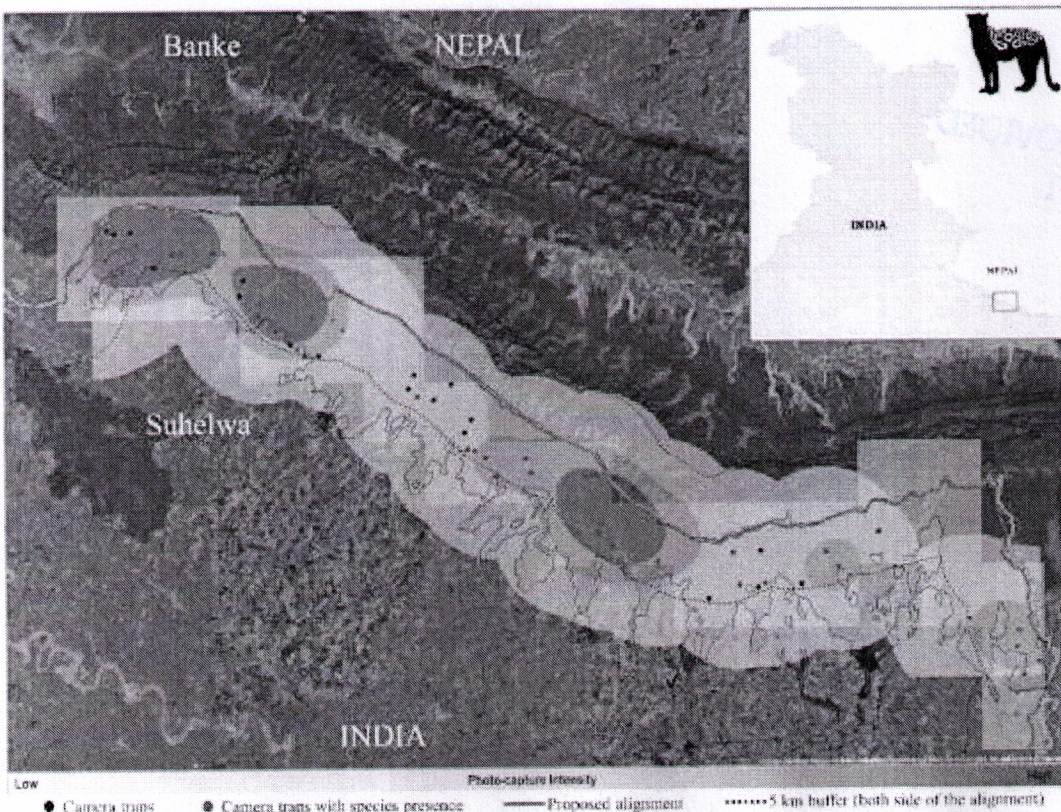


Figure 6.2

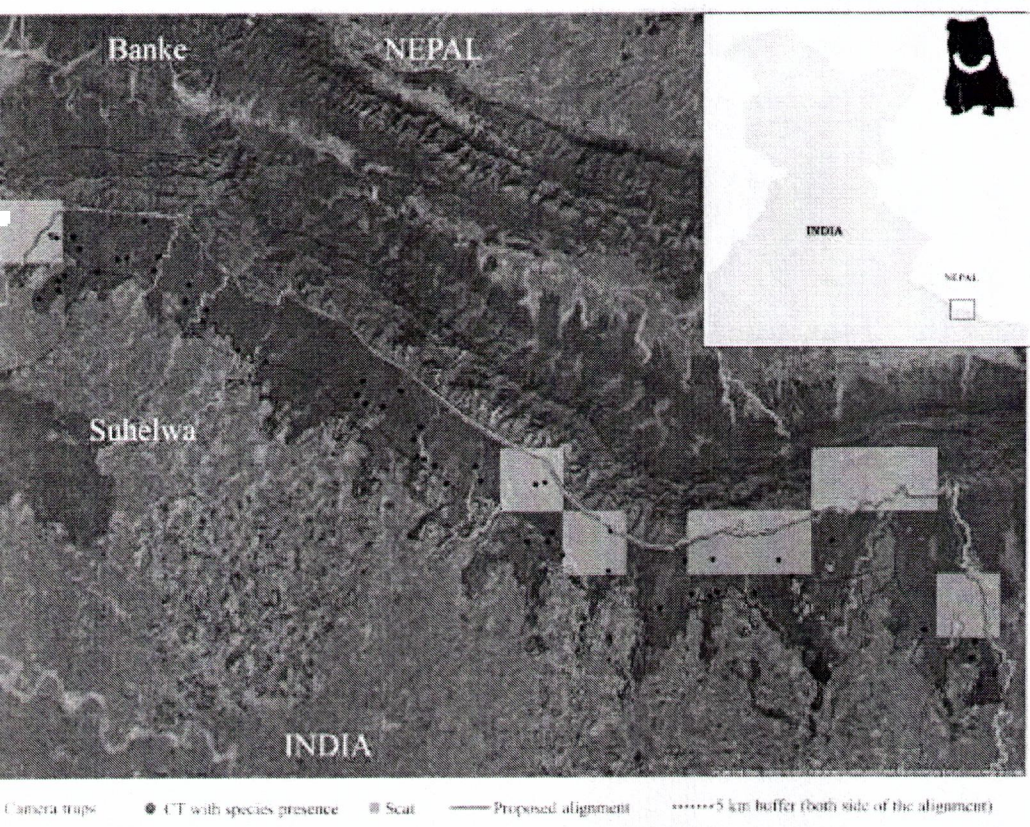
Leopards were photo-captured throughout the study area with higher capture rates recorded from north-western part of Suhelwa and Tulsipur range of the reserve. The yellow rectangles (solid) depicted species presence obtained from sign surveys (direct/indirect evidences) in 25 km<sup>2</sup> grids.



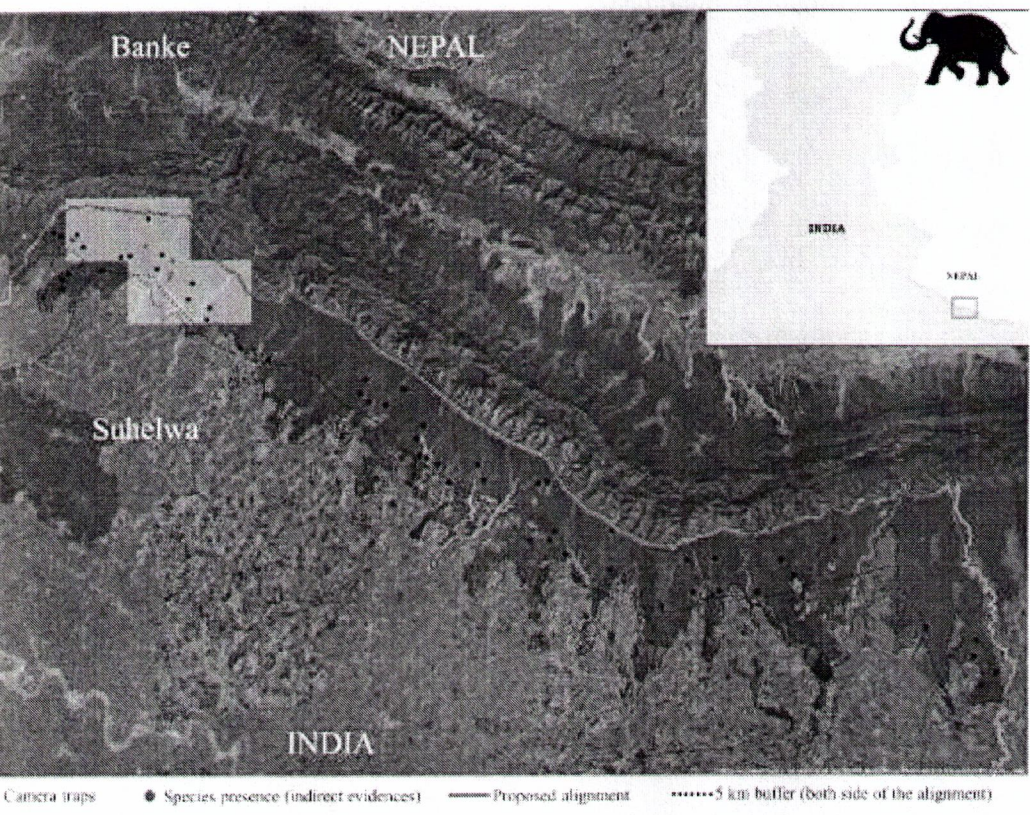


# Species Distribution

## Katerniaghat Wildlife Sanctuary



**Figure 6.3**  
Sloth bear sign were recorded from the eastern part of the reserve. The yellow rectangles (solid) depicted species presence obtained from sign surveys (direct/indirect evidences) in 25 km<sup>2</sup> grids.



**Figure 6.4**  
Elephants signs were recorded from the western part of the reserve which is continuous to Banke National apark of Nepal. The yellow rectangles (solid) depicted species presence obtained from sign surveys (direct/indirect evidences) in 25 km<sup>2</sup> grids.



# MITIGATION MEASURES

TO SAFEGUARD WILDLIFE MOVEMENTS  
ACROSS INDO-NEPAL BORDER ROAD

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



Roads result in fragmentation of continuous wildlife habitat and act as a conduit to human disturbance (habitat degradation, spreading of invasive species, forest fire, road kills, and many more) in the inviolate areas. Therefore, the negative impacts of roads (& other linear infrastructures) need to be assessed on both site and landscape scales. The proposed Indo-Nepal Border road passes through the Terai Arc Landscape (TAL) and will create large-scale habitat fragmentation. This will block the natural movement of wildlife species across the landscape. Parts of the proposed road alignment is going through crucial wildlife corridors of TAL. These corridors are heavily used by wild animals (especially tigers, elephants, and rhinos) despite their fragmented state. However, further disturbance in these corridors is likely to cause irreversible damage to them and hinder animal dispersal between PAs in the landscape. It is most appropriate to avoid any linear infrastructure development in this biodiversity hotspot area. However, if unavoidable, the following mitigation measures need to be strictly followed keeping in mind the security of the Nation and its biodiversity. We have divided the mitigation measures into two broad sections - a) site-specific mitigation measures, b) general mitigation measures.

**Table 3.** List of major mitigation measures suggested across the proposed Indo-Nepal border road in Uttar Pradesh, India. The start point for the alternative routes depicting the location where the detour starts., The end point denotes the location where the altered alignment is re-joining the road.

Sl. No	TR/NP/WLS	Locality		Mitigation measures		GPS locations of recommended alterations			
		Corridor	BoP	Type	Length	Start Point		End Point	
1	Pilibhit	Lagga Bagga corridor	Nazulia	Alternative route	Use existing village roads (-37 Km)	28°49'32.05"N	80°04'2.99"E	28°42'31.44"N	80°17'45.77"E
2	Pilibhit	Lagga Bagga corridor		Flyover	0.7 Km	28°40'35.02"N	80°12'48.65"E	28°40'32.80"N	80°13'14.12"E
3	Pilibhit	Lagga Bagga corridor		Flyover	0.5 Km	28°40'32.14"N	80°13'22.22"E	28°40'30.66"N	80°13'40.79"E
4	Dudhwa	Satiyana	Ghola	Alternative route	Use existing forest & village roads (1.5 Km)	28°32'43.24"N	80°30'49.05"E	28°33'8.65"N	80°31'22.01"E
5	Dudhwa	Laljhadi corridor	Border Pillar No. 755-756	Flyover	1.2 Km	28°39'35.00"N	80°30'21.87"E	28°40'13.19"N	80°30'21.25"E
6	Dudhwa	Basanta corridor - I	Sohna	Flyover	1.4 Km	28°34'9.49"N	80°42'6.26"E	28°33'44.41"N	80°42'53.28"E
7	Dudhwa	Basanta corridor - I	Sohna	Flyover	0.5 Km	28°32'52.59"N	80°44'29.49"E	28°32'48.48"N	80°44'49.21"E
8	Dudhwa	Basanta corridor - II	Chandan Chowki	Alternative route	Use existing forest roads (-15 Km)	28°32'40.01"N	80°46'15.88"E	28°29'21.68"N	80°51'57.87"E
9	Dudhwa	Basanta corridor - II	Raghu Nagar	Flyover	0.7 Km	28°27'9.54"N	80°54'54.35"E	28°26'47.27"N	80°54'57.36"E
10	Katerniaghat	Chedia corridor		Flyover	3.0 Km	28°22'51.25"N	81°01'1.10"E	28°23'50.91"N	81°2'13.58"E
11	Katerniaghat	Chedia corridor	Border Pillar No. 699	Flyover	1.8 Km	28°23'59.36"N	81°03'34.27"E	28°23'22.78"N	81°4'25.20"E
12	Katerniaghat	Girwa river	Pillar No (old) 87 - 82	Flyover	4.4 Km	28°21'55.36"N	81°11'8.98"E	28°20'43.11"N	81°13'8.93"E
13	Katerniaghat	Khata corridor	BoP 82	Alternative route	Use existing forest & village roads (4.8 Km)	28°20'06.6"N	81°13'35.6"E	28°18'45.93"N	81°14'2.19"E
14	Suhelwa	Suhelwa-Banke	BoP Suiya to Trilokpur	Alternative route	Use existing district & village roads (-95 Km)	27°51'53.48"N	81°55'45.17"E	27°29'58.43"N	82°43'40.17"E





## Mitigation Measures

Pilibhit TR (Lagga-Bagga)

### A) Site Specific Mitigation Measures:

The camera trap data showed considerable presence of wildlife species, especially tiger, rhinoceros, leopard and elephants, in the Lagga-Bagga region of Pilibhit tiger reserve (Fig. 3.1 – 3.4). The high photo-capture intensity of these large ranging species near the boundary of India (Pilibhit) and Nepal (Shuklaphanta) indicated frequently used transboundary wildlife habitats. Furthermore, barasingha was photocaptured in the camera traps through out the study area (Lagga Bagga region). The populations of tiger, rhinoceros, barasingha, and elephant in Lagga Bagga region are entirely dependent on Shuklaphanta National Park of Nepal (Source population, Ghosh et al. 2014).

1. Considering the importance of the Lagga-Bagga region, which is contiguous with Shuklaphanta NP of Nepal, the proposed alignment needs to be slightly altered to safeguard this prime wildlife habitat. The existing (proposed) alignment will cut the wildlife habitat of Lagga-Bagga into a small fragment of ~15 km<sup>2</sup>. This fragment will be isolated from Pilibhit (by Sharda Sagar and adjoining human-dominated landscape) and Shuklaphanta, and will be too small to harbour self-sustaining population of large ranging wild animals. As an alternative, the modified alignment should take a detour near the Nazulia BoP (28°49'32.05"N, 80°4'2.99"E), follow the existing roads (district and village roads) on the southern bank of Sharda river (Fig. 3.5), and connect to the existing border road near Tila No. 4 SSB BoP (28°42'31.44"N, 80°17'45.77"E). This will maintain the connectivity throughout the border (from Uttarakhand side to Kamboj Nagar - Sampurna Nagar side of the road). The existing forest roads (can be upgraded to paved path flushed to surface as not to modify the flooding pattern in the area) from Nazulia II to Lagga-Bagga II should be used for patrolling/other necessary duties by SSB. The Border Outpost (BoP) of Lagga Bagga II, Tatar Ganj, Kamboj Nagar, Tila No. 4 should be approached from Sampurna Nagar (Fig. 7.1). The proposed alternate alignment, needs two mitigation measures while passing through the forest lands: one animal underpass of 0.7 km (minimum 8-10m in height, from 28°40'35.07"N, 80°12'48.31"E to 28°40'32.61"N, 80°13'14.38"E), and one animal underpass of 0.5 km (minimum 8-10m in height, from 28°40'32.13"N, 80°13'22.42"E to 28°40'30.39"N, 80°13'40.85"E) (Fig. 7.1) to facilitate wildlife movement between wildlife habitats.

2. The proposed bridge over the Bauni/Chaudhara river, should be of 300m (length) X minimum 8-10m (height) to facilitate animal (elephant, please see the 'Tunnelling effect' portion for details) movement between wildlife habitats of Nepal and India.

While doing these minor modification, no new land acquisition is required since the existing roads will be followed. Also, the mitigation measures were discussed with SSB officials during the field visit of the Project Leader and Project Investigator. Since all the border outposts of SSB will be connected, the SSB Officials were in agreement with the proposed mitigation measures. Therefore, the wildlife habitat will be secured without compromising country's security.

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI





# Mitigation Measures

Pilibhit TR (Lagga-Bagga)

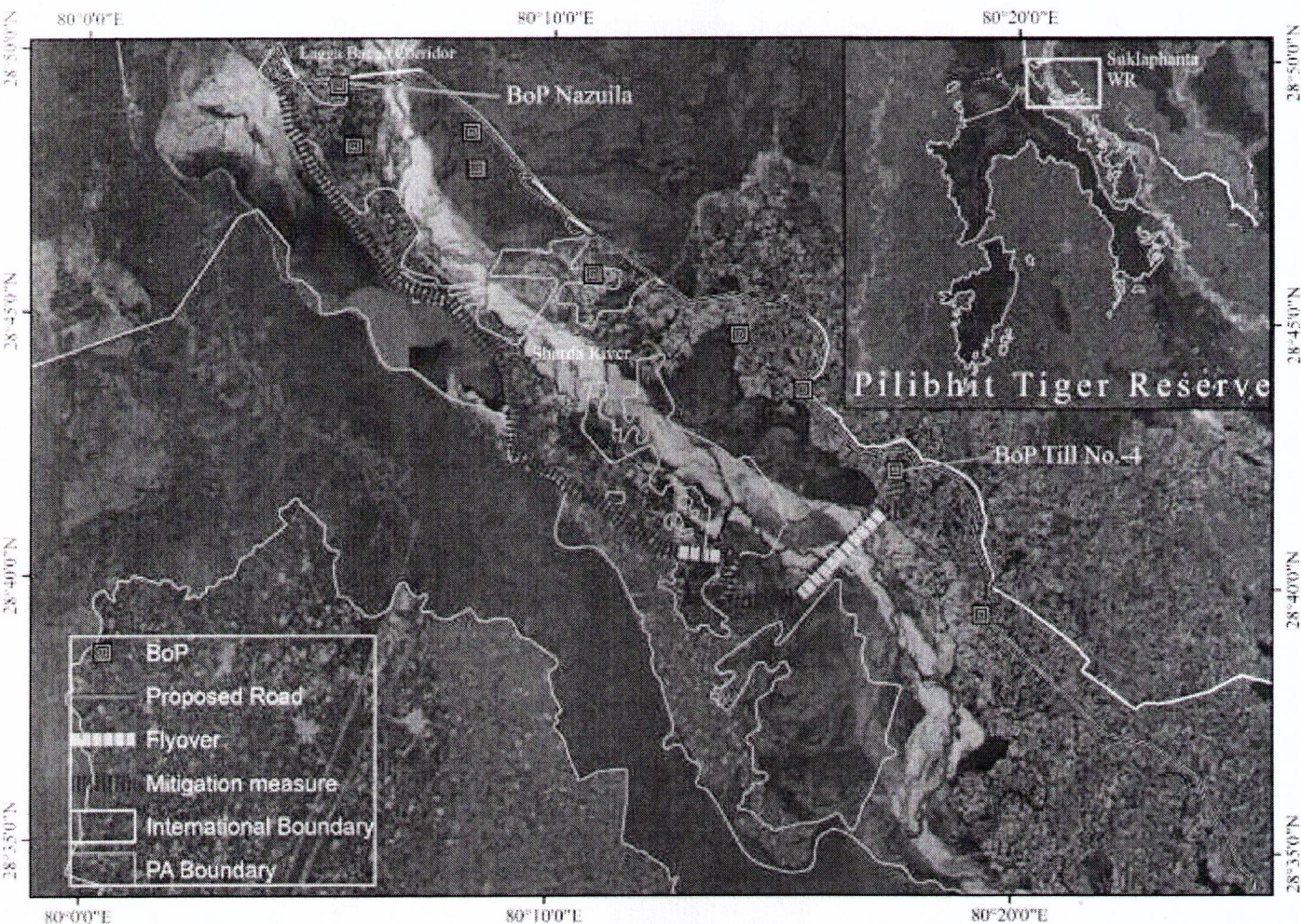


Figure 7.1

The Lagga-Bagga region (hollow yellow rectangle in the inset) of Pilibhit, India is continuous with Shuklaphanta of Nepal. The proposed mitigation measures are crucial to safeguard the viability of the Lagga Bagga region at the same time maintain the continuity of the border road.

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI





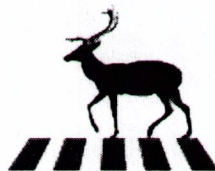
## Mitigation Measures

### Dudhwa National Park

Our data showed the proposed alignment area is intensively used by tiger, elephant, rhinoceros and other conservation dependent species (Fig. 4.1 – 4.5). Most of the animal activity were recorded near the Satiyana, Laljhadi-Gauriphanta, Masankhambh (Basanta corridor – I), and Bela Parswa (Bsanta corridor – II) area. The Laljhadi, Basanta (I and II) corridors are the crucial links for connecting the wildlife habitats of India (Dudhwa) and Nepal. Any damage to these corridors will hinder the animal movement between the wildlife habitats and break the connectivity in the entire Terai Arc Landscape. Moreover, without these corridors Dudhwa National Park will become isolated as there is no connectivity left (with the other PAs) on the Indian side. Therefore, the adverse effect of the proposed road should be mitigated in a manner which should not compromise the wildlife values of this landscape.

1. The proposed alignment of the Indo-Nepal Border Road (INBR) near Gholi BoP ( $28^{\circ}32'43.24''\text{N}$ ,  $80^{\circ}30'49.05''\text{E}$  to  $28^{\circ}33'8.65''\text{N}$ ,  $80^{\circ}31'22.01''\text{E}$ ) is passing through the Satiyana area of Dudhwa NP. To avoid further damage to this already fragmented wildlife habitat, the proposed road should use the existing road outside the forest as well as the existing forest road (can be converted into paved path at ground level) inside Dudhwa NP (Fig. 7.2). This small alteration will safeguard the wildlife habitat of the said area without compromising the project objectives.
2. The proposed Kaima bridge ( $28^{\circ}33'9.55''\text{N}$ ,  $80^{\circ}31'22.71''\text{E}$ , to  $28^{\circ}33'13.39''\text{N}$ ,  $80^{\circ}31'23.90''\text{E}$ ) should be of 80m in length with minimum of 8-10m in height (Landmark- New Border Pillar 762 to 762/2) to serve as an underpass for elephants (largest animal in this landscape) and other wildlife movements (WII Report 2016).
3. The Gauriphanta area of Dudhwa national park forms a crucial linkage between the Dudhwa NP and the wildlife habitats of Nepal (which extends up to Shuklaphanta NP in the west to Bardia NP in the east). Regular elephant movement has been recorded in this area apart from tiger, leopard and sloth bear. We recommend a flyover of 1.1 km length and 8-10 m in height ( $28^{\circ}39'36.15''\text{N}$ ,  $80^{\circ}30'18.28''\text{E}$  to  $28^{\circ}40'10.12''\text{N}$ ,  $80^{\circ}30'19.27''\text{E}$ ) to safeguard the crucial Laljhadi - Gauriphanta corridor (landmark - Border Pillar 756 to Border Pillar 755, BoP Kiratpur and Kuan No. 8) (Fig. 7.3). In order to prevent damage to the wildlife habitat while construction of the flyover, prefabricated materials should be used.
4. The damage caused by the proposed border road to wildlife and its habitat can be compensated to some extent by dismantling the existing state highway (SH90, connecting Palia and Gauriphanta) which fragments the critical tiger habitat of Dudhwa NP into two parts. Moreover, this road is a serious source of disturbance, also provides access to poachers into the heart of Dudhwa NP. Once the border road will be fully operational, the existing length of SH90 (22 km,  $28^{\circ}28'16.40''\text{N}$ ,  $80^{\circ}37'37.09''\text{E}$  to  $28^{\circ}38'22.68''\text{N}$ ,  $80^{\circ}34'23.43''\text{E}$ ) should be permanently closed for all and the tarmac surface should be dismantled. Therefore, the border road will be of great service to the wildlife of Dudhwa as well as secure the protection of the country.





# Mitigation Measures

## Dudhwa National Park

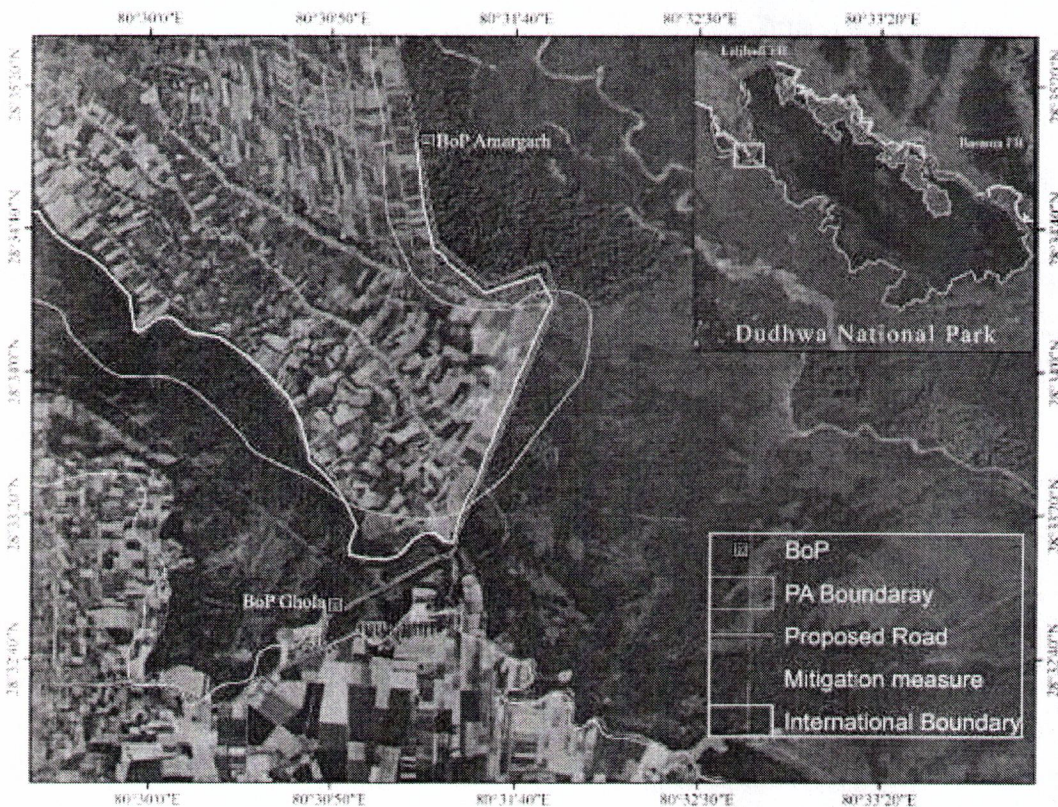


Figure 7.2

Map showing the Satiyana region of Dudhwa National Park (near Ghola BoP). The blue line depicted the proposed alignment while the red dashed line is the suggested alteration of the alignment.

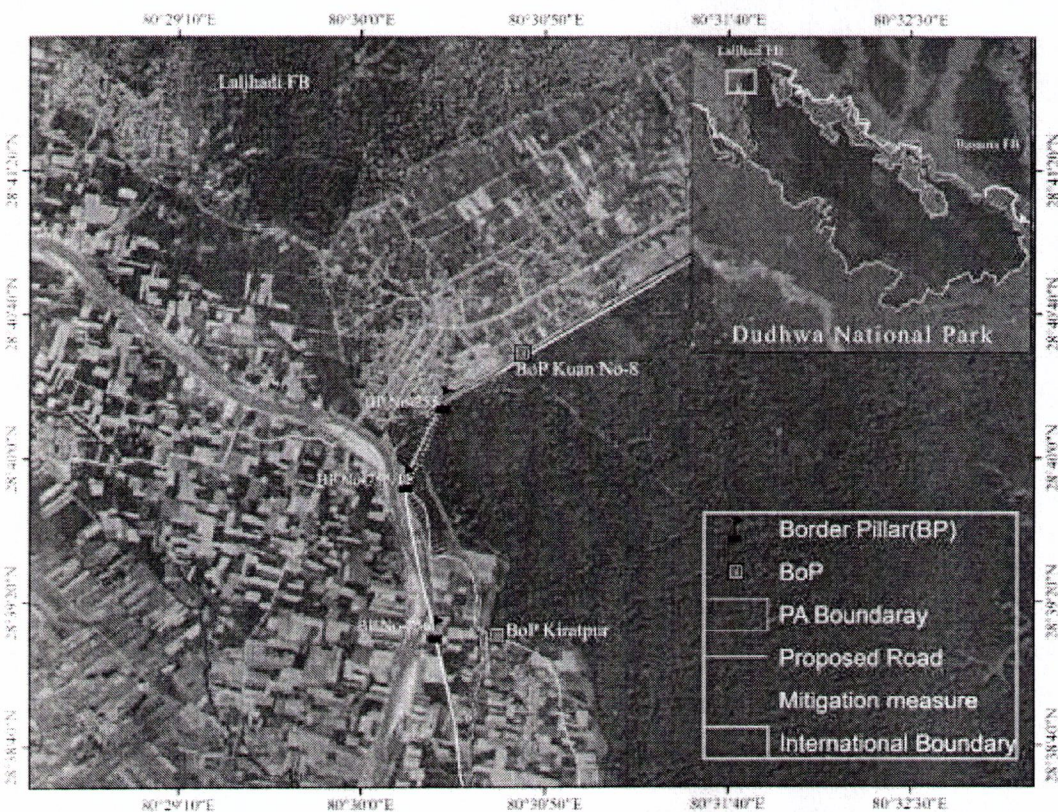


Figure 7.3

The Laljhadi-Gauriphanta area is a crucial elephant corridor, therefore, a flyover (red dashed line) should be built to secure this crucial link.





## Mitigation Measures

Dudhwa National Park

5. Rivers in this landscape play a pivotal role as they serve as wildlife corridors connecting nearby wildlife habitats. Therefore, a flyover of 1.3 km length (near BoP Sonha, between 28°34'7.41"N - 80°42'11.38"E to 28°33'46.35"N - 80°42'51.68"E) and minimum of 8-10m in height should be built in Masankhambh to facilitate elephant and other wildlife movement (Fig. 7.4). This forest patch constitutes an important part of the Basanta corridor, which is a vital link between the forests of Nepal and India. Once the flyover will be operational, the existing tarmac road needs to be dismantled.

6. We further prescribe, a flyover of 500m length and minimum of 8-10m height should be built near Mangal Purva (between BoP Sonha and Chandan Chowki, 28°32'52.59"N, 80°44'29.49"E to 28°32'48.48"N, 80°44'49.21"E). Additionally, agricultural lands (of ~0.3 km<sup>2</sup>) should be purchased (Fig. 7.5) by PWD and given to the Dudhwa tiger reserve administration. These mitigation measures will secure the wildlife connectivity in (Basanta corridor) this region. Once the flyover will be operational, the existing tarmac road needs to be dismantled.

7. The proposed alignment of the border road (INBR) is passing through the Chandan Chowki area of Dudhwa NP, is primarily comprised of marshland, wetlands & tall grasslands. These habitats are crucial for barasingha and hog deer, also used by tiger, leopard, sloth bear, and elephant. Construction of concrete road over here will alter the entire habitat and flooding pattern. As a suitable alternative, the existing forest road (which is close to the proposed alignment) should be used (Chandan Chowki BoP to Golbojhi BoP, Fig. 7.6), and can be upgraded to paved path (at ground level). This portion of the road will be used for security & forest management purpose only.

8. The proposed alignment in the Raghu Nagar area is passing through the crucial Basanta corridor (II). This fragmented forest patch opens into Mohana river, which act as a conduit for wildlife movement. Therefore, a flyover of 700 m (near Raghu Nagar BoP, 28°27'9.54"N, 80°54'54.35"E to 28°26'47.27"N, 80°54'57.36"E) should be built to safeguard the crucial Basanta corridor (Fig. 7.7). Once the flyover will be operational, the existing tarmac road needs to be dismantled.

All the elevated bridges/flyovers proposed along the Indo-Nepal Border road (inside the forest/protected areas) by the Public Work Department (PWD), which are not mentioned above, should be of minimum of 8-10m in height and at least 50m in length to facilitate movement of elephants (which move in herds, please see the 'Tunnelling effect' portion for details) in the landscape. In order to prevent damage to the wildlife habitat while construction of the flyovers, prefabricated materials should be used. The mitigation measures were discussed with senior SSB officials during the field visit of the Project Leader and Project Investigator. Since all the border outposts of SSB will be connected, the SSB Officials were in agreement with the proposed mitigation measures.

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI





# Mitigation Measures

## Dudhwa National Park

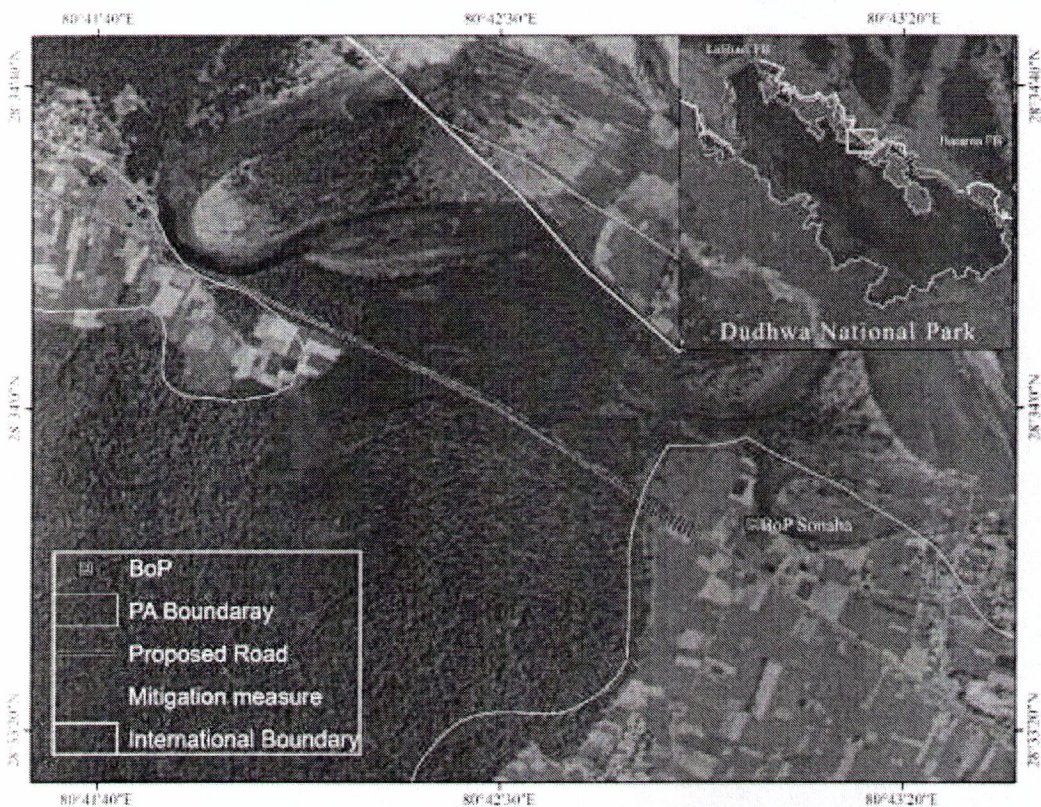


Figure 7.4

A flyover (red dashed line) should be built near Masankhambh area to secure the animal passage (Basanta corridor - I).

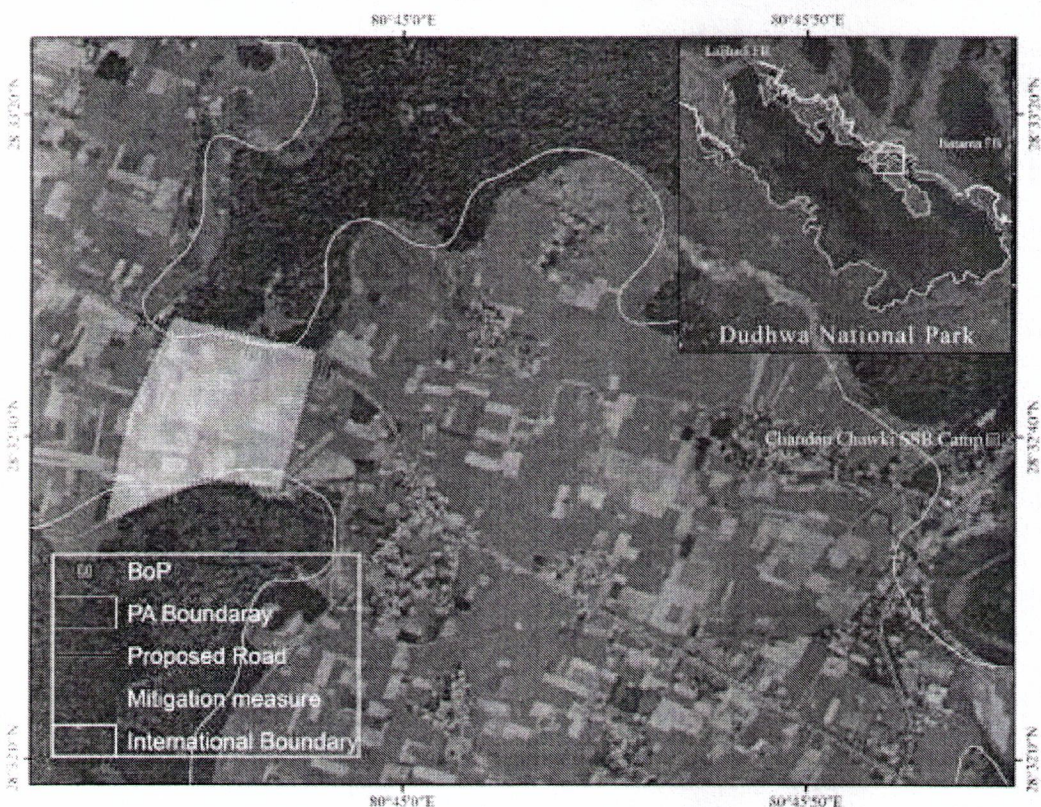


Figure 7.5

A flyover (red dashed line) near Mangal Purwa region of Dudhwa needs to be constructed. The agricultural land (white shaded polygon) in between should be purchased and handed over to Dudhwa Tiger Reserve to secure the connectivity in this area.



132



## Mitigation Measures

### Dudhwa National Park

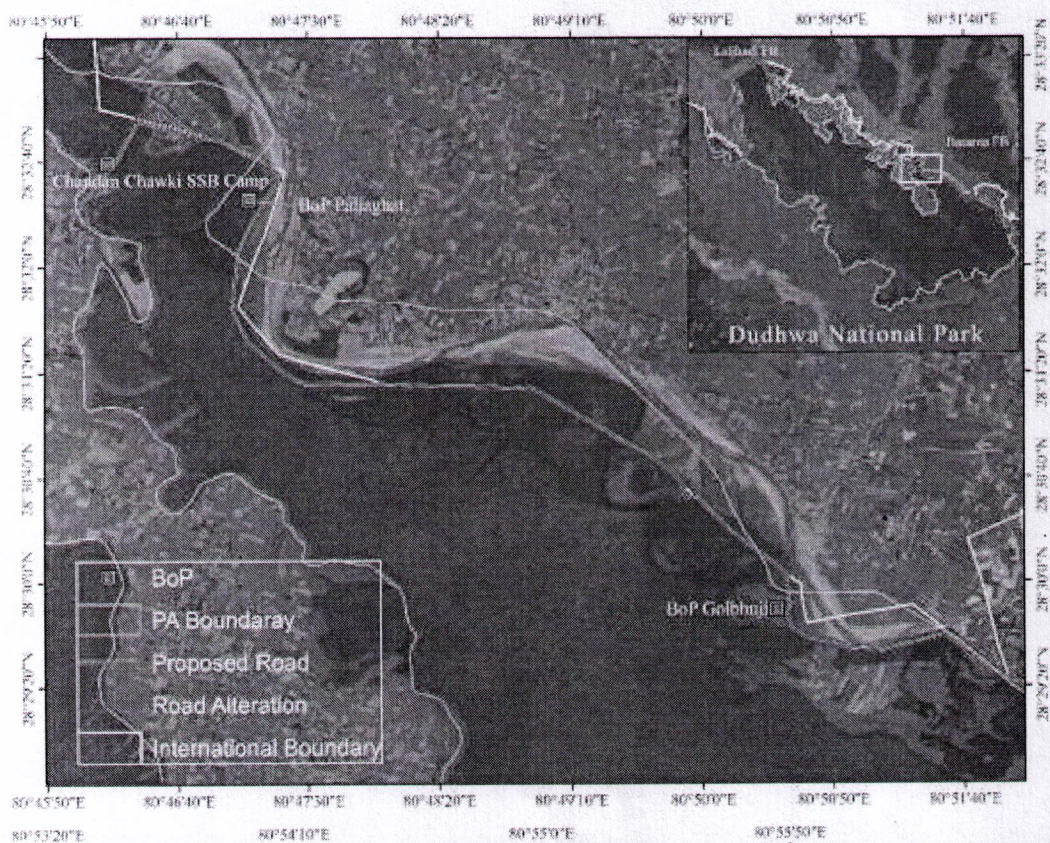


Figure 7.6

The border road between Chandan Chowki and Golbhuji BoP (red dashed line) may be converted into all weather morrum road to maintain the connectivity along the river.

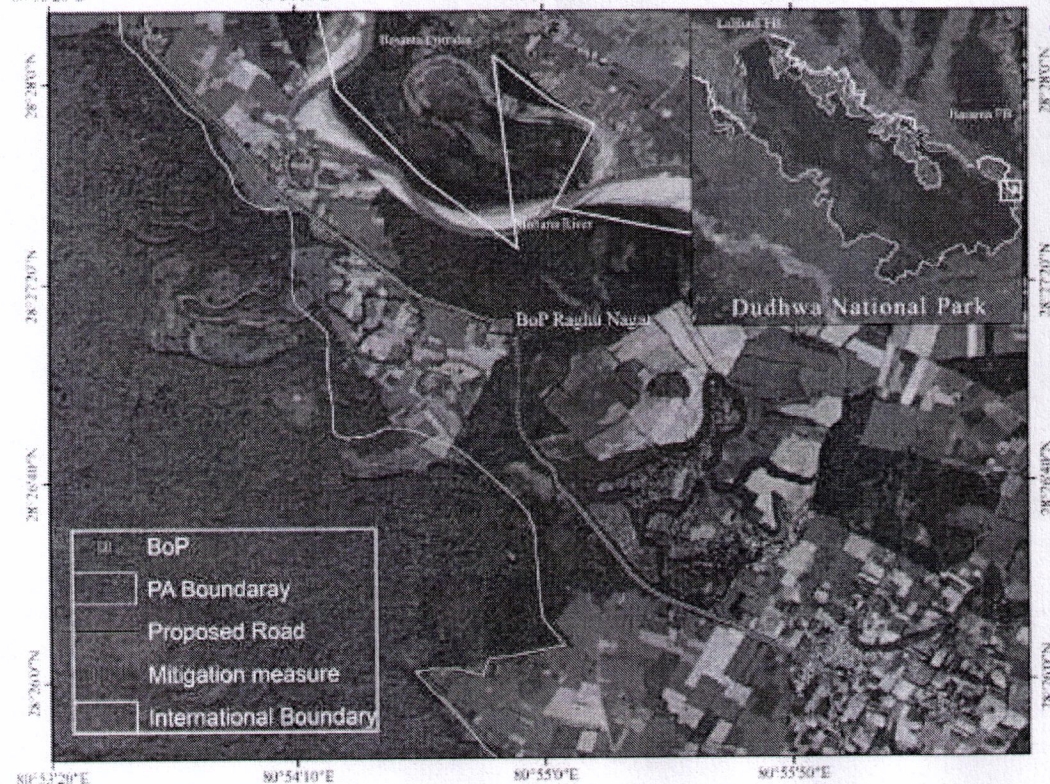


Figure 7.7

A flyover near Raghu Nagar BoP needs to be constructed to facilitate animal movement from the forests to the river (Basanta corridor - II).

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI





It was clear from the field data as well as from radio telemetry information and the literatures that the Chhedia and Khata corridors are frequently used by tiger, elephants, rhinoceros and other species of prime conservation importance (Fig. 5.1 – 5. 5, and Chanchani et al. 2014). Therefore, to maintain the integrity of these crucial links, appropriate mitigation measures need to be made.

1) The proposed road alignment will be crossing the Kaudiala river, which is also part of the Chhedia corridor. Considering the frequent movement of elephant, rhinoceros, tiger and leopard, the length of the proposed Kaudiwala river bridge should be increased to 3km (28°22'51.25"N, 81° 1'1.10"E to 28°23'50.91"N, 81° 2'13.58"E) with minimum of 8-10m in height (considering elephant movement) above the bank/land (Fig. 7.8).

2) A flyover of 1.8 km length (near Kaudiala Ghat BoP, 28°23'59.3"N, 81°03'34.27"E to 28°23'22.7"N, 81°04'25.2"E) and minimum of 8-10m in height (to facilitate elephant movement) should be built to safeguard the heavily used (by wildlife) Chhedia corridor (Fig. 7.8).

3) The proposed border road alignment is passing through the Khata corridor (including Girwa river). Although part of the Khata corridor has been degraded in the past, recent conservation efforts from both India and Nepal managed to secure this crucial corridor. Presently this corridor is frequently used by tiger, elephant, rhinoceros, and other wildlife species. This corridor is also the only viable link between the Katerniaghat landscape of India to the Bardia NP of Nepal. Considering the immense importance of this corridor, the following mitigation measures (Fig. 7.9) should be implemented:

i) The proposed Girwa river bridge (near Border Pillar Old 87) and the proposed flyovers (between Border pillar 85 to 82) should be merged and extended up to Border Pillar 82(old no.). The length of this new flyover will be 4.4 km with minimum 8-10m height (to facilitate elephant movement, from 28°21'55.36"N, 81°11'8.98"E to 28°20'43.11"N, 81°13'8.93"E). This proposed flyover will serve the purpose of joining the Border outposts of SSB as well as secure this vital wildlife corridor. The bridge on the Nepal side (on Girwa river) is conducive for wildlife movement.

ii) The proposed alignment between BoP 82 and BoP 79 is passing through the Khata corridor, which has already been degraded due to forest fragmentation and human disturbances. Therefore, this intact patch of forest is crucial to maintain the connectivity. Any further construction (such as building up flyover/underpasses or tarmac road) will disrupt the corridor. Considering this, the proposed alignment should take a detour near BoP82 (28°20'6.6"N, 81°13'35.6"E), use the existing forest road (inside the forest) and the existing village road (outside the forest) to join the BoP79 (28°18'45.93"N, 81°14'2.19"E). BoP Bardiya should be approached by using the village roads (outside the forests). This will prevent the corridor from further fragmentation, at the same time serve its purpose to joining the BoPs.





## Mitigation Measures

### Katerniaghat Wildlife Sanctuary

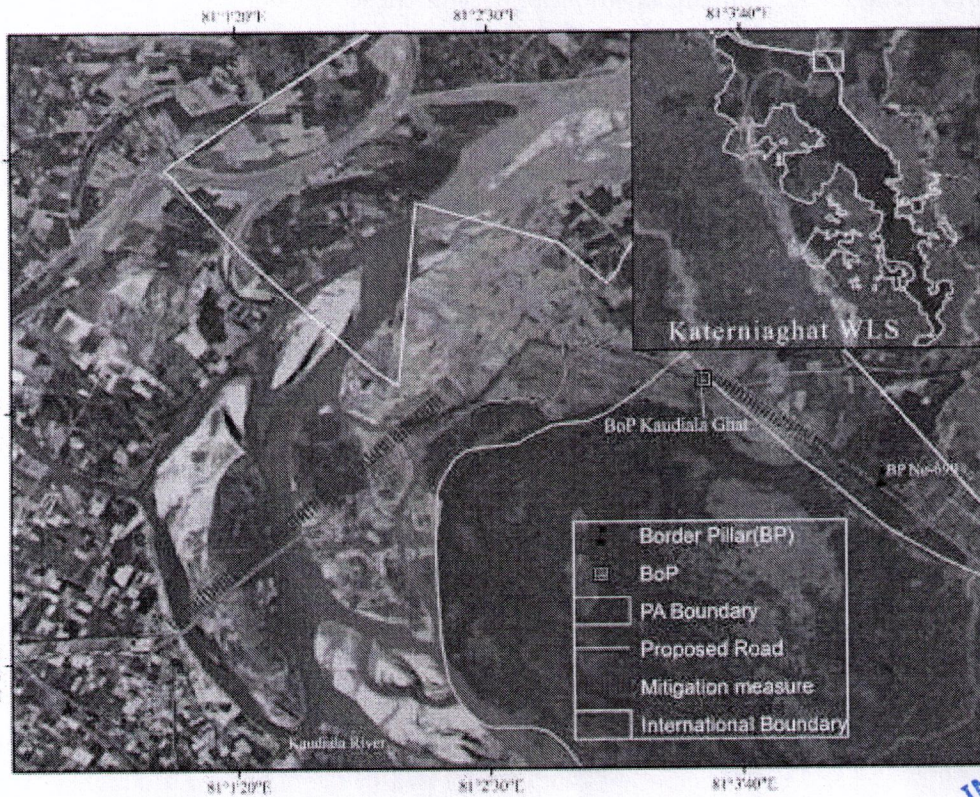


Figure 7.8

Mitigation structures were proposed to safeguard the Chedia corridor. The green lines are depicting two flyovers - left the proposed bridge over the Kaudiala river, right - a flyover near Kaudiala ghat BoP.

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

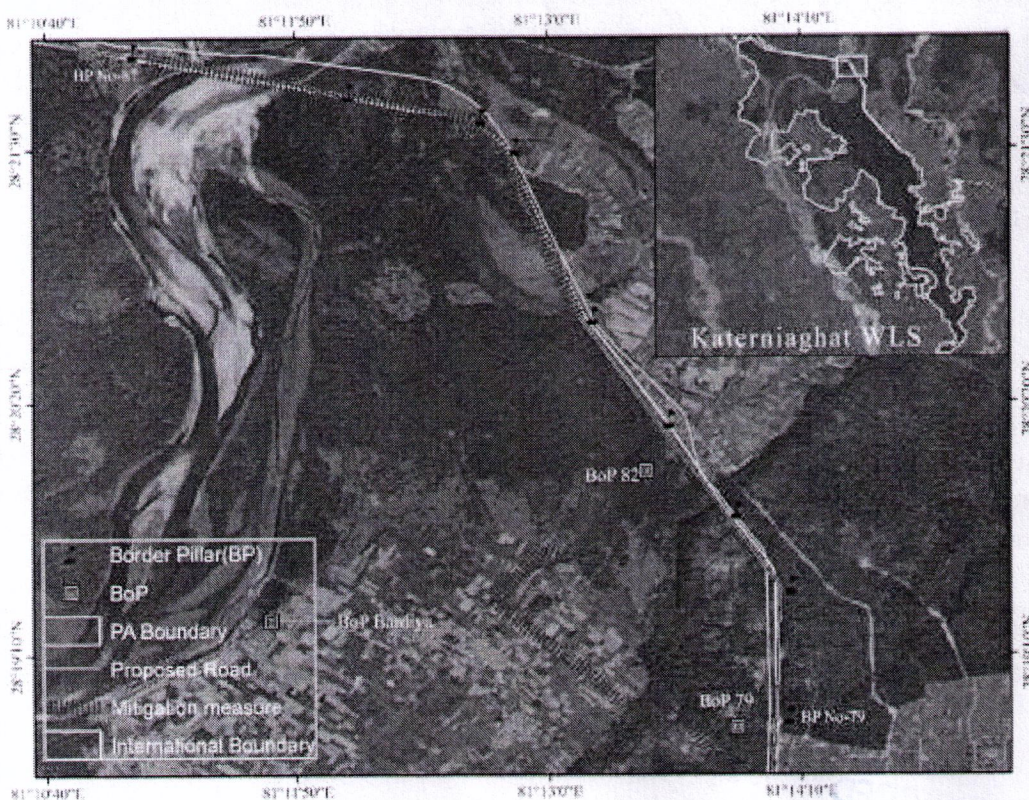


Figure 7.9

Mitigation measures to safeguard the crucial Khata corridor.

1 - The proposed bridge over Girwa river should be extended up to Pillar No. 82.

2. The proposed road alignment needs to be slightly altered and use the existing forest roads (all weather morrum road) from BoP82 and join the alignment near BoP 79. BoP Bardiya should be approached by using the village roads (outside the forests).





# Mitigation Measures

Katerniaghat Wildlife Sanctuary

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

©Ashish Bista

All the elevated bridges/flyovers proposed along the Indo-Nepal Border road (inside the forest/protected areas) by the Public Work Department (PWD), which are not mentioned above, should be of minimum of 8-10m in height and at least of 50m in length (considering passages for elephants which move in herd) to facilitate movement of elephants in the landscape.





## Mitigation Measures

Suhelwa Wildlife Sanctuary

Suhelwa WLS in India shares the continuous boundary with forested Churia hills of Nepal (contiguous with Banke National Park). During the field survey, two adult tigers were photo-captured in Suhelwa WLS, and pugmarks were recorded from different parts of the sanctuary (Fig. 6.1). These are the first photographic evidences of tigers from Suhelwa, which went locally extinct in the recent past. The continuous connectivity between Suhelwa and Banke (Nepal), made this natural revival of the tiger possible. The present survey also recorded presence of elephant, leopard, sloth bear and other species of conservation interest (Schedule I species, Wildlife Protection Act, 1972) from the sanctuary (Fig. 6.2-6.4). However, Suhelwa WLS is a linear patch of forest (PA width ranges from 2-8 km) and completely surrounded by human habitation in the Indian side (souther part). Therefore, Suhelwa in isolation cannot harbour viable population of these large ranging species.

1. Considering the above conditions, the present alignment of the border road should be altered from Suiya BoP ( $27^{\circ}51'53.48''\text{N}$ ,  $81^{\circ}55'45.17''\text{E}$ ) and use the existing state highway/district roads on the southern boundary of Suhelwa WLS and join the existing border road near BoP Trilokpur ( $27^{\circ}29'57.25''\text{N}$ ,  $82^{\circ}43'40.66''\text{E}$ ) (Fig. 7.10).
2. The existing BoPs should be connected through the existing forest roads and fire lines which need to be made all-weather morrum road (Fig. 7.10).

Presence of tigers was documented by WII research team in Suhelwa (direct and indirect evidences)

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI

©WII

55

8/16/2021 7:44 PM C62 A

Go back

©Ubair Shaikh



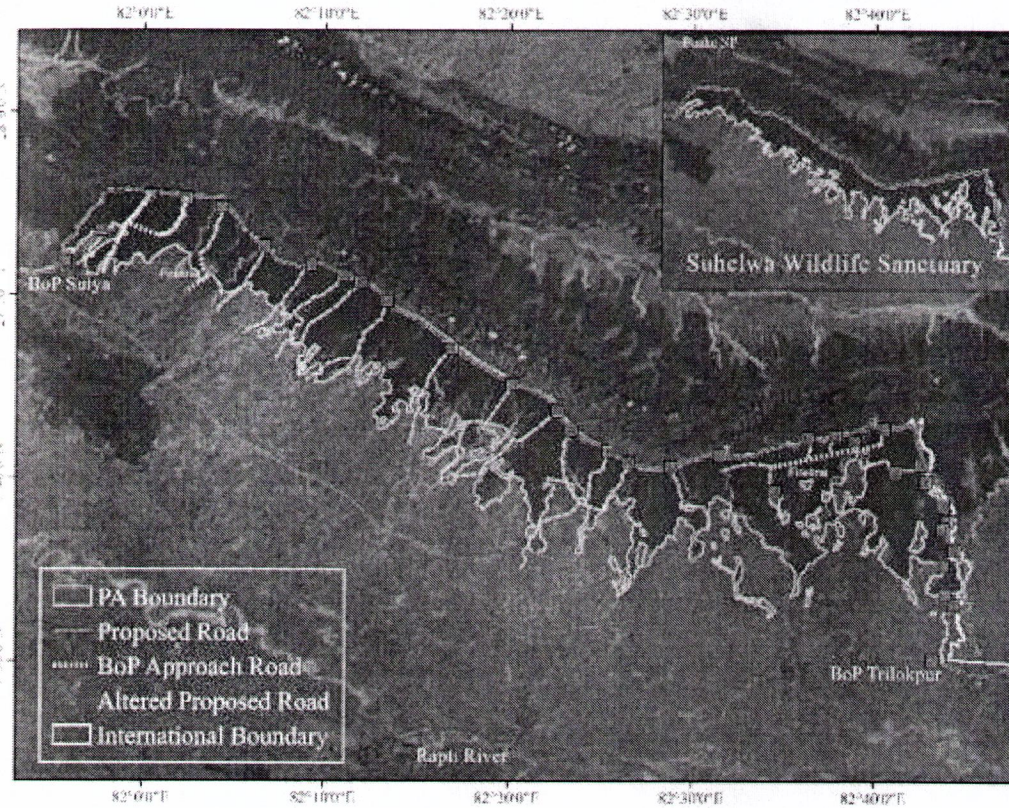


# Mitigation Measures

## Suhelwa Wildlife Sanctuary

Figure 7.10

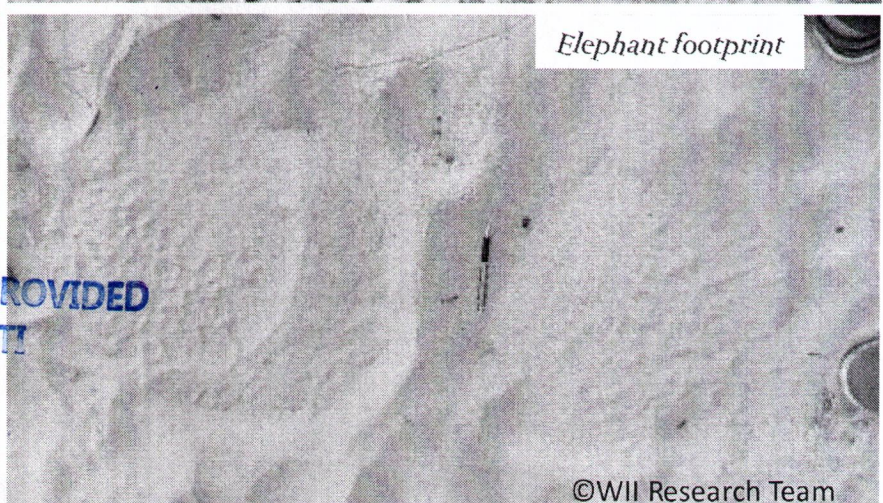
The proposed mitigation measures suggested for the Border road alignment passing through Suhelwa WLS. The red line showing the alternate route on the southern part side of the sanctuary, while the light green lines are showing the approach roads for connecting the SSB BoPs (green squares). The red line depicting the proposed alignment (by PWD).



Elephant presence was documented by WII research team in Suhelwa during the field survey



Elephant dung



Elephant footprint

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI





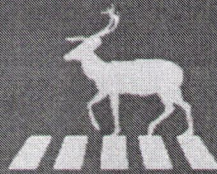
### B) General Mitigation Measures:

1. All the animal underpasses should have light and sound barriers, and the floor of the underpasses will be maintained as natural as its surrounding habitat.
2. To facilitate elephant movement in the landscape, all the underpasses will have a minimum span of 50 m with a height of minimum 8-10 m\*. Similar animal underpasses of at least of 50m length and minimum of 8-10m height, should be constructed over the rivulets, nallas, and natural depressions present in the PAs, and their Eco Sensitive Zones (underpasses which are not mentioned in site specific mitigation measures). In the absence of ESZ, 10km buffer of the PA will be considered as ESZ according to the order of Hon'ble Supreme Court.
3. Existing drainage culverts should be modified during the construction for using them as animal passage structures (Hume pipe: 2 m × 2 m, Culvert: 5 m × 5 m). The floor of the culverts should be layered with soil/sand/gravels (as per the surrounding substrata).
4. No existing drainage should be blocked due to the construction of the road.
5. The proposed road inside the PAs should be used mainly for National defense, patrolling by the Forest Department, and by the local communities inhabiting the PAs.
6. No commercial activities/establishments should be permitted along the road side and active vigil should be maintained to prevent such activities in the future.
7. Night time (6pm to 6am) ban on all traffic (except SSB, Forest Departments, and local communities in case of emergency) needs to be implemented in order to prevent disturbances during the peak wildlife activity time.
8. No construction materials should be collected from the forests and the debris should be deposited outside the forest area in an environmentally sustainable manner.

\* We have proposed the minimum height of underpasses as 8-10m to facilitate elephant movement across the landscape. Height of the underpasses generally determined by openness index of the underpass (considering height, width & length of underpass, details in 'Tunnelling Effect' section) as well as the behaviour of animal in focus. As per the WII suggestions (2016), in elephant landscapes, the height of the underpass should be 8-10m. In case of narrow width roads, underpasses of 50m length with 6-8 m height may be suggested. However, the optimum height should be 3 times that of the tallest animal. In case of elephants (average height 3m), 8-10m is suggested as optimum (WII Report 2016).







## Mitigation Measures <sup>139</sup>

Applicable for all sites

9. No construction work and stay of construction labours should be permitted at night (6pm to 6am) inside the forest land.
10. Chief Wildlife Warden, Government of Uttar Pradesh should constitute a monitoring committee comprising representatives of Forest Department, SSB, PWD, and WII to oversee that the project and its implementation in strict adherence to the prescribed mitigation measures.

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI





## Tunnelling effect & Openness Ratio

"The effect by which animal movement through an underpass or tunnel is hampered due to a narrow or constricted view across the structure"

WII Report 2016

Mitigation structures such as underpasses should be designed keeping in mind the body size and behaviour of the target species. The usefulness of the underpasses is greatly dependent on the 'Openness Ratio' -  $[(\text{Height} * \text{Width}) / \text{Length}]$

The aim is to make sure the animal can comfortably see the other side across the underpass. Otherwise, the underpasses will act as a psychological barrier for the animal to cross.

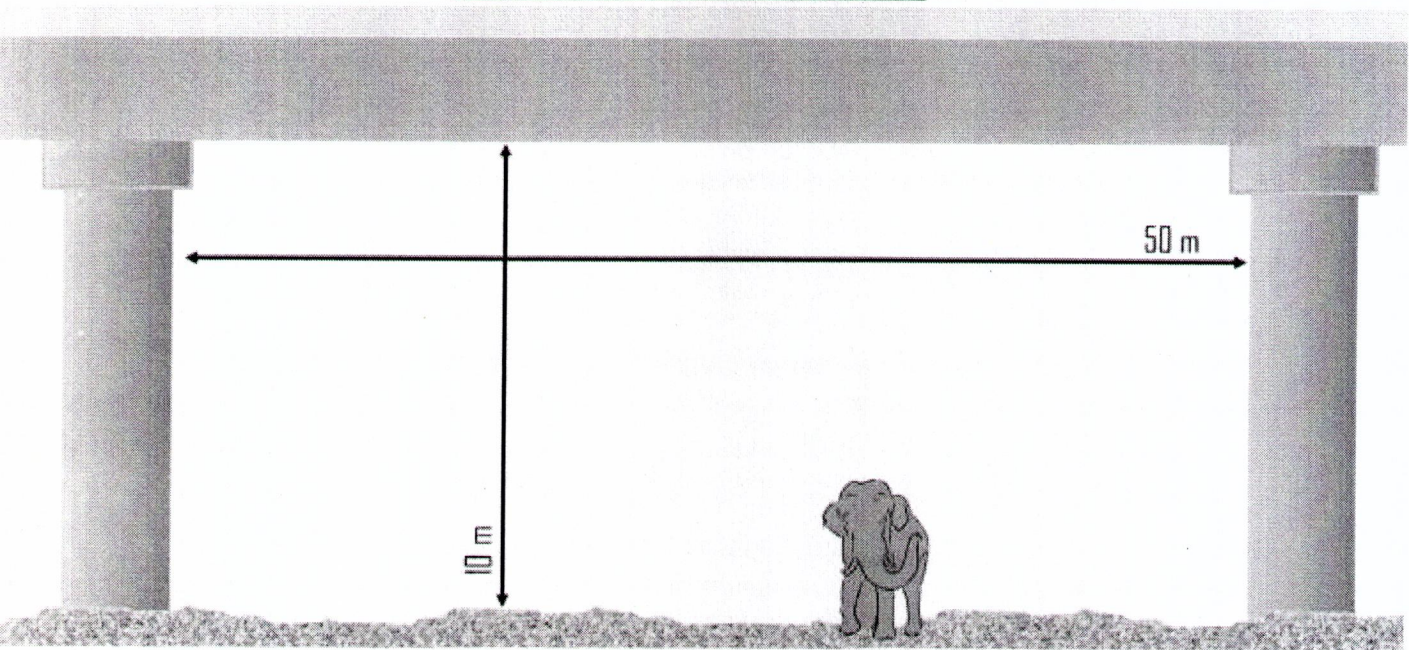


# Tunnelling Effect

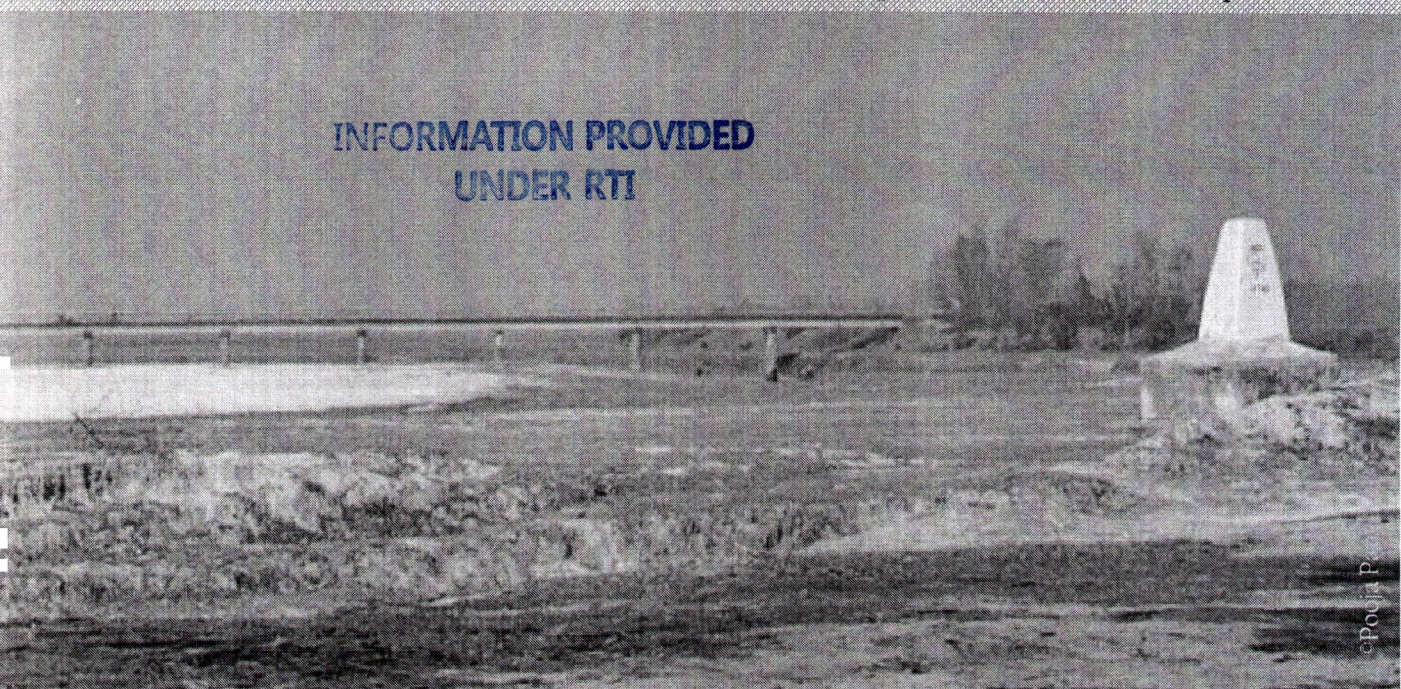


Elephant is the largest land animal in the Terai Arc Landscape. Considering their large body size and group living behaviour (move in large groups), the underpasses should be at least 8-10m in height and 50m in width (the gap between two pillars of the underpass should not be less than 30 m) to facilitate elephant movements. Light and sound barriers should be used along with other sensory enhancers (such as creating a natural environment using leaf litter, herbaceous vegetation, dungs, gravel, etc.) to avoid tunneling effects.

#### Animal Underpass - Minimum Requirement



Border Pillar 178 near Laljhadi – Goriphanta corridor (in between Kuan No. 8 and Kiratpur BoP). The Nepalese bridge (in the background) over river Dodra/Suheli is high enough to facilitate elephant movement between Nepal and India.





## References

- Anwar, M. and Borah, J. (2020). Functional status of a wildlife corridor with reference to tiger in Terai Arc Landscape of India. *Trop. Ecol.* 60, 525–531.
- Beaudry, F., Demaynadier P. G., and Hunter, Jr. M. L. (2010). Identifying hot moments in road-mortality risk for freshwater turtles. *Journal of Wildlife Management.* 7(1): 152-159.
- Bhargava, R., Rahmani, A. R., and De, R. (2016). Birds of Suheldev Wildlife Sanctuary, Balrampur and Shravasti Districts, Uttar Pradesh, India. *Journal of the Bombay Natural History Society*, 113, 3-14.
- Bista A., Chanchani P., Pandey R., Hasan D., Gupta M., Pathak S. (2019) Status of Common Leopard in Katarniaghat Wildlife Division. Uttar Pradesh Forest Department and WWF-India.
- Bista, A. (2011). Proximate determinants of ungulate distribution and abundance in Pilibhit Forest Division, Uttar Pradesh, India. M.Sc Dissertation, Saurashtra University, Rajkot, Wildlife Institute of India, Dehradun.
- Biswas, S., Bhatt, S., Sarkar, D., Talukdar, G., Pandav, B., and Mondol, S. (2020). Assessing tiger corridor functionality with landscape genetics and modelling across Terai-Arc Landscape, India. *bioRxiv preprint.*
- Carter N., Killion A., Easter T., Brandt J., Ford A. (2020). Road development in Asia: assessing the range-wide risks to tigers. *Science Advances* 6(18); <https://advances.sciencemag.org/content/6/18/eaaz9619>
- Champion H., Seth S.K. (1968). A revised survey of the forest types of India. Daya Publishing House, Delhi.
- Chanchani P., Bista A., Warriar R., Nair S., Sharma R., Hassan D, Gupta M. (2014) Status and Conservation of Tigers and their Prey in the Uttar Pradesh Terai. WWF-India, New Delhi.
- Chanchani P., Lamichhane B. R., Malla S., Maurya K., Bista A., Warriar R., Nair S., Almeida M., Ravi R., Sharma R., Dhakal M., Yadav S. P., Thapa M., Jnawali S. R., Pradhan N. M. B., Subedi N., Thapa G. J., Yadav H., Jhala Y. V., Qureshi Q., Vattakaven J. and Borah J. (2014). Tigers of the Transboundary Terai Arc Landscape: Status, distribution and movement in the Terai of India and Nepal. National Tiger Conservation Authority, Government of India, and Department of National Park and Wildlife Conservation, Government of Nepal.
- Chanchani, P., Warriar, R., Bista, A., Nair, S., Lodhi, N., and Gupta, M. (2014). Status of Tigers in Pilibhit Forest Division, Terai Arc Landscape, Uttar Pradesh, India.
- Chaudhary L. B., Kumar A., Mishra A. K., Sahu N., Pandey J., Behera S. K., Bajpai O. (2014). Tree resources of Katarniaghat Wildlife Sanctuary, Uttar Pradesh, India with especial emphasis on conservation status, phenology and economic value. *International Journal of Environment* 3(1):122-133.
- Faizi, S., and Ravichandran, M. G. (2017). India's Biodiversity: A Study of the Management Regime.
- Fleming, R.L., Sr, Fleming, R.L., Jr and Bangdel, L.S. (1976). Birds of Nepal with reference to Kashmir and Sikkim. Adarsh Books. Kathmandu, Nepal.
- Ghose, D., Guleria, H. K., Gupta, M., Singh, A. K., Chanchani, P., Paliwal, A., Singh, A., Singh, A. K., Yadav, S. K., Gupta, S., De, R. and Worah, S. (2014). The Terai Road: A report on the proposed road along the Indo-Nepal border within the Terai Arc Landscape. WWF India and Forest Department, Government of Uttar Pradesh.
- Grilo C, Bissonette, J.A. and Santos-Reis, M. (2008). Response of carnivores to existing highway culverts and underpasses: implications for road planning and mitigation. *BiodiversConserv*17,1685–1699.
- Grilo C, Sousa J, Ascensao F, Matos H, et. al. (2012). Individual spatial responses towards roads: Implications for mortality risk. *PLoS ONE* 7(9). DOI: 10.1371/journal.pone.0043811.



# References

- Habib, B., Saxena, A., Mondal, I., Rajvanshi, A., Mathur, V. B. and Negi, H. S. (2015). Proposed Mitigation Measures for Maintaining Habitat Contiguity and Reducing Wild Animal Mortality on NH 6 and 7 in the Central Indian Landscape. Technical Report, Wildlife Institute of India, Dehradun and National Tiger Conservation Authority, Govt. of India, New Delhi, pp 100. TR 2015/006.
- Inskipp, C. and Inskipp T. (1991). A Guide to the Birds of Nepal. Christopher Helm, London, UK.
- Jhala YV, Qureshi Q and Nayak AK (eds) (2020) *Status of tigers, co-predators and prey in India 2018 (Draft Report)*, National Tiger Conservation Authority, Government of India, New Delhi and Wildlife Institute of India, Dehradun. TR No./2019/05.
- Johnsingh, A.J.T., Ramesh, K., Qureshi, Q., David, A., Goyal, S.P., Rawat, G.S., Rajapandian, K. and Prasad, S. (2004). Conservation status of tiger and associated species in the Terai Arc Landscape, India. RR-04/001, Wildlife Institute of India, Dehradun, Pp. viii + 110.
- Khanal, C., and Baniya, S. (2018). Deukhuri valley: a wildlife haven in the Shiwalik hills, Nepal. *The Himalayan Naturalist*, 1(1), 8-10.
- Kolipakam, V., Singh, S., Pant, B., Qureshi, Q., and Jhala, Y. V. (2019). Genetic structure of tigers (*Panthera tigris tigris*) in India and its implications for conservation. *Global Ecology and Conservation*, 20, e00710.
- Kumar A. et. al. (2015). A checklist of the flowering plants of Katarniaghat Wildlife Sanctuary, Uttar Pradesh. *Journal of Threatened Taxa* 7(7):7309-7408.
- Malo JE, Suarez F and Diez A (2004). Can we mitigate animal-vehicle accidents using predictive models? *Journal of Applied Ecology*. 41(4): 701-710.
- Maskey, T.M. (1989). Movement and survival of captive-reared gharial *Gavialis gangeticus* in the Narayani river, Nepal. Doctoral dissertation, University of Florida, USA.
- Mathur, P.K. and Neha Midha. 2008. Mapping of National Parks and Wildlife Sanctuaries, Dudhwa Tiger Reserve, WII-NNRMS-MoEF Project, Final Technical Report, Wildlife Institute of India, Dehradun, India. 216 pp.
- MoRTH (2021). Annual report 2020-2021. Govt. of India, New Delhi.
- Musavi A., Khan A.M. (2016). Resource dependence and local people's attitude towards conservation: A case study from -Katarniaghat Terai ecosystem. *International Journal of Ecology and Environmental Sciences* 42(2):167-178.
- Pandey R., Mall T.P., Singh R.K. (2008). Forest types of Katarniaghat Wildlife Sanctuary- A biogeographic classification. *Environment Conservation Journal* 9(3): 83-87.
- Qureshi, Q., Saini, S., Gopal, R., Raza, R., Jhala, Y. (2014). Connecting Tiger Populations for Long-Term Conservation. National Tiger Conservation Authority and Wildlife Institute of India, Dehradun. TR2014-02
- Rahmani, A. R., Jha, R. R. S., Khongsai, N., Shinde, N., Talegaonkar, R., and Kalra, M. (2017). Studying movement pattern and dispersal of the Bengal Florican (*Houbaropsis bengalensis*): a satellite telemetry pilot project 2013-2016, final report. Mumbai: Bombay Natural History Society.
- Rytwinski T, Soanes K, Jaeger JAG, Fahrig L, Findlay CS, Houlahan J, et al. (2016). How effective is road mitigation at reducing road-kill? A meta-analysis. *PLoS ONE* 11(11): e0166941. doi:10.1371/journal.pone.0166941.
- Semwal, R. L. 2005. The Terai Arc Landscape in India, Securing Protected Areas in the Face of Global Change. WWF-India, New Delhi. vii + 47pp.
- Shah, K. (1995). Enumeration of the Amphibians and Reptiles of Nepal. Biodiversity Profile Project Publication, (2), HMG's Department of National Parks and Wildlife Conservation Kathmandu, Nepal.



## References

- Singh S., and Prasad S. (2013). Management Plan of Katarniaghat Wildlife Sanctuary (2000-2001 to 2009-2010). Wildlife Preservation Organisation. Forest Department, Uttar Pradesh, Lucknow.
- Singh S., and Prasad S. (2013). Tiger Conservation Plan of Dudwa Tiger Reserve (2013-2014 to 2022-2023). Wildlife Preservation Organization. Forest Department, Uttar Pradesh, India.
- Singh, G. (2010, October). *Indopiptadenia oudhensis*: A plant of Sohelwa wildlife forest division, Balrampur, Uttar Pradesh. In *National Conference on Biodiversity, Development and Poverty Alleviation*. Uttar Pradesh Biodiversity Board, Lucknow (pp. 145-146).
- Thapa, K., Wikramanayake, E., Malla, S., Acharya, K. P., Lamichhane, B.R., Subedi, N., Pokharel, C. P., Thapa et al. (2017). Tigers in the Terai: Strong evidence for meta-population dynamics contributing to tiger recovery and conservation in the Terai Arc Landscape. *PLoS One* 12, e0177548.
- Van der Grift E. A., van der Ree R., Fahrig L., Findlay S., Houlahan J., Jaeger J. A. G., Klar N., Madrinan I. F., and Olson L. (2012). Evaluating the effectiveness of road mitigation measures. *Biodiversity and Conservation* 22:425-448
- Van der Ree R., Smith D. J., and Grilo C. (eds.) (2015). The ecological effects of linear infrastructure and traffic: challenges and opportunities of rapid global growth. *Handbook of Road Ecology* (First edition). John Wiley and Sons Ltd. USA.
- WII (2016). *Eco-friendly Measures to Mitigate Impacts of Linear Infrastructure on Wildlife*. Wildlife Institute of India, Dehradun, India.
- Wikramanayake, E., Dinerstein, E., Robinson, J.G., Karanth, U., Robinowitz, A., Olson, D., Mathew, T., Hedao, P., Conner, M., Hemley, G., and Bolze, D., (1998). An ecology based method for defining priorities for large mammal conservation: the tiger as case study. *conservation Biology* 12, 865-878.
- Yumnam B, Jhala YV, Qureshi Q, Maldonado JE, Gopal R, Saini S, et al. (2014) Prioritizing tiger conservation through landscapegenetics and habitat linkages *PLoS ONE* 9(11): e111207.





e Dudhwa  
between WH  
the forest  
India, and SSB  
posed mitigation  
Border road.



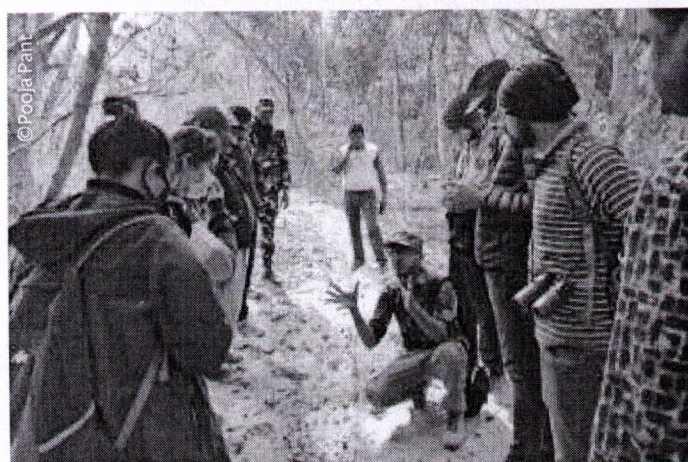
# Field Survey



Field visit by the Project investigators along with the PWD and Forest department officials to investigate the proposed mitigation structures (Katarniaghat WLS).

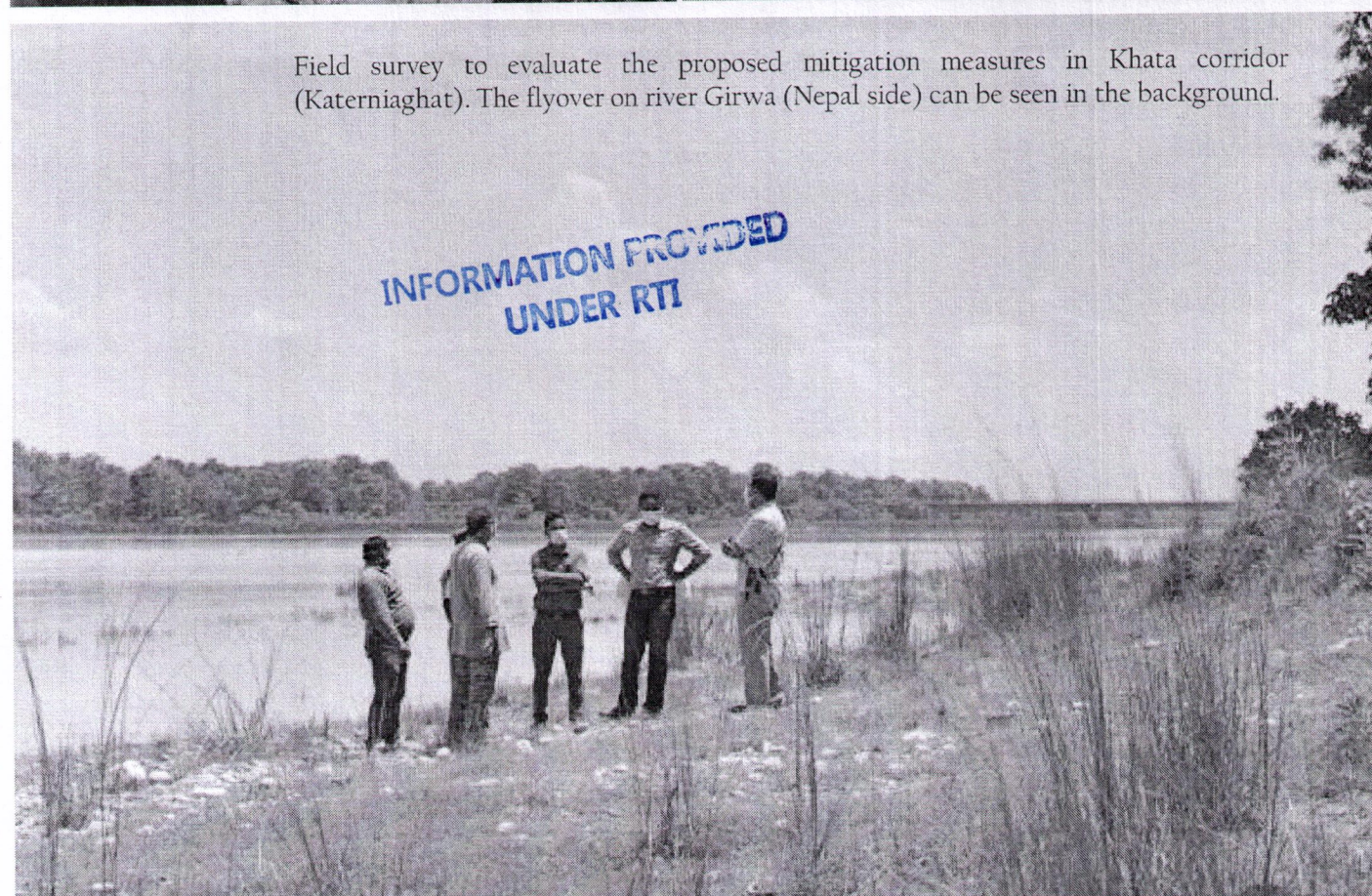






Field survey to evaluate the proposed mitigation measures in Khata corridor (Katarniaghat). The flyover on river Girwa (Nepal side) can be seen in the background.

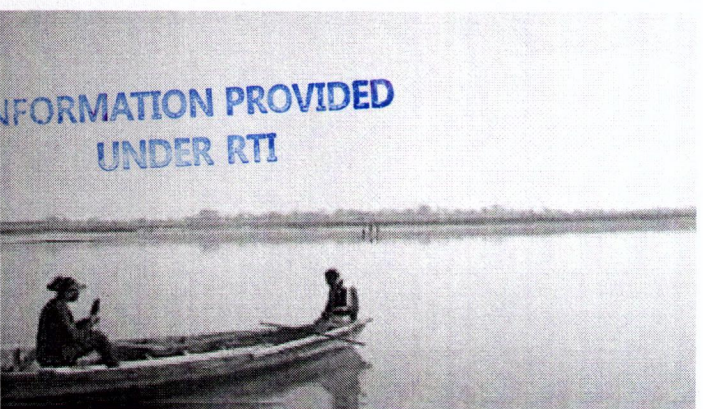
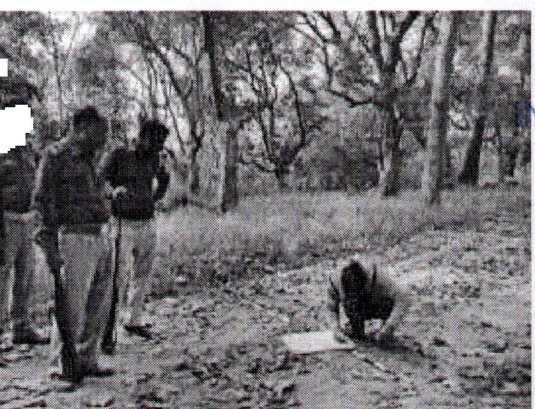
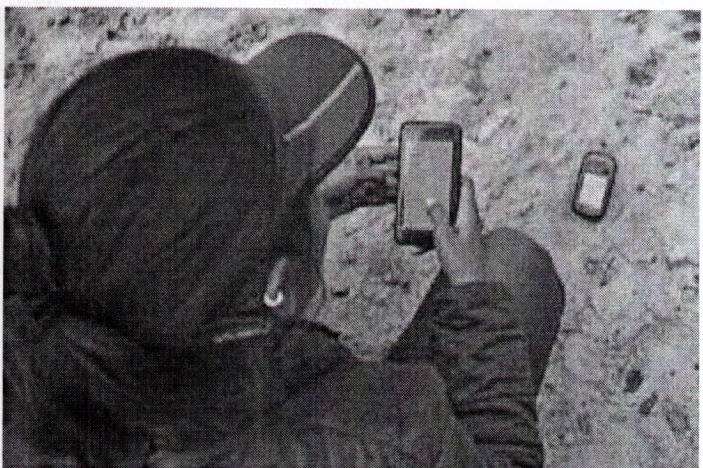
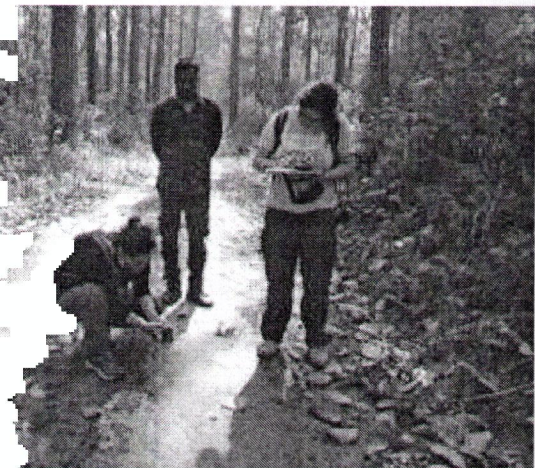
INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI







# Field Survey





# CAMERA TRAP

Photographs from Field Sites

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RIT







Pilibhit



All camera trap photographs © WII

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



150



Dudhwa



INFORMATION PROVIDED  
UNDER EIT





# Katerniaghat



Collared Rhino from Nepal  
©WWF India



152



Suhelwa

First photographic evidence of tiger



8/16/2021 7:44 PM C62 A



4/17/2021 1:21 AM C08



4/12/2021 3:28 AM C01

INFORMATION PROVIDED  
UNDER RTI



4/17/2021 10:27 PM C19



4/19/2021 7:23 PM C10



4/19/2021 6:38 AM C16





© Wildlife Institute of India

## DIRECTOR

Wildlife Institute of India  
Dehradun, India 248 001  
Toll: 00 91 135 2646101  
Fax: 00 91 135 2640117  
E-mail: dwii@wii.gov.in

INFORMATION PROVIDED  
UNDER ITI



भारतीय वन्यजीव संस्थान  
Wildlife Institute of India

